हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची • शनिवार • 06.12.2025 • वर्ष : 16 • अंक : 131 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

भारत-रूस द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए संकल्पबद्ध : मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान कहा कि भारत और रूस अपने द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए संकल्पबद्ध हैं। राष्ट्रपति पुतिन के साथ वार्ता की शुरूआत में मोदी ने कहा कि दोनों देश अपने आर्थिक संबंधों और मजबूत बनायेंगे तथा वे संबंधों को लेकर बहुत आशांवित हैं।

प्रधानमंत्री मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हैदराबाद हाउस में दो-तरफा बातचीत की। प्रधानमंत्री मोदी ने 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए हैदराबाद हाउस पहुंचने पर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का गर्मजोशी से स्वागत किया। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव शक्तिकांत दास और दूसरे बड़े अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया वैश्विक महामारी कोविड 19 के बाद से विभिन्न संकटों से जूझ रही है। उन्हें आशा है कि दुनिया शीघ्र ही इन चुनौतियों से मुक्त होगी। विश्व समुदाय प्रगति की ओर सही रास्ते पर आगे बढ़ेगा तथा सहयोग का रास्ता अपनाएगा। राष्ट्रपति पुतिन को सच्चा मित्र और यूक्रेन संघर्ष का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत शांति के पक्ष में है। भारत ने हमेशा शांति का पक्ष लिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति पुतिन ने समय-समय पर यूक्रेन के घटनाक्रम से अवगत कराया है। यूक्रेन संकट शुरू होने के बाद से ही दोनों देशों की बीच संपर्क बना हुआ है। एक मित्र के रूप में पुतिन ने उन्हें जानकारी दी है। यह विश्वास बहुत मायने रखता है। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि विश्व में पुनःशांति कायम होगी। उन्होंने कहा कि शांति के जरिए ही विश्व कल्याण सुनिश्चित हो सकता है। हमें आपस में मिलकर शांति के रास्ते पर चलना चाहिए। हाल के दिनों के घटनाक्रम से उन्हें विश्वास है कि दुनिया शांति पर लौटेगी।

राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन संघर्ष का समाधान तलाशने में प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों के लिए उनका धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस संकट के समाधान के लिए रूस अमेरिका और अन्य सहयोगी देशों के साथ मिलकर प्रयासरत हैं। समाधान के लिए भारत के पक्ष को सम्मान देते हैं। उन्होंने कहा कि यूक्रेन संकट की जड़े इतिहास में है। महत्व शब्दों का नहीं बल्कि वास्तविक ठोस उपायों का है।

- भारत को ईंधन की आपूर्ति करता रहेगा रूस
- ऊर्जा क्षेत्र में हमारी साझेदारी बहुत सफल है : पुतिन
- परमाणु क्षेत्र में अहम साझेदारी
- पुतिन बोले- भारत को हथियार देते रहेंगे
- भारत-रूस का बिजनेस एक साल में 12 फीसदी बढ़ा
- भारत ने रूस के लोगों के लिए मुफ्त वीजा का किया एलान

वार्ता से पहले राष्ट्रपति पुतिन राजघाट गए जहां उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। राष्ट्रपति पुतिन ने अपने संदेश में लिखा कि महात्मा गांधी का दुनिया में शांति के लिए योगदान भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने बहुध्रुवीय विश्व की कल्पना की थी जो अब आकार ले रहा है। लियो टॉल्स्टॉय को लिखे अपने पत्रों में उन्होंने एक ऐसी दुनिया के भविष्य के बारे में विस्तार से सोचा जो तानाशाही और दबदबे से मुक्त हो और जो देशों के बीच समानता, आपसी सम्मान और सहयोग के सिद्धांतों पर आधारित हो। ये वही सिद्धांत और मूल्य हैं, जिन्हें रूस और भारत आज अंतरराष्ट्रीय मंच पर मिलकर बनाए रखते हैं। रूसी राष्ट्रपति का आज नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने औपचारिक स्वागत किया। राष्ट्रपति पुतिन कल नई दिल्ली पहुंचे थे, जहां प्रधानमंत्री ने उनका एयरपोर्ट में स्वागत किया था। इसके बाद एक साक्षात्कार में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि भारत और रूस के बीच सहयोग न सिर्फ द्विपक्षीय संबंध मजबूत करता है, बल्कि वैश्विक स्थिरता की नींव भी तैयार करता है।

ध्रुव तारे की तरह है भारत-रूस मित्रता : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज भारत-रूस संबंधों की तुलना आकाश में एक स्थान पर स्थिर बने रहने वाले ध्रुव तारे से की। उन्होंने कहा कि दोनों देश 2030 तक अपने आर्थिक सहयोग कार्यक्रम को आगे बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। दोनों देश यूरेशिया (एशिया-यूरोप) आर्थिक संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौता करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ शुक्रवार को यहां के हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री मोदी ने द्विपक्षीय शिखर वार्ता की।

वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 8 दशकों में विश्व ने उतार-चढ़ाव देखे हैं और मानवता अनेक चुनौतियों और संकटों से गुजरी है लेकिन भारत और रूस की मित्रता ध्रुव तारे की तरह परस्पर सम्मान और गहरे विश्वास पर टिकी है और समय की कसौटी पर हमेशा खरी उतरी है। इस दौरान दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंध को मजबूत बनाने के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मीडिया वक्तव्य के दौरान इन समझौतों का आदान-प्रदान किया गया।

एक नजर

उड्डयन मंत्री ने एयरलाइन उड़ानें बाधित होने पर उच्च स्तरीय जांच के दिए आदेश

नयी दिल्ली : नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने शुक्रवार को इंडिगो एयरलाइन सहित कई एयरलाइन की उड़ानों में व्यापक रुकावट को लेकर उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा ना हो। उन्होंने बताया कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने यात्रियों को हो रही भारी असुविधा को देखते हुए तत्काल और सक्रिय कदम उठाए हैं, जिसमें यात्रियों के हित को सर्वोपरि रखा गया है। इससे जुड़ी समस्याओं को लेकर नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एक 247 कंट्रोल रूम भी स्थापित किया है, जिसके लिए उन्होंने संपर्क नं 011-24610843, 011-24693963, 096503-91859 जारी किए हैं। इस जांच का उद्देश्य इंडिगो की उड़ानें प्रभावित होने की जांच करना, जवाबदेही तय करना और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उपाय सुझाना है।

कोलकाता हवाई अडडे पर इंडिगो विमानसेवा का परिचालन पिछले तीन दिनों से बुरी तरह प्रभावित रहा। पहले से जारी रद्दीकरण और विलम्ब के अलावा इंडिगो की 47 अतिरिक्त उड़ानों के रद्द होने से स्थिति और गंभीर हो गई है। नई जानकारी के अनुसार, 4 दिसम्बर को कोलकाता से देश के विभिन्न शहरों जैसे- मुम्बई, पुणे, दिल्ली, हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, इंदौर, गुवाहाटी, कोयंबटूर आदि मार्गो पर इंडिगो की 47 उड़ाने रद्द की गईं।

मुख्यमंत्री ने देश के विभिन्न राज्यों से आए 'आदिवासी प्रतिनिधियों' का किया स्वागत

एकजुटता और आत्मनिर्भरता से ही संभव है आदिवासी समाज का सशक्तीकरण : हेमन्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में शुक्रवार को देश के विभिन्न राज्यों से आए "आदिवासी प्रतिनिधियों" का मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने हार्दिक स्वागत करते हुए उन्हें संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि झारखंड की धरती हमेशा से वीरता, स्वाभिमान और संघर्ष की प्रतीक रही है। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा से लेकर दिशोम गुरु शिबू सोरेन जैसे अनेक वीर-वीरांगनाओं के त्याग और संघर्ष ने आदिवासी अस्मिता को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज ने मानव सभ्यता के निर्माण एवं संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और आज भी इस समाज में एकता व जागरूकता की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि झारखंड सरकार आदिवासी समाज की संस्कृति, पहचान और अधिकारों की रक्षा के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सामाजिक, बौद्धिक और शैक्षणिक रूप से आदिवासी समाज को आगे बढ़ाने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में झारखंड आज देश का पहला राज्य बना है, जहां आदिवासी समाज के विद्यार्थी सरकारी खर्च पर विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी समाज में एक नई रोशनी जगी है, इसे और प्रखर करने के लिए हम सभी को मिल-जुलकर प्रयास करना होगा। सरकार हर कदम पर आपके साथ है और हर संभव सहयोग देने के लिए तैयार है।

- वीरों की विरासत, स्वाभिमान की प्रतीक – झारखंड की मिट्टी में बसती है आदिवासी अस्मिता की शक्ति।
- संस्कृति की रक्षा, शिक्षा की प्रगति और प्रकृति के संतुलन के लिए हमारी सरकार की अटूट प्रतिबद्धता।
- एकजुटता और आत्मनिर्भरता से ही संभव है आदिवासी समाज का सर्वांगीण सशक्तीकरण।
- हम प्रकृति के पुजारी– यही है आदिवासी समाज की सबसे बड़ी पहचान।
- समाज के अस्तित्व और अधिकारों की रक्षा के लिए स्वयं निभाएंगे सक्रिय भूमिका।

उन्होंने आगे कहा कि आदिवासी समाज प्रकृति का उपासक है और पर्यावरण संरक्षण उसकी जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा है। हमारे पूर्वजों ने इस धरती और मिट्टी की रक्षा के लिए लंबी लड़ाई लड़ी है, परंतु आधुनिक समय में प्रकृति से छेड़छाड़ के कारण बाढ़, सुखाड़ और भूस्खलन जैसी आपदाएं बढ़ी हैं। इसलिए, प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने अंत में कहा कि आज पूरे देश में आदिवासी समाज को सामाजिक व आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की आवश्यकता है। हम सबको मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि समाज के कमजोर वर्गों को मजबूती मिले और वे आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ें। इस अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों से आए आदिवासी प्रतिनिधियों ने झारखंड सरकार द्वारा आदिवासी समाज के हित में उठाए गए कदमों की सराहना की और राज्य सरकार के साथ सहयोग का आश्वासन दिया। मौके पर मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधियों की वर्षों की मेहनत की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज के अस्तित्व और अधिकारों की रक्षा के लिए आने वाले दिनों में देश के विभिन्न हिस्सों में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने में वे स्वयं भी सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि हमें एकजुट होकर ऐसा संघर्ष करना होगा, जिससे हमारी समस्याएं केवल आवाज बनकर न रह जाएं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के एजेंडे का हिस्सा बन सकें। हमें यह बताना होगा कि हम बिखरे लोग नहीं, बल्कि एक राष्ट्र-समुदाय हैं, और इतिहास के कोने से निकलकर हमें भविष्य के केंद्र में पहुंचना है।

आयोजित कार्यक्रम के दौरान गुजरात, महाराष्ट्र, असम, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और मणिपुर सहित देश के विभिन्न राज्यों से आए आदिवासी प्रतिनिधियों ने झारखंड सरकार द्वारा आदिवासी समाज के सशक्तीकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर सभी प्रतिनिधियों ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के त्याग, संघर्ष और योगदान को नमन करते हुए उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मंत्री दीपक बिरुआ, मंत्री चमरा लिंडा, विधायक कल्पना सोरेन एवं अशोक चौधरी समेत बड़ी संख्या में देश के विभिन्न राज्यों से आए आदिवासी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री को डिप्टी सीएम ने दिया तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट में शामिल होने का न्योता

रांची : तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने शुक्रवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मुलाकात की। इस दौरान विक्रमार्क ने मुख्यमंत्री को आगामी 8-9 दिसंबर को हैदराबाद में आयोजित होने वाले 'तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट' में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। मुलाकात के क्रम में तेलंगाना और झारखंड के बीच आपसी सहयोग के विभिन्न विषयों पर भी सौहार्दपूर्ण चर्चा हुई। इस अवसर पर झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के। राजू और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री से सैनिक कल्याण निदेशालय के निदेशक ने की मुलाकात

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शुक्रवार को झारखंड विधान सभा में सैनिक कल्याण निदेशालय के निदेशक ब्रिगेडियर निरंजन कुमार (रि.) ने मुलाकात कर उन्हें 'सशस्त्र सेना झंडा दिवस' का बैज लगाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने उन्हें 'सशस्त्र सेना झंडा दिवस' की शुभकामनाएं प्रेषित की। मौके पर अपर निदेशक, सैनिक कल्याण निदेशालय कर्नल एस.पी. गुप्ता, राज्य प्रबंधक, सैनिक बाजार ले. कर्नल पी.के. झा एवं अन्य उपस्थित रहे।

विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू, अध्यक्ष ने विकास व संवाद की भावना को सर्वोपरि बताया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुक्रवार से प्रारम्भ हो गया। सत्र की शुरूआत में विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने कहा कि झारखंड में विकास की अपार संभावनाएं हैं और इन्हें जनहित में रूपांतरित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में राज्य और तेजी से आगे बढ़ेगा। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सदन की गरिमा तभी बनी रहती है जब मतभेदों के बावजूद संवाद की पवित्रता बरकरार रखी जाए और लोकतंत्र की असल भावना को उभारा जाए। उन्होंने कहा कि विचारों की विविधता से ही सदन का "इंद्रधनुष" बनता है और सहमति-असहमति की धाराओं से शासन चलता है। अध्यक्ष ने विधायकों से अपील की कि वे सत्र में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करें, प्रश्नों को सारगर्भित रखें, बहसों को तथ्यपूर्ण बनाएं और निर्णयों को जनहित के आधार पर परखें। उन्होंने कहा कि यह सदन केवल भवन नहीं, बल्कि जनता की आशाओं का प्रतीक है। अध्यक्ष के अनुसार, इस शीतकालीन सत्र में कुल पांच कार्यदिवस निर्धारित हैं। 8 दिसंबर से प्रश्नकाल शुरू होगा। वित्तीय वर्ष 2025-26 के द्वितीय अनुपूरक व्यय विवरणी तथा विनियोग विधेयक प्रस्तुत किए जाएंगे। 10 और 11 दिसंबर को राजकीय विधेयक एवं अन्य सरकारी कार्य लिए जाएंगेए जबकि 11 दिसंबर को गैर-सरकारी सदस्यों के कार्यों के लिए समय तय किया गया है। झारखंड की रजत जयंती का उल्लेख करते हुए रवींद्र नाथ महतो ने कहा कि यह केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन, विकास और नए संकल्पों का अवसर है। उन्होंने राज्य की 25 वर्ष की विकास यात्रा को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सशक्तिकरण और आजीविका के क्षेत्र में प्रगति हुई है।

राज्य में फंड की कोई कमी नहीं जल्द मिलेगी छात्रवृत्ति : चमरा

रांची : आदिवासी जनजातीय कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने शुक्रवार को झारखंड विधानसभा सभागार में स्पष्ट किया कि राज्य सरकार के पास छात्रवृत्ति वितरण के लिए पर्याप्त फंड उपलब्ध है। झारखंड में फंड की कोई आर्थिक कमी जैसी समस्या नहीं है। उन्होंने कहा कि सिर्फ ओबीसी छात्रों के लिए ही 500 करोड़ रुपये का बजट अलग से सुरक्षित रखा गया है। लेकिन दिल्ली से आवश्यक अनुमोदन (रेशियो) मिलने में देरी के कारण राशि छात्रों तक नहीं पहुंच पा रही है। मंत्री ने कहा कि छात्रवृत्ति भुगतान में विलंब पूरी तरह तकनीकी मामला है, जिसे जल्द सुधार लिया जाएगा। व्यवस्थागत कारणों से छात्रवृत्ति का भुगतान अटका है। जैसे ही केंद्र से स्वीकृति मिलती है, छात्रवृत्ति तुरंत जारी कर दी जाएगी। उन्होंने छात्रों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार उनकी समस्याओं को लेकर गंभीर है और विभाग लगातार केंद्र सरकार से समन्वय बनाकर प्रक्रिया को तेजी से

ईडी की सबसे बड़ी कार्रवाई : अनिल अंबानी समूह की 10,117 करोड़ की संपत्ति अटैच

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारतीय कॉर्पोरेट जगत में हलचल मचा दी है। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को बताया कि उसने अनिल अंबानी नेतृत्व वाले रिलायंस समूह की कंपनियों की कुल 10,117 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों और परिसंपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच कर दिया है। यह कार्रवाई यस बैंक फ्रॉड से लेकर रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस कम्युनिकेशंस के कथित वित्तीय अनियमितताओं के आधार पर की गई है। ईडी की इस कार्रवाई को अब तक के सबसे बड़े कॉर्पोरेट फ्रॉड अटैचमेंट में से एक माना जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, जिन संपत्तियों को अटैच किया गया है, उनमें भूमि, इमारतें, बैंक बैलेंस, फिक्स्ड डिपॉजिट, अनक्वोटेड निवेश और कंपनियों में हिस्सेदारी शामिल हैं।

नए अटैचमेंट में 1,120 करोड़ की संपत्तियां जब्त

हालिया कार्रवाई में ईडी ने 18 से अधिक परिसंपत्तियों को अटैच किया है, जिनकी कीमत करीब 1,120 करोड़ रुपये बताई गई है। ये संपत्तियां RHFL और RCFL के जरिए हुए कथित बैंक फ्रॉड और यस बैंक से लिए गए ऋणों के गलत उपयोग से जुड़ी हुई हैं। पहले ही 8,997 करोड़ की संपत्तियाँ जब्त की जा चुकी थीं

इस कार्रवाई से पहले ईडी ने RCOM, RHFL और RCFL के बैंक फ्रॉड मामलों में 8,997 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संपत्तियाँ जब्त कर चुकी थी। नए अटैचमेंट को जोड़ने पर अब कुल राशि 10,117 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। ईडी ने स्पष्ट किया कि इन कंपनियों ने वित्तीय अनियमितताओं और ऋण राशि के दुरुपयोग के जरिए भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसकी भरपाई के लिए अटैचमेंट आवश्यक है। जांच में यह सामने आया कि 2017 से 2019 के बीच यस बैंक ने RHFL में 2,965 करोड़ रुपये और RCFL में 2,045 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

एक नजर

वन विभाग ने गेट बेरिकेडिंग प्वाइंट से अवैध कोयला लदा ट्रक किया जब्त

चौपारण : वन विभाग की टीम ने शुक्रवार देर शाम गेट के पास बेरिकेडिंग प्वाइंट पर चेकिंग के दौरान अवैध कोयला लदा एक ट्रक जब्त किया। यह कार्रवाई वनपाल प्रभारी संटू कुमार के नेतृत्व में की गई। टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि अवैध कोयला ले जाने का प्रयास किया जा रहा है, जिसके आधार पर विशेष जांच अभियान चलाया गया।जांच के दौरान एक संदिग्ध ट्रक को रुकने का संकेत दिया गया। तलाशी लेने पर ट्रक में अवैध कोयला लदा पाया गया। तत्काल वन विभाग की टीम ने वाहन को अपने कब्जे में लेते हुए उसे सुरक्षित रूप से वन प्रक्षेत्र कार्यालय परिसर में खड़ा कराया। मौके पर मौजूद कर्मियों ने कोयला परिवहन संबंधी कागजात की मांग की, लेकिन चालक कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया।वनपाल प्रभारी संटू कुमार ने बताया कि विभाग लगातार अभियान चलाकर अवैध कोयला व्यापारियों पर नकेल कस रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अवैध खनन और परिवहन में शामिल लोगों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। इस घटना में संलिप्त लोगों की पहचान की जा रही है तथा उनके विरुद्ध वन अधिनियम के तहत विधि–सम्मत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। वन विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में इस तरह की चेकिंग और भी सख्ती से जारी रहेगी ताकि अवैध कारोबार पर पूर्ण विराम लगाया जा सके।

पुलिस ने फरार अभियुक्त के घर चिपकाया इश्तहार

बरही : बरही थाना में चेक बाउंस को लेकर दर्ज मामले में पुलिस ने फरार अभियुक्त के घर दुलमहा में शुक्रवार को कोर्ट से निर्गत इश्तहार को चिपकाया है। इस दौरान एस.आई नरेंद्र पांडेय ने बताया कि संतोष कुमार पांडेय पिता कन्हाई पांडेय दुलमहा निवासी पर चेक बाउंस मामले में अभियुक्त है। जिसके बाद उनका फरार होने के कारण आज इश्तेहार चिपकाया गया है। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी अभियुक्त कोर्ट में आत्मसमर्पण नहीं करते है, तो उनके घर में कुर्की जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

नीलगाय ने 50 एकड़ खेती को पहुंचाया नुकसान

पलामू : पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर से सेट चैनपुर प्रखंड के पूर्वडीहा पंचायत क्षेत्र के आधा दर्जन गांवों में नील गाय का आतंक बना हुआ है। किसानों की 50 एकड़ से अधिक जमीन पर खेती प्रभावित हुई है। हर दिन नीलगाय झुंड में आते हैं और फसलों को चट और रौंद कर चले जाते हैं। किसान रात दिन पहरा देने के बाद भी अपनी मेहनत (फसल) को बचा नहीं पा रहे हैं। उनकी परेशानी लगातार बढ़ी हुई है। बावजूद वन विभाग इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं कर पा रहा है। शुक्रवार को कोल्हुआ, करमडीह, महुलिया, केकतुवा, परसिया समेत अन्य गांव के किसान विनीत रंजन दुबे, मनुज दुबे, नवनीत दुबे, विनीत दुबे, जयप्रकाश, संदीप दुबे, बजेंद्र दुबे सहित अन्य ने वन प्रमंडल पदाधिकारी मेदिनीनगर से जरूरी कार्रवाई करने का आग्रह किया। किसान विनीत रंजन दुबे ने शुक्रवार को खेत में घुसकर झुंड में फसल चर रहे नीलगाय की तस्वीर जारी कर बताया कि उनके खेतों में राई, सरसो, चना, आलू की फसल लगी है। हर दिन झुंड में नीलगाय खेतों में घुस आ रहे हैं और फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

टीबी मरीजों के लिए अदाणी फाउंडेशन की पहल, 80 मरीजों को मिला पोषण आहार

संतुलित आहार, समय पर दवा और नियमित जांच से हारेगा टीबी : डॉ इंदरजीत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : गोंदुलपारा खनन परियोजना के तहत अदाणी फाउंडेशन की ओर से बड़कागांव स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 80 टीबी मरीजों को निःशुल्क पोषण आहार किट प्रदान किया गया। कार्यक्रम में डॉ. इंदरजीत तथा केंद्र के अन्य स्वास्थ्यकर्मी और अदाणी फाउंडेशन के अधिकारी मौजूद थे। टीबी पोषण आहार किट वितरण के तहत यह पांचवे चरण का चौथा शिविर था, जिसके दौरान 80 पंजीकृत टीबी मरीजों को खाद्य टोकरी (फूड बास्केट) वितरित की गई, ताकि उपचार के दौरान पोषण की कमी पूरी की जा सके और इनके स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हो। शिविर के दौरान डॉ. इंदरजीत ने संबोधित करते हुए कहा कि टीबी से लड़ाई में संतुलित आहार, समय पर दवा, और नियमित जांच अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि उचित पोषण से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, जिससे मरीज जल्दी स्वस्थ होते हैं। उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना की और इसे टीबी उन्मूलन की दिशा में प्रभावी कदम बताया। यह कार्यक्रम अदाणी फाउंडेशन द्वारा क्षेत्र में चलाए जा रहे सामुदायिक स्वास्थ्य एवं पोषण प्रयासों के तहत आयोजित किया गया। बड़कागांव इलाके में अदाणी फाउंडेशन द्वारा स्वास्थ्य शिविर, गर्भवती महिलाओं के लिए पोषण सहायता, स्कूली शिक्षा सहयोग, आजीविका विकास प्रशिक्षण, पेयजल एवं स्वच्छता सुधार, और खेल-कूद प्रोत्साहन कार्यक्रम जैसे कई जन-कल्याणकारी कार्य निरंतर रूप से जारी हैं।अदाणी फाउंडेशन का लक्ष्य है कि इन गतिविधियों से स्थानीय समाज में स्वास्थ्य जागरूकता और विकास कार्यों का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखे।

टंडवा में परिवहन विभाग की बड़ी कार्रवाई भारी वाहनों पर 2.31 लाख जुर्माना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

टंडवा : जिला परिवहन पदाधिकारी महेश्वरी प्रसाद ने बृहस्पतिवार 4 दिसंबर को टंडवा क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। इसमें एनटीपीसी से उत्पादित फ्लाई ऐश की ढुलाई में बरती जा रही अनियमितता व सड़क सुरक्षा नियम का पालन नहीं कर रहे भारी वाहनों का जांच जिला परिवहन पदाधिकारी महेश्वरी प्रसाद के द्वारा 2,31,000 का भारी जुर्माना लगाया गया। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न सड़कों पर ओवर लोड फ्लाई ऐश बालू तथा स्टोन चिप्स का इन दिनों खूब परिवहन हो रहा है। इसकी भनक जिला परिवहन पदाधिकारी को मिला। जिला परिवहन पदाधिकारी के द्वारा फ्लाई एस के कई वाहनों को जांच के क्रम में सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करते हुए पकड़ा गया जिसके विरुद्ध भारी भरकम राशि का आर्थिक दंड लगाया गया है। आने वाले दिनों में लगातार वाहन जांच अभियान करने की बात कही गई है। इस कार्रवाई से संलिप्त कारोबारियों में भेय वाली अंजाम देखने को मिला।

सोहानपुर में भीषण अग्निकांड : डेढ़ सौ धान का बोझा और पुआल जलकर राख

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

केरेडारी : केरेडारी प्रखंड के (हजारीबाग) सलगा पंचायत के सोहानपुर टोला में शुक्रवार दोपहर में लगभग डेढ़ सौ धान के बोझा और झडया हुआ रखा लगभग तीस क्लिंटल धान जल कर राख हो गया। जिसे लाखो रुपये का नुकशान हुआ है। आग लगने के हो हल्ला होने के बाद आग को बुझाने के लिए मौके पर जुटे ग्रामीणों ने पानी पंप लगा कर आग को बुझाने का प्रयास किया गया। लेकिन हवा तेज चलने के कारण आग लपेट इतनी थी कि ग्रामीणों ने काफी प्रयास करने के बाद भी आग काबू नहीं कर पाया। जिस पीड़ित के खलिहान में आग लगने से धान, धान का बोझा और पुआल जला है। उसमें राजेंद्र साव, राजदेव साव दोनों के पिता स्वर्गीय विराज साव है।इसकी सूचना सलगा पंचायत के मुखिया पार्वती देवी ने केरेडारी थाना प्रभारी विवेक कुमार को सूचना दी। सूचना पाते ही थाना प्रभारी के आदेश से एस आई मुकेश राम अपने दल बल के साथ पहुँचा। जहां पर अगल बगल के घर वालों से पूछताछ किया गया। लेकिन कोई नही बताइये की आग कैसे लगी । वही राजेंद्र साव के पत्नी एवं राजदेव के पत्नी ने बताई कि मुझे किसी व्यक्तियों के ऊपर शक की है।और कही कि हमलोग के आवेदन देने के बाद जांच पड़ताल के बाद आग लगाने वालों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने का मांग की है।और पीड़िता ने लगभग डेढ सौ धान का बोझा, लगभग तीस क्विंटल धानऔर पुआल जलने से जो नुकशान हुआ है। उसका भरपाई करने का मांग की है। वही स अ नि मुकेश राम ने पीडित परिवार को आश्वासन दिया है कि जांच पड़ताल के आग लगने वाला कानूनी कर्रवाई की जायेगी। पीड़ित परिवार को रोकर रोकर बुरा हाल है। आग कैसे लगी इसकी पुष्टी समाचार लिखे जाने तक नही हुई है। आग बुझाने में राजेंद्र साव,सूरज कुमार, देसाई साव, लखन साव, राजू साव, प्रदीप राम ,सचिन कुमार ,समेत सैकड़ो लोग शामिल थे।

डीसी के निर्देश पर बरही के दवा दुकानों की हुई जांच, विधि सम्मत संचालन का निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : उपायुक्त हजारीबाग के निर्देश पर बरही एसडीओ जोहान टुडू के नेतृत्व में तीन सदस्यीय टीम ने औचक निरीक्षण किया। टीम में बरही अनुमंडलीय अस्पताल के डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी एवं सीओ चंद्रशेखर कुणाल शामिल रहे। जांच के दौरान दवा दुकानों के लाइसेंस, फार्मासिस्ट का प्रमाण पत्र, दवाइयों का स्टॉक और खरीद - बिक्री रिकॉर्ड आदि कागजातों की मांग की गई। कुछेक को छोड़कर अधिकांश दुकानों में कई अनियमितताएं पाई गई। इस दौरान अधिकारियों ने दुकानदारों को हिदायत दी कि किसी भी प्रकार की अनियमितता और नियमों का उल्लंघन होने पर विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। इसलिए दवा दुकान का संचालन निर्धारित मानक के अनुरूप ही करें। एसडीओ जोहन टुड्डू ने दुकानदारों को स्पष्ट निर्देश दिया कि बिना डॉक्टर के पर्ची किसी भी दवा की बिक्री नहीं होगी, प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री कतई नहीं होनी चाहिए और साथ ही कहा कि दवा एक्ट के नियमों का पालन अनिवार्य है। डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी ने बताया कि सभी दुकानों की भौतिक जांच में जो बाते सामने आयी है, उसकी रिपोर्ट डीसी को भेज दी जाएगी। उनके निर्देशन के अनुरूप अग्रेत्तर कार्रवाई की जाएगी।

चौपारण में मारुति वैन से भारी मात्रा में शराब बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : हजारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के निर्देश पर अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन पर रोक लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत उत्पाद विभाग ने चौपारण थाना क्षेत्र के परसातरी गाँव में बड़ी कार्रवाई की है। गुरुवार रात करीब 9 बजे गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में एक चारपहिया वाहन मारुति जिसकी संख्या जेएच02 बीएस 9844 से लगभग 60 पेटी ओल्ड मॉन्क ब्रांड की 750 एमएल प्लास्टिक बोतलों में सीलबंद अवैध विदेशी शराब बरामद की गई। छापेमारी के दौरान पिंटू यादव, पप्पू यादव, रंजीत यादव सहित कई लोग मौके से फरार हो गए। फरार अभियुक्तों की पहचान की जा रही है और सभी के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब कारोबार में शामिल लोगों के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आरएनवाईएम कॉलेज बरही में मनाई गई रामनारायण यादव की पुण्यतिथि

पिताजी के आदर्श और शिक्षा हैं जीवन की सबसे बड़ी पूंजी : विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही विधायक मनोज यादव ने अपने पूज्य पिताजी स्व. राम नारायण यादव की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को राम नारायण यादव मेमोरियल कॉलेज, बरही परिसर में स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस दौरान परिसर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई, जिसमें कॉलेज परिवार के सदस्यों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भाग लेकर स्व. यादव के प्रति अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि प्रकट की। विधायक मनोज यादव ने कहा कि उनके पिताजी की शिक्षाएं, आदर्श और संघर्षमय जीवन यात्रा उनके लिए सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि मेरे पिता समाज के गरीबों और वंचितों के मसीहा थे। समाज में उनकी अलग पहचान थी। आज उनकी पुण्यतिथि पर मैं पुनः यह संकल्प दोहराता हूँ कि हमेशा उनके बताए रास्ते पर चलूंगा और उनके सपनों को पूरा करने का प्रयास करूँगा।

उन्होंने यह भी कहा कि स्व. राम नारायण यादव ने शिक्षा, सामाजिक न्याय और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए जो कार्य किए, वे आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। महाविद्यालय के सचिव परमेश्वर यादव ने कहा कि स्व. राम नारायण यादव ने शिक्षा को समाज परिवर्तन का सबसे बड़ा माध्यम माना और इसी सोच के तहत इस कॉलेज की स्थापना हुई। उन्होंने कहा कि बरही विधायक महाविद्यालय के विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहते है। वहीं विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर ने कहा कि स्व. रामनारायण यादव केवल एक नाम नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और मानवीय मूल्यों का प्रतीक थे। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा स्थापित आदर्श आज भी क्षेत्र और समाज को दिशा दिखा रहे हैं।

रमेश ठाकुर ने कहा कि बरही विधायक मनोज यादव भी अपने पिता के पदचिह्नों पर चलते हुए आमजन के बीच निरंतर सेवा कार्य कर रहे हैं, जो स्व. यादव की शिक्षाओं का ही परिणाम है। प्राचार्य डॉ. विमल किशोर ने कहा कि स्व. यादव का व्यक्तित्व त्याग, समर्पण और सामाजिक प्रतिबद्धता का प्रतीक था। उन्होंने कहा कि कॉलेज उनके नाम पर चल रहा है और संस्था निरंतर उनके सपनों को साकार करने की दिशा में कार्य कर रही है। मौके पर महाविद्यालय के सचिव परमेश्वर यादव, प्राचार्य डॉ. विमल किशोर, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, प्रो. डॉ. बी.डी. बर्णवाल, डॉ. अरुणा रानी, डॉ. संगीता चौधरी, प्रो हीरामन साव डॉ. नैयर इकबाल, डॉ. अजय रविदास, संजय कुमार बख्सी, तमन्ना प्रवीण, डॉ. सरिता सिन्हा, डॉ. अंजली, प्रो. अब्बास, डॉ. कुमारी सुषमा, डॉ. बद्री साव, डॉ. अशोक कुमार, नागेश्वर यादव, दिनेश्वर यादव, शिवाली, पार्वती, विकास, राजेंद्र प्रसाद, गुरुदेव गुप्त समेत कई शिक्षक, कर्मचारी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

केरेडारी अंचला अधिकारी ने दवा दुकानों का किया औचक निरीक्षण

केरेडारी : केरेडारी प्रखंड (हजारीबाग)में स्थित दवा दुकानों का औचक निरीक्षण अंचलाधिकारी और प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी केरेडारी के नेतृत्व में किया गया। यह जांच उपायुक्त हजारीबाग के निर्देश के आलोक में की गई है। जांच की शुरूआत केरेडारी चौक स्थित अर्चना मेडिकल से की गई। इसकी सूचना मिलते हीं अधिकांश मेडिकल दुकानों के शटर बंद होने लगे। बाद में जांच टीम के दबाव देने पर मेडिकल दुकान संचालकों ने अपने अपने दुकान खोल जांच में सहयोग किया। इस दौरान टीम के द्वारा विशेष अभियान के तहत औषधि प्रतिष्ठानों की भौतिक जांच कर स्टॉक पंजी, बिक्री पंजी, अनुज्ञप्ति, क्रय पंजी सहित प्रतिबंधित दवाईयों की भी जांच की गई। जांच टीम में अंचलाधिकारी राम रतन कुमार वर्णवाल, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ नफीस अंजुम, सहायक अवर निरीक्षक मनोज कुमार सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मी और पुलिस बल उपस्थित थे।

पुलिस निरीक्षक के ड्राइवर पारस सिंह नहीं रहे, इलाज के दौरान दिल्ली में मौत

बड़कागांव : बड़कागांव पुलिस निरीक्षक के ड्राइवर (होमगार्ड) केरेडारी प्रखंड के जेमरा गांव निवासी 53 वर्षीय पारस कुमार सिंह की इलाज के दौरान दिल्ली मेदांता हॉस्पिटल में 4 दिसंबर को मौत हो गई। हजारीबाग पुलिस केंद्र में गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी दी गई । भारी संख्या में पुलिस पदाधिकारी एवं जवानों ने पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया। बड़कागांव पुलिस निरीक्षक ललित कुमार एवं बड़का गांव थाना प्रभारी कृष्ण कुमार गुप्ता ने जेमरा गांव पहुंचकर पारस सिंह के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया एवं शोक व्यक्त किया। मुखग्नि पुत्र उदय सिंह ने दिया । परिजनों ने बताया कि 28 नवंबर को हजारीबाग आरोग्यम में भर्ती कराया गया , स्थिति खराब होने पर रांची पल्स हॉस्पिटल ले जाया गया। 30 तारीख को एयरबस एम्बुलेंस माध्यम से रांची से दिल्ली मेदांता ले जाया गया, 4 दिसंबर को उनकी मौत हो गई। निधन पर बड़कागांव एसडीपीओ पवन कुमार के अलावा पुलिस कर्मियों ने दुख व्यक्त करते हुए शोक व्यक्त किया।

पदमा के विभिन्न दवा दुकानों में चला सघन जांच अभियान, चांदनी मेडिकल सील

पदमा : झारखंड उच्च न्यायालय के निर्देश और हजारीबाग उपायुक्त के आदेश के आलोक में, पदमा अंचलाधिकारी मोतीलाल हेम्ब्रम और प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. धीरज कुमार के नेतृत्व में आज क्षेत्र के विभिन्न दवा दुकानों में एक सघन जांच अभियान चलाया गया। जांच दल ने दवाइयों, लाइसेंस, दवा रखने की व्यवस्था, दवा की वैधता सहित संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गहनता से जांच की। इसी क्रम में, पदमा के सरैया स्थित चांदनी मेडिकल हॉल की जांच के दौरान कई प्रकार की गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। अधिकारियों ने मौके पर ही मेडिकल हॉल को ताला बंद कर दिया और चाबी अपने साथ ले गए। अनियमितताओं पर सख्त रुख जांच दल ने चांदनी मेडिकल हॉल, शर्मा मेडिकल हॉल, केशरी मेडिकल हॉल, श्री राधा नर्सिंग होम, पदमा, एवं संतोष मेडिकल हॉल, बिनोद मेडिकल हॉल , राजदीप मेडिकल, गणेश मेडिकल,पदमा और रोमी सहित कई अन्य दवा दुकानों का भी निरीक्षण किया। अभियान के बाबत जानकारी देते हुए डॉ. धीरज कुमार ने बताया कि यह सामने आया है कि अन्यत्र रहने वाले निबंधित फार्मासिस्ट एवं चिकित्सक के नाम पर धड़ल्ले से दवा दुकान एवं क्लीनिक चलाए जा रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि कुछ दवा दुकानों में प्रतिबंधित दवाइयां और इंजेक्टेबल मेडिसिन भी पाई गई। इन अनियमितताओं को गंभीरता से लेते हुए, डॉ. धीरज कुमार ने कहा कि उक्त दवा दुकानों के संचालकों के विरुद्ध रिपोर्ट भेजने की तैयारी की जा रही है। जांच के दौरान दुकानों की भौतिक स्थिति, स्टॉक पंजी का मिलान, और क्रय–विक्रय से संबंधित दस्तावेजों की भी गहन जांच की गई। मौके पर पदमा ओपी के स0 अ0 नि0 अविनाश कुमार, जीवन किशोर लकरा, एवं सशस्त्र पुलिस बल के जवान भी उपस्थित थे।

चौपारण में अवैध अफीम की खेती पर बड़ी कार्रवाई, 10 एकड़ फसल नष्ट

चौपारण : अफीम की खेती पर प्रशासन का चला डंडा। चौपारण पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के डोडिया एवं मोर्निया गाँव में गुरुवार को पुलिस एवं वन विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 10 एकड़ में अवैध रूप से की जा रही अफीम की खेती को पूरी तरह नष्ट कर दिया। अभियान का नेतृत्व बरही एसडीपीओ अजीत कुमार बिमल ने किया। जानकारी के अनुसार अभियान के दौरान खेतों में लगी अफीम की फसल को पहचान कर मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। साथ ही अफीम की खेती में उपयोग किए जा रहे उपकरण भी जब्त किए गए। बरामद वस्तुओं में शामिल हैं, 5 सेक्शन पाइप, 4 डिलीवरी पाइप, 2 हौंडा सेट। पुलिस के अनुसार अवैध खेती में शामिल लोगों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। सत्यापन के बाद दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कहा कि अवैध मादक पदार्थों की खेती और तस्करी के विरुद्ध इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। संयुक्त अभियान में शामिल अधिकारी एवं कर्मी एसडीपीओ बरही अजीत कुमार बिमल, इंस्पेक्टर चंद्रशेखर, बरही थाना प्रभारी विनोद कुमार, चौपारण थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी, एसआई रवि रंजन, एसआई सुबिन्दर राम, एएसआई बदल महतो, सशस्त्र बल एवं वन विभाग से कुलदीप महतो (वनपाल) शामिल थे।

एक नजर

राज्यपाल को लगाया सशस्त्र सेना झंडा दिवस का बैज

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शुक्रवार को सैनिक कल्याण निदेशालय के निदेशक ब्रिगेडियर निरंजन कुमार (रि.), अपर निदेशक, सैनिक कल्याण निदेशालय कर्नल एसपी गुप्ता, राज्य प्रबंधक, सैनिक बाजार ले. कर्नल पीके झा एवं अन्य ने लोक भवन में भेंट कर उन्हें 'सशस्त्र सेना झंडा दिवस' का बैज लगाया। इस अवसर पर राज्यपाल ने देश के सभी वीर जवानों के शौर्य एवं बलिदान के प्रति श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हुए 'सशस्त्र झंडा दिवस कोष' में अपना योगदान दिया।

राज उरांव आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बने

रांची: अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने राज उरांव को आदिवासी कांग्रेस का प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस संबंध में ऑल इंडिया आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष एवं विधायक विक्रांत भूरिया ने शुक्रवार को आधिकारिक पत्र जारी किया। जारी पत्र में विक्रांत भूरिया ने झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश को निर्देश दिया है कि वे राज उरांव को पूर्ण सहयोग प्रदान करें तथा राज्य में संगठनात्मक समन्वय स्थापित करने में मदद करें। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राज उरांव झारखंड आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष को अपनी सभी गतिविधियों की नियमित रिपोर्ट देंगे।

नगर निगम प्रशासक ने बहु बाजार व वार्ड 16 का किया निरीक्षण

रांची : रांची नगर निगम शहर में रोजगार बढ़ाने और वेंडर्स को बेहतर व्यवस्था देने के लिए लगातार काम कर रहा है। इसी क्रम में आज प्रशासक सुशांत गौरव ने बहु बाजार चौक स्थित निगम की 63 डिसमिल जमीन का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिया कि पुराने दुकानों को हटाकर यहां जी+1 आधुनिक मॉडल मार्केट बनाया जाए। इस मार्केट में पार्किंग, शौचालय, चौड़ी सड़क और अन्य जरूरी सुविधाएं होंगी, ताकि वेंडर्स को स्थायी जगह मिले और पूरे क्षेत्र की सुंदरता भी बढ़े। वार्ड 16 कर्बला चौक का निरीक्षण प्रशासक ने वार्ड 16, कर्बला चौक स्थित निगम के वार्ड कार्यालय का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने निर्देश दिया कि इस स्थान को जन उपयोगी क्षेत्र के रूप में विकसित करते हुए दुकानें और मार्केट तैयार किए जाएं, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर मिल सकें। इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्र के सामुदायिक शौचालय की पूरी तरह सफाई सुनिश्चित करने का आदेश भी दिया। निरीक्षण के दौरान अपर प्रशासक संजय कुमार, उप प्रशासक रविंद्र कुमार, गौतम प्रसाद साहू, सहायक प्रशासक, नगर प्रबंधक, जोनल सुपरवाइजर, अभियंता और अन्य कर्मी मौजूद थे।

छात्रवृत्ति भुगतान की मांग पर एआईएसए का विधानसभा मार्च, पुलिस रोकने में नाकाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य में लंबित छात्रवृत्ति भुगतान और अनिवार्य किए गए परमानेंट एजुकेशन नंबर को रद करने की मांग को लेकर ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने शुक्रवार को बिरसा चौक से झारखंड विधानसभा तक एक बड़े पैमाने पर पैदल मार्च का आयोजन किया। इस आंदोलन में रांची सहित हजारीबाग, बोकारो, धनबाद, गुमला, लोहरदगा और साहिबगंज जैसे जिलों से आए बड़ी संख्या में छात्र शामिल हुए, जिससे राजधानी में दिनभर माहौल गर्म रहा। "छात्रवृत्ति हमारा अधिकार, न कि एहसान"–आंदोलनकारियों के नारे मार्च के दौरान छात्रों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि–कई महीनों से छात्रवृत्ति का भुगतान लंबित है, जिसके कारण आर्थिक रूप से कमजोर छात्र पढ़ाई जारी रखने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं। बिना किसी उचित आधार के P.E.N. को अनिवार्य किया गया है। छात्रों ने आरोप लगाया कि सरकार ने बार-बार आश्वासन दिए, लेकिन वास्तविक कार्रवाई नहीं हुई। मार्च को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन पहले से तैनात था। बिरसा चौक से ही पुलिस ने छात्रों को रोकने की कोशिश की। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए वैन मंगाई और लगभग दर्जनभर छात्रों को वैन में बैठाया भी गया। छात्रों और पुलिस के बीच काफी खींचा तानी हुई जिसमें कई छात्रों को चोट भी लगी। हालांकि, छात्रों ने "शांतिपूर्ण मार्च को रोकने का प्रयास" बताते हुए विरोध तेज कर दिया और बैरिकेड को पार करते हुए विधानसभा की ओर बढ़ते रहे। पुलिस के प्रयासों के बावजूद छात्र बड़ी संख्या में विधानसभा पहुंचने में सफल रहे। मार्च के दौरान आइसा के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री के नाम संबंधित अधिकारियों को एक चार-सूत्री मांग-पत्र भी सौंपा, जिसमें प्रमुख मांगें इस प्रकार हैं–सभी कोर्सों के छात्रों की लंबित छात्रवृत्तियों का तत्काल भुगतान और भविष्य में कोई बाधा न आए, इसकी गारंटी की जाएं। छात्रवृत्ति प्रक्रिया में आने वाली तकनीकी त्रुटियों और कार्यालयों के चक्कर से स्थायी मुक्ति, साथ ही पर्याप्त अधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति की जाएं। मैट्रिक और इंटर परीक्षा शुल्क में की गई वृद्धि को अविलंब वापस लेना। PEN की अनिवार्यता तुरंत समाप्त करना। अधिकारी ने छात्रों को आश्वासन दिया कि उनकी मांगें संबंधित विभाग तक पहुंचाई जाएंगी और इस पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। प्रदर्शन के अंत में AISA नेताओं ने कहा कि यदि सरकार ने जल्द ठोस निर्णय नहीं लिया, तो जनवरी में राज्यभर में बड़े पैमाने पर संघर्ष होगा। आइसा झारखंड राज्य कमिटी ने कहा कि शिक्षा को सुगम, सुलभ और समान अवसरों वाला बनाना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। यदि सरकार छात्रों की इन अत्यंत महत्वपूर्ण समस्याओं पर तत्काल कार्रवाई नहीं करती है, तो विद्यार्थियों के साथ मिलकर आंदोलन को पूरे राज्य में और तेज किया जाएगा।

झारखंड में भाजपा-झामुमो की सरकार बनी तो यह कोई नई बात नहीं : जयराम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड लोक क्रांतिकारी मोर्चा के अध्यक्ष और विधायक जयराम महतो ने कहा है कि झारखंड में भारतीय जनता पार्टी और झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार पहले भी बन चुकी है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासनकाल में हेमंत सोरेन उपमुख्यमंत्री रह चुके हैं, इसलिए यदि दोनों दल एक बार फिर साथ आते हैं, तो इसमें कोई हैरानी नहीं होगी। महतो ने विधानसभा सभागार के बाहर मीडिया से बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी व विधायक कल्पना सोरेन का लगातार चार दिनों से दिल्ली में रहना जनता के बीच गंभीर सवाल खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि जब दोनों ही जनप्रतिनिधि दिल्ली में जमे रहेंगे, तो जनता की समस्याओं का समाधान कौन करेगा। इसी वजह से राजनीतिक गलियारों में झामुमो-भाजपा गठबंधन की चर्चा तेज है। इसके साथ ही जयराम महतो ने राज्य सरकार की वित्तीय स्थिति पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति, मंईयां सम्मान योजना सहित कई योजनाएं फंड के अभाव में अटकी पड़ी हैं, जिससे विकास कार्य ठप हो गए हैं। महतो ने इसके लिए राज्य सरकार और केंद्र सरकार, दोनों को जिम्मेदार ठहराया।

लेखिका डॉ रोज केरकेट्टा का झारखंड आंदोलन में था महत्वपूर्ण योगदान : रेणु

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : एसडीसी सभागार में शुक्रवार को संवाद द्वारा लेखिका, कवयित्री और साहित्यकार डॉ. रोज केरकेट्टा की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर की गई। सबसे पहले उनकी बेटी वंदना केरकेट्टा ने पुष्प अर्पित एवं नमन किए। डोरंडा कॉलेज की प्रोफेसर आलम आरा ने नागपुरी गीतों के माध्यम से रोज केरकेट्टा के जीवन, संघर्ष और साहित्यिक योगदान को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम में डॉ. केरकेट्टा के जीवन पर आधारित आधे घंटे की साक्षात्कार फिल्म भी प्रदर्शित की गई, जिसे लोगों ने भावुक होकर देखा।

रोज सिर्फ महिला नहीं, एक युग थीं : प्रो.रेणु दीवान

रांची विश्वविद्यालय की पूर्व प्रोफेसर रेणु दीवान ने कहा कि रोज केरकेट्टा का जन्म 5 दिसम्बर 1040 को सिमडेगा में हुआ था। वे खड़िया समुदाय से थी। रोज केरकेट्टा सिर्फ महिला नहीं, बल्कि एक सशक्त लेखक और साहित्यकार थीं उन्होंने गरीबी, सामाजिक उत्पीड़न और महिलाओं की पीड़ा को अपनी लेखनी के केंद्र में रखा। उनके साहित्य में आदिवासी समाज, खासकर लड़कियों के संघर्ष और प्रतिरोध की सशक्त आवाज मिलती है। झारखंड आंदोलन में भी उनका योगदान रहा है।

रोज केरकेट्टा स्त्री शिक्षा को हथियार मानती थी : सावित्री बड़ाईक

प्रोफेसर सावित्री बड़ाईक ने कहा कि रोज केरकेट्टा की कहानियां स्त्री संघर्ष, रिश्तों की गहराई और समाज की विसंगतियों को उजागर करती हैं।

एचईसी को बंद कर और इसकी भूमि की लूट का हो रहा प्रयास : वामदल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मातृ उद्योग एचईसी भारत की औद्योगिक आत्मनिर्भरता की रीढ़ है, जिसे भाजपा की नीतिगत उपेक्षा और सुनियोजित विनाश का शिकार है। भाजपा का उद्देश्य संस्थान को पुनर्जीवित करना नहीं है, बल्कि उन्हें बंद कर इनकी जमीन और संपत्तियों को निजी हाथों में सौंपना का रहा है। यह बातें वामदलों की ओर से संयुक्तद रूप से शुक्रवार को रांची के मेन रोड स्थित भाकपा के राज्य कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कही गई। प्रेस वार्ता को भाकपा माले के केंद्रीय कमेटी के सदस्ये सुभेंदु सेन, माकपा के सचिव मंडल सदस्या समीर दास और भाकपा के राज्य कार्यकारिणी सदस्य अजय सिंह शामिल थे। मौके पर वामदलों के नेताओं ने कहा कि एचईसी को साजिश के तहत जानबूझकर उत्पादनविहीन बनाया गया। 1200 करोड़ रुपये के तैयार रणनीतिक ऑर्डर वर्षों से रोक दिए गए और वर्किंग कैपिटल बंद कर दिया गया। साथ ही एसबीआई की बैंक गारंटी को भी बिना किसी कारण वापस ले लिया गया। इससे यह स्पष्ट संकेत है कि सरकार एचईसी को चलने ही नहीं देना चाहती है। उन्होंने कहा कि एचईसी परिसर को चरणबद्ध तरीके से उजाड़ा गया और इसके वर्कशॉप के रखरखाव को घटाया गया। साथ ही टाउनशिप सेवाएं खत्म की गईं और मशीनें निष्क्रिय छोड़ दी गईं। वामदलों ने कहा कि एचईसी के मजदूर और अधिकारी 28 महीनों से बिना वेतन पूरा काम कर रहे हैं, फिर भी सरकार पूर्ण मौन है।

वामदलों की मांगें

वामदलों की मुख्य मांगों में एचईसी को 1200 करोड़ रुपये के लंबित ऑर्डर तुरंत जारी करने, एसबीआई की बैंक गारंटी बहाल करने, 1200 करोड़ का आधुनिकीकरण पैकेज देने, मजदूरों को 26 माह का बकाया वेतन देने और एचईसी की भूमि-परिसंपत्तियों का किसी भी रूप में निजी हस्तांतरण पर रोक लगाना है।

आईआईसी रीजनल मीट में एसबीयू की उल्लेखनीय भागीदारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची के इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल की टीम ने चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, पटना में आयोजित आईआईसी रीजनल मीट में सक्रिय रूप से भाग लिया। टीम में प्रो. (डॉ.) संदीप कुमार, अनिमेष सरकार और डॉ. मुकेश कुमार सिंह शामिल थे। कार्यक्रम में पोस्टर डिस्प्ले, युक्ति इनोवेशन चैलेंज पिचिंग, इनोवेशन एंबेसडर्स के प्रशिक्षण और मास्टर क्लास जैसी गतिविधियाँ आयोजित हुईं। एसबीयू आईआईसी ने अपने पोस्टर के माध्यम से पचपन नवाचार एवं उद्यमिता कार्यक्रमों, एमएसएमई पोर्टल पर 7 छात्रों के पंजीकरण, 2 राजस्व-सृजन करने वाले स्टार्टअप्स, युक्ति चैलेंज में छात्र टीम की भागीदारी तथा एआईसीटीई से संबद्ध पांच दिवसीय एफडीपी का प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्टार्टअप एवं उद्यमिता समिट में 800 छात्रों में से चयनित 53 टीमों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। इस दौरान तीन टीमों को पुरस्कृत किया गया। एसबीयू के प्रयासों को एआईसीटीई तथा अन्य संस्थानों के प्रतिनिधियों ने सराहा। कार्यक्रम में अनिमेष सरकार और डॉ. मुकेश कुमार सिंह को सर्वश्रेष्ठ इनोवेशन एंबेसडर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सरला बिरला विश्वविद्यालय के माननीय प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, माननीय महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक, माननीय कुलपति प्रो सी जगनाथन एवं माननीय राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने विवि शिक्षकों को मिले इस सम्मान पर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

झारखंड में नकली दवाओं पर सीआईडी का बड़ा अभियान, सभी जिलों में छापेमारी के निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में नकली, दूषित और प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है। राज्य का अपराध अनुसंधान विभाग ने विशेष अभियान चलाने का निर्देश जारी करते हुए सभी जिलों के उपायुक्तों, वरीय पुलिस अधीक्षकों, पुलिस अधीक्षकों तथा औषधि निरीक्षकों को सख्त कार्रवाई करने को कहा है। सीआईडी की ओर से भेजे गए पत्र के अनुसार, राज्य में अवैध दवाओं के वितरण पर रोक लगाने के लिए कड़ा अभियान चलाना आवश्यक है। यह कदम झारखंड उच्च न्यायालय में दायर एक पीआईएल पर मिले निर्देशों के अनुपालन में उठाया जा रहा है। सभी जिलों में 5 दिसम्बर को विशेष अभियान चलाए जाने का आदेश दिया गया है। अभियान के तहत औषधि निरीक्षकों एवं जिला पुलिस की संयुक्त टीम गठित की जाएगी। मेडिकल स्टोर्स, थोक एवं खुदरा विक्रेताओं की भौतिक जांच की जाएगी।स्टॉक रजिस्टर, क्रय-विक्रय दस्तावेजों और नियंत्रित दवाओं की बिक्री का सत्यापन किया जाएगा। बिना डॉक्टर की सलाह पर नियंत्रित दवाओं की बिक्री पाए जाने पर तत्काल विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। सीआईडी ने निर्देश दिया है कि विशेष अभियान की पूरी रिपोर्ट 7 दिसंबर अपराह्न तक ईमेल के माध्यम से सीआईडी को भेजी जाए, ताकि इसे 12 दिसंबर की सुनवाई से पहले शपथ-पत्र के रूप में अदालत में प्रस्तुत किया जा सके। यह कार्रवाई गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के पत्र तथा न्यायालय के निर्देशों के आधार पर की जा रही है।

> राज्य में अवैध दवाओं के वितरण पर रोक लगाने के लिए कड़ा अभियान चलाना आवश्यक है

संक्षिप्त खबरें

रांची में जेवर दुकान खुलते ही गहनों से भरा बैग ले उड़े अपराधी, जांच में जुटी पुलिस

रांची: रांची के अनगड़ा प्रखंड के गोंदलीपोखर स्थित रुचि ज्वेलर्स से शुक्रवार को दिनदहाड़े दो बाइक सवार अपराधियों ने गहनों से भरा बैग लेकर फरार हो गए। दिनदहाड़े हुई इस घटना से बाजार में सनसनी फैल गई। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। दुकान मालिक शेखर सोनी ने बताया कि वे सुबह लगभग 10 बजे अपने घर से गहनों से भरा बैग लेकर दुकान पहुंचे। पूजा करते समय अचानक एक युवक दुकान में घुसा और बैग लेकर भाग गया। दूसरा अपराधी दुकान के बाहर बाइक पर इंतजार कर रहा था। दोनों अपराधी जल्दी ही मौके से फरार हो गए। उन्होंने बताया कि बैग में लाखों रुपये के गहने थे। अनगड़ा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। सिली पुलिस उपाधीक्षक अनुज ने बताया कि यह लूट नहीं है, बल्कि अज्ञात अपराधियों द्वारा चोरी की घटना है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। गहनों की कुल कीमत की जानकारी अभी दुकान मालिक ने नहीं दी है।

लटमा रोड में अपार्टमेंटों से गंदा पानी सड़क पर बहाए जाने का विरोध

रांची : रांची के लटमा रोड स्थित गीता कॉलोनी की महिलाओं ने नाले का गंदा पानी सड़क पर बहाये जाने का विरोध किया। दो प्राइवेट अपार्टमेंटों द्वारा बार-बार चेतावनी के बावजूद गंदा पानी सड़क पर बहाया जा रहा है। इससे न केवल राहगीरों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है बल्कि इलाके में भी गंदगी और मच्छर जनित बीमारी पनपने का खतरा बढ़ गया है। करीब हजार से अधिक लोगों को मेन रोड तक पहुंचाने वाली दोनों सड़कें नागेश्वर और जे आर गार्डन अपार्टमेंट से रोज बहाई जाने वाली गंदी पानी से लबालब है। इसी रोड से होकर स्कूली बच्चों को भी बस पर चढ़ने के लिए जाना पड़ता है। ऐसे में ये बच्चे भी रोज इस गंदी पानी से गुजरकर जाने को मजबूर हैं। स्कूल के बाद जब ये बच्चे खेलने के लिए घर से निकलने की कोशिश करते तो सड़क पर जमे गंदे पानी की बदबू और फिसलन इन्हें घर वापस भेजने पर मजबूर कर देती है। इस गंदे पानी का असर आस पास के कुएं के पानी पर भी हो गया है। गंदे पानी का बहाव निचली इलाके के कुंओं तक हो गया है, जिससे कुंओं का पानी बदबूदार हो गया है। इन अपार्टमेंटों के आस- पास के दूसरे अपार्टमेंटों और प्राइवेट घरों में रहने वाली महिलाओं ने बताया कि इन दोनों अपार्टमेंटों के लोगों को कई बार बोला गया है। यहां तक कि नगर निगम को भी इसकी शिकायत की गई थी। नगर निगम की ओर से फाइन भी लगाया गया, बावजूद इसके ये अपनी ही मनमानी करते हैं। यहां कि महिलाओं ने यह भी आरोप लगाया कि जब भी इन अपार्टमेंट के लोगों से बात करने या उन्हें समस्या बताने की कोशिश की गई तो इन लोगों ने महिलाओं के साथ गाली गलौज और अभद्र व्यवहार किया।

आजसू विधायक ने पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति भुगतान की मांग पर विधानसभा के समक्ष धरना

रांची : झारखंड के आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्ग के छात्रों को लंबित पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति का भुगतान कराने की मांग को लेकर ऑल झारखंड स्टूडेंट यूमियन पार्टी के मांडू विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो ने शुक्रवार को झारखंड विधानसभा के समक्ष धरना दिया। विधायक महतो ने कहा कि छात्रवृत्ति भुगतान को लेकर आजसू छात्र संघ लगातार आंदोलन कर रहा है और इसी विषय पर गुरुवार को राज्यपाल संतोष गंगवार को भी ज्ञापन सौंपा गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले दो वर्षों से छात्रों को छात्रवृत्ति का भुगतान नहीं किया जा रहा, लेकिन राज्य सरकार इस ओर कोई गंभीरता नहीं दिखा रही है। गरीब किसान और मजदूर परिवारों से आने वाले छात्रों को पढ़ाई जारी रखने के लिए पार्ट-टाइम काम करना पड़ रहा है, जिससे उनकी शिक्षा प्रभावित हो रही है। निर्मल महतो ने कहा कि मौजूदा सरकार को "मंईयां योजना" की राशि जुटाने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है और राज्य की वित्तीय स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार का खजाना खाली है और वित्तीय संकट गहरा चुका है।

अवैध बैनर-पोस्टर व होर्डिंग्स पर निगम की कार्रवाई, कइयों पर लगाया जुर्माना

रांची: रांची नगर निगम क्षेत्र में बिना अनुमति लगाए जा रहे बैनर, पोस्टर और फ्लैक्स पर निगम ने सख्ती बढ़ा दी है। झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा 171 का उल्लंघन करते हुए कई संस्थान अपनी प्रचार सामग्री शहर में चिपका रहे थे। इसे देखते हुए बाजार शाखा की टीम लगातार अभियान चलाकर अवैध बैनर-पोस्टर हटाने, सामग्री जब्त करने और जुमार्ना लगाने का काम कर रही है। 20 संस्थानों पर 25-25 हजार रुपये का जुर्माना आज निगम ने कुल 20 संस्थाओं / प्रतिष्ठानों पर धारा 600 के तहत 25,000 प्रति संस्था जुमार्ना लगाया है। सभी से कहा गया है कि 3 दिनों के भीतर यह राशि जमा करें, अन्यथा उन पर आगे कार्रवाई की जाएगी. जुमार्ना नहीं चुकाने वालों के ट्रेड लाइसेंस रद किए जाने की भी चेतावनी दी गई है। आज जिन संस्थाओं पर कुल 5,00,000 जुमार्ना लगाया गया, उनमें शामिल हैं। सेल्फ स्टडी लाइब्रेरी, डीएवी पब्लिक स्कूल, मेरिडियन एकेडमी, नारायणी नर्सिंग कॉलेज, सुमिरन बैंक्वेट एंड गेस्ट हाउस, कैड, पंडित मृत्युंजय कुमार पांडे, रेखा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मोबाइल, प्रतिभा पलार एंड हार्डवेयर, वन्या विलेज, लिंगों, कैरियर फाउंडेशन, द डिजर्व, वीना वस्त कलेक्शन, बालाजी साड़ी केंद्र प्रा० लि०, ट्रेड फ्रेंड्स, ऋतु रेजिडेंसी, गुरुकुल वर्ल्ड प्ले स्कूल, सुरीधा बॉयज हॉस्टल एंड मेस। अवैध होर्डिंग्स पर भी कार्रवाई प्रशासक के निर्देश पर नगर निगम की टीम अवैध होर्डिंग्स की अलग से जांच कर रही है।

एक नजर

डीवीसी केटीपीएस में केमिकल सेफ्टी और एससीबीए उपयोग पर प्रशिक्षण आयोजित

कोडरमा : केमिकल डिजास्टर प्रिवेंशन डे के उपलक्ष्य में शुक्रवार को डीवीसी केटीपीएस के टेक्निकल बिल्डिंग में केमिकल सेफ्टी तथा एससीबीए के उपयोग पर एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। यह सत्र अश्विनी शिट, वरिष्ठ प्रबंधक तथा मुकेश कुमार, एएसआई/फायर, CISF KTPS द्वारा प्रभावी रूप से संचालित किया गया। कार्यक्रम का सफल समन्वयन भोला बर्मन, एक्जीक्यूटिव द्वारा किया गया तथा मो. मुजाहिद राजा, जेई, सेफ्टी द्वारा सक्रिय सहयोग प्रदान किया गया।

बीएसएल पिकनिक राशी बढ़ाने की मांग, यूनियन ने मनाया मानव संसाधन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल

बोकारो: बीएसएल अनाधिकारिक कर्मचारी संघ ने बीएसएल के मानव संसाधन विभाग को पत्र लिखकर वार्षिक पिकनिक के लिए दी जाने वाली राशी ?150 को बढ़ाकर 500 करने की मांग की है। संघ का कहना है कि वर्तमान राशि कर्मचारियों के लिए पर्याप्त नहीं है और इससे पिकनिक का आयोजन प्रभावित हो रहा है। यूनियन के अनुसार, प्रत्येक साल बोकारो इस्पात नगर में गर्मियों के सीजन में, बीएसएल के कर्मचारी, अधिकारी और ठेका श्रमिक विभिन्न स्थानों पर जैसे सिटी पार्क, गरगा डैम और दामोदर नदी के किनारे सामूहिक पिकनिक करते हैं। इस अवसर पर विभागीय कर्मचारी एक–दूसरे के करीब आते हैं और उनके बीच सहयोग तथा सामंजस्य की भावना मजबूत होती है। हालांकि, वर्तमान में प्रति कर्मचारी 150 की पिकनिक राशी दी जाती है, जो अधिकतर ठेका श्रमिकों को नहीं मिलती। संघ ने बताया कि 150 की राशि में तो एक सामान्य प्लेट भोजन तक उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, जिससे कई कर्मचारियों को अपने खर्चे से इस राशि को पूरा करना पड़ता है। पिछले वर्ष भी इस संदर्भ में पत्र लिखा गया था, लेकिन अभी तक कोई सुधार नहीं हुआ है। बीएकेएस के अध्यक्ष हरिओम ने कहा, जब वर्तमान चेयरमैन बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी थे, उनके कार्यकाल में पिकनिक राशी में वृद्धि की गई थी। अब मानव संसाधन विभाग की कार्यप्रणाली चिंताजनक है। कई महत्वपूर्ण कर्मचारी विषय अनसुलझे रहते हैं जबकि आदर्श मानव संसाधन प्रबंधन ऐसे मामलो को स्वचालित रूप से सुलझाता है।

किसानों को झटका: राष्ट्रीय बीज निगम के अनुदानित MTU-7029 धान बीज से हुई भारी नुकसान की शिकायत

बोकारो : जिला, चास प्रखंड के ग्राम काण्ड्रा के किसान राजदेव माहथा सहित दर्जनों किसान राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा अनुदानित दर पर मिले धान के MTU–7029 बीज से हुई फसल खराबी को लेकर चिंता में हैं। किसानों ने बताया कि इस बीज से की गई धान की रोपनी खेतों में नाम मात्र की ही फसल उपजी है। धान की बालियाँ पूरी तरह से विकसित नहीं हो पाई तथा कई बालियों में पुष्ट चावल तक नहीं हैं, जिससे किसानों को लगभग एक लाख रुपये से अधिक की भारी आर्थिक हानि उठानी पड़ी है। राजदेव माहथा ने कहा, बीज की खराब क्वालिटी की वजह से धान की फसल बर्बाद हो गई है, जो हम किसानों के लिए बहुत बड़ा झटका है। उन्होंने तत्काल राष्ट्रीय बीज निगम से इस नुकसान का मुआवजा देने की मांग की है। दूसरी समस्या के रूप में किसान इस क्षेत्र में जंगली सूअरों के हमले से भी परेशान हैं।

डीपीएस बोकारो के 'स्टार कॉन्टेस्ट' में मंच पर उतरे हुनर के सितारे

हर बच्चा अपने-आप में प्रतिभावान लगन व जुनून जरूरी : प्राचार्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : विद्यार्थियों के भीतर छिपी कलात्मक प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से डीपीएस बोकारो की सीनियर इकाई में स्टार कॉन्टेस्ट का आयोजन किया गया। इसका फाइनल राउंड शुक्रवार को संपन्न हुआ, जिसमें छात्र-छात्राओं ने गायन, वादन, नृत्य और दृश्य-कला में अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन कर सबकी भरपूर सराहना पाई। मंच पर उतरे हुनर के भावी सितारों ने जमकर अपने जौहर दिखाए। विद्यालय के कालिदास कला भवन में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत बैंड कैटेगरी में आर्केस्ट्रा प्रतियोगिता से हुई, जिसमें की-बोर्ड, गिटार, क्लैप

बॉक्स व अन्य वाद्य यंत्रों पर प्रतिभागियों ने जोश से भरी ऊर्जावान प्रस्तुति दी। उन्होंने सुर-ताल व लयकारी का आकर्षक सम्मिश्रण तथा उत्कृष्ट सामंजस्य प्रस्तुत किया। बेहतर प्रदर्शन के आधार पर अर्का राज एवं ग्रुप को प्रथम स्थान मिला। विराज झा एवं टीम दूसरे, तो रुद्रांग्सु रॉय एवं उसकी टीम तीसरे स्थान पर रही। इसके बाद एकल गायन प्रतियोगिता में यू. चारुकेशी ने का से कहूं सखी मैं... की सुरीली प्रस्तुति देकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वैष्णवी प्रिया ने फेरो न नजर से नजरिया... और अवनी अनन्या पांडेय ने रघुकुल रीत... की सुंदर पेशकश कर क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार, एकल नृत्य प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने शारीरिक स्फूर्ति और लयबद्धता का सुंदर प्रस्तुतीकरण किया। इसमें प्रथम स्थान पर रही वर्तिका दुबे ने मां काली का रूप धरकर रक्तबीज संहार का दृश्य प्रस्तुत कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। प्राप्ति मिश्रा ने शास्त्रीय भरतनाट्यम की प्रस्तुति कर दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं, नृत्य के जरिए देशभक्ति के जज्बे को जीवंत रूप में दशार्ने वाले रिमिक बी. सूर्या मंडल और कृष्ण-भक्ति एवं श्रृंगार-रस पर आधारित भरतनाट्यम प्रस्तुत करने वाली छात्रा शान्वी श्रेया ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार, दृश्य-कला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने फूल, कागज, लकड़ी एवं अन्य चीजों से आकर्षक कलाकृतियां तैयार कर अपनी अद्भुत प्रतिभा का परिचय दिया। इस प्रतियोगिता का परिणाम बाद में घोषित किया जाएगा। निर्णायकों में विद्यालय की प्राइमरी इकाई की शिक्षिका आभा कुमारी झा, स्वीटी अनिल कुमार, शिक्षक मयंक कुमार भक्ता एवं लोकेश नायक शामिल रहे। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस गंगवार ने सभी प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों को सराहते हुए कहा कि हर विद्यार्थी अपने-आप में प्रतिभावान है। हार-जीत से ज्यादा प्रतियोगिता में भाग लेना महत्वपूर्ण है। बच्चे हुनर के प्रति अपना जुनून बनाए रखें।

डीएवी सेक्टर 4 जिला स्तरीय वैज्ञानिक प्रदर्शनी के आयोजन हेतु पूर्णतया सज्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : विर्तमान समय में बच्चों में वैज्ञानिक सोच को विकसित करने एवं नवाचारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शन हेतु समुचित मंच प्रदान करने के उद्देश्य से साइंस कोर समिति बोकारो एवं विज्ञान जागरण समिति झारखंड के संयुक्त तत्वाधान में एक जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन डीएवी सेक्टर-4 में 18 दिसंबर को किया जा रहा है जिसके मद्देनजर एक संयुक्त बैठक डीएवी सेक्टर-4 में हुई जिसमें आयोजन संबंधी विभिन्न बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया। जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी को मूलतः तीन विषयों में विभाजित किया गया है प्रथम विषय इन्नोवेटिव यूजेज ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फॉर बेनिफिट्स ऑफ सोसाइटी, दूसरा विषय स्मार्ट सॉल्यूशन फॉर रिड्यूजिंग कार्बन फुटप्रिंट्स एंड प्रोटेक्टिंग ऑवर प्लेनेट एवं तीसरा विषय टेक्नोलॉजिकल इन्नोवेशंस फॉर हेल्थ रखा गया है। गौरतलब है कि इस विज्ञान प्रदर्शनी में विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभागी अपने वर्किंग मॉडल के द्वारा अपनी प्रस्तुति की वैज्ञानिक प्रासंगिकता की व्याख्या करेंगे जिससे अन्य विद्यार्थियों में भी वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रस्फुटित करने एवं शोध आधारित सीख को उन्नत करने में सहायता मिलेगी जो विद्यार्थियों के हित में एक अद्वितीय कदम है।

अपनी ही जमीन को बचाने के लिए सड़क पर उतरे बुजुर्ग, भ्रष्ट तंत्र से त्रस्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : शहर में जमीन कब्जा और भू-माफियाओं की बढ़ती सक्रियता के बीच शुक्रवार को जगत कुटीर गृह निर्माण स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड के 62 प्लॉटधारकों ने प्रेस वार्ता कर गंभीर आरोप लगाए। गाधाँजोड़ा स्थित रेनबो पब्लिक स्कूल के बगल की करीब 9 एकड़ जमीन को लेकर प्लॉटधारकों ने मंगलम सिटी के बिल्डरों पर जबरन कब्जे, धमकी और फर्जी प्रचार का आरोप लगाया है। प्लॉटधारक पूर्णेन्दु कुमार सिंह ने बताया कि जमीन 1983 में खरीदी गई थी और 2018झ्र19 तक इसकी रसीद भी कटी है। सरकारी नापी भी हो चुकी है, फिर भी

प्लॉटधारकों को अपने ही भूखंड पर काम नहीं करने दिया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिल्डर जमीन को अपना बताकर मंदिर, तालाब और प्लाटिंग का झूठा प्रचार कर रहा है। "हमारे पिता और अधिकांश जमीन मालिक वरिष्ठ नागरिक हैं। सारा कागज रहने के बावजूद प्रशासन की मिलीभगत से हमारा शोषण हो रहा है," उन्होंने कहा। जमीन मालिक आर. चौधरी ने बताया कि कागजात लेकर वे बार-बार डीसी, एसपी, सीईओ और थाना के चक्कर लगा चुके हैं, लेकिन हर जगह से सिर्फ आश्वासन ही मिलता है। "हम रिटायर लोग हैं, हमारी बात कोई नहीं सुन रहा। अगर न्याय नहीं मिला तो हम इसी जमीन पर प्राण त्यागने को मजबूर होंगे," उन्होंने चेतावनी दी।

डीएवी कोडरमा का गौरव अरुणेश रंजन बने जिला टॉपर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : पी. वी. एस. एस. डीएवी पब्लिक स्कूल, झुमरी तिलैया, कोडरमा में 23 नवंबर को आयोजित विद्यार्थी विज्ञान मंथन 2025 की ऑनलाइन परीक्षा में विद्यालय के कक्षा 11वीं विज्ञान वर्ग के मेधावी छात्र अरुणेश रंजन ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए जिला टॉपर बनने का गौरव प्राप्त किया। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विद्यालय परिसर में खुशी की लहर छा गई। विद्यालय के प्राचार्य श्री कृष्ण कुमार सिंह ने अरुणेश को कोडरमा जिले में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने तथा विद्यालय एवं अपने माता-पिता का नाम रोशन करने के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने गाइड टीचर कामेश्वर कुमार एवं अभिभावकों को भी इस सफलता

के लिए साधुवाद दिया। प्राचार्य महोदय ने कहा कि "अरुणेश की सफलता उनके कठोर परिश्रम, समर्पण, लगन, उचित दिशा-निर्देशन और निरंतर प्रयासों का परिणाम है।" विद्यार्थी विज्ञान मंथन परीक्षा का उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना, भारतीय वैज्ञानिकों के योगदान से अवगत कराना, तथा विज्ञान एवं तकनीकी के प्रति जिज्ञासा बढ़ाना है। इस ऑनलाइन परीक्षा में छात्रों की तार्किक क्षमता, सामान्य विज्ञान, पर्यावरण, गणितीय कौशल एवं समसामयिक वैज्ञानिक घटनाओं पर आधारित प्रश्न पूछे जाते हैं। यह परीक्षा राष्ट्रीय स्तर पर विज्ञान आंदोलन को बढ़ावा देती है और विद्यार्थियों में शोधक सोच, प्रतिस्पर्धा की भावना तथा नवाचारशीलता का विकास करती है। इस परीक्षा में कोडरमा जिले के विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने हिस्सा लिया। डीएवी विद्यालय से जिन विद्यार्थियों ने अपनी तार्किक एवं बौद्धिक क्षमता का प्रदर्शन किया, वे हैं–अरुणेश रंजन, नेक आनंद, अतुल मोदी (कक्षा 11 विज्ञान) आराधना भारती, अनुष्का गुप्ता, ऋषभ कुमार (कक्षा 6 इ/उ) कुंदन राज, सुधांशु सिंह, आकांक्षा त्रिवेदी (कक्षा 10 अ)सभी बच्चों की सफलता से विद्यालय में उल्लासपूर्ण वातावरण बना हुआ है।

मार्गशीर्ष पूर्णिमा पर संकटकालीन भजन-संध्या में गूँजे श्रद्धा के स्वर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : मार्गशीर्ष पूर्णिमा के अवसर पर अड्डी बंगला रोड स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का अनोखा संगम देखने को मिला। सलासर भक्त समिति के तत्वावधान में आयोजित भजन-संध्या ने उपस्थित श्रद्धालुओं का हृदय भाव-विभोर कर दिया। मंदिर में बाबा का अलौकिक श्रृंगार मनोहारी रूप से किया गया, जिसे देख भक्त भाव-विह्वल हो उठे।कार्यक्रम की शुरूआत मोनू पांडेय द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना के बाद हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ से हुई। इसके उपरांत मनोज माथुर ने गणेश वंदना प्रस्तुत कर वातावरण को आध्यात्मिक रंगों से भर दिया। मधु सिंह ने दर्शन दे दो हनुमान, मेरी मान लो भजन से भक्तों को भावसमाधि में पहुंचा दिया।राजेश वर्मा ने जिसके हृदय में राम नाम बसा, आनंद ही आनंद है गाकर लोगों के मन में भक्ति के सरोवर को जगा दिया।विशाल ने सिंह ने तारा है सारा

जमाना, वीर बजरंगबली हमको भी तारो के अलौकिक सुरों से समा बांध दिया।गिरधारी सोमानी ने वो तो लाल लंगोटे वाले, है मां अंजनी का लाल की प्रस्तुति से श्रद्धालुओं का मन प्रफुल्लित कर दिया। मुन्ना भदानी ने राम जी की निकली सवारी, राम जी की लीला न्यारी गाकर हॉल की गूंज बढ़ा दी। इसके बाद मनोज माथुर ने बजरंगबली हनुमान, तेरा जग में डंका बज गया भजन गाकर कार्यक्रम को नई ऊंचाई दी।इसके अलावा अन्य भजन-गायकों ने भोले शंकर, माता दुर्गा, श्याम बाबा सहित अनेक देवी-देवताओं पर आधारित शास्त्रीय और भोजपुरी भजनों की मनोहारी प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

शिकायतकर्ता घर बैठे दर्ज करा सकते है शिकायत : एसडीओ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : ई-जनसेवा पोर्टल के कार्यप्रणाली को विस्तृत रूप से समझने के लिए आज दिनांक 05 दिसंबर, 2025 को वर्चुअल (ऑनलाइन माध्यम) प्रशिक्षण आयोजित किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के सभी विभागों के कंप्यूटर ऑपरेटर शामिल हुए । प्रशिक्षण अनुमंडल पदाधिकारी चास सुश्री प्रांजल ढांडा के निदेर्शानुसार दिया गया। सभी ऑपरेटर को विस्तार पूर्वक बताया कि यह पोर्टल कैसे काम करता है। जिस भी विभाग में जो भी शिकायत ऑनलाइन दर्ज होती है उसे शिकायत को निर्धारित समय सीमा के भीतर निष्पादन कर संबंधित आवेदक को इसकी जानकारी देना होता है।

शिकायतकर्ता घर बैठे दर्ज करा सकते है शिकायत –

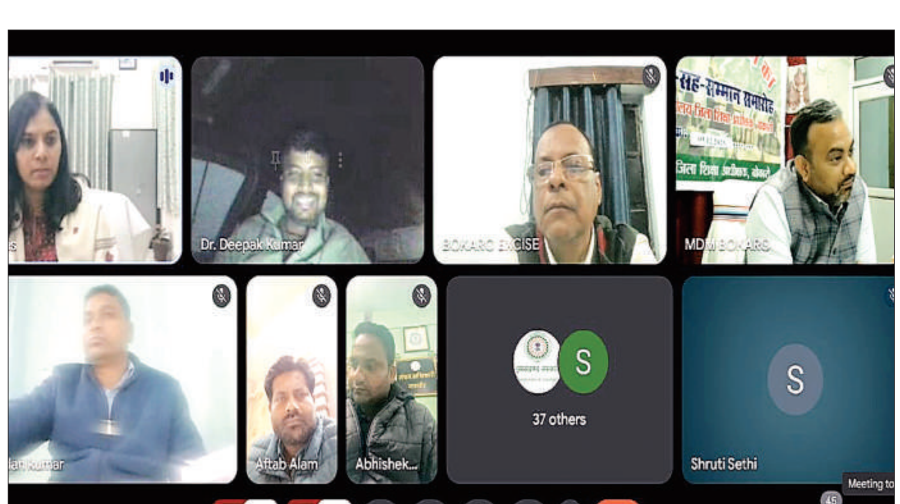

अनुमंडल पदाधिकारी चास सुश्री प्रांजल ढांडा ने बताया कि जनता की शिकायतों का निवारण के लिए जिला प्रशासन गंभीर है। इसी उद्देश्य की प्रतिपूर्ति के लिए ई-जनसेतु पोर्टल का प्रारंभ किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से अब कोई भी शिकायतकर्ता घर बैठे लॉगिन कर अपनी शिकायतों को जिला प्रशासन के पास दर्ज करा सकता है। जिला प्रशासन एक निर्धारित समय सीमा के भीतर इन शिकायतों को निपटारा करेगी। इसके लिए शिकायतकर्ता को शिकायत करने के लिए ्ल्लशी३४.ल्ल पोर्टल पर जाकर शिकायत दर्ज करानी होगी, जिसमें शिकायतकर्ता को एक संक्षिप्त परिचय उस पोर्टल पर दर्ज करना होगा। शिकायत दर्ज करने के समय उनके मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी आएगी, जिसके द्वारा इसका सत्यापन किया जाएगा। प्रत्येक शिकायत के विरुद्ध एक टिकट आईडी जेनरेट होगा जिसके माध्यम से अपने शिकायतों के निवारण की स्थिति की जानकारी शिकायतकर्ता ले सकते हैं। सबसे अच्छी बात की शिकायतकर्ता इस शिकायत निवारण के संदर्भ में अपनी फीडबैक भी दर्ज कर सकते हैं एवं कार्यालय विशेष के लिए रेटिंग भी दे सकते हैं। कोई भी आमजनमानस इस पोर्टल पर जाकर अपनी समस्याओं को दर्ज कर सकती है एवं अपने शिकायतों का समाधान घर बैठ पा सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में राष्ट्रीय सेवा योजना का उन्मुखीकरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कोडरमा : ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना का उन्मुखीकरण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला नोडल सह कार्यक्रम पदाधिकारी सौरभ शर्मा ने राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व, कार्यप्रणाली एवं आयोजित विविध गतिविधियों तथा उद्देश्यों से अवगत कराया एवं अपने संबोधन में कहा कि एन एस एस एक गतिविधि नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण की दिशा में उठाया गया अनूठा कदम है। यह मंच युवा वर्ग को समाजसेवा हेतु सदैव अवसर प्रदान करता है एवं युवाओं में नेतृत्व की क्षमता,अनुशासन और मानवता की सच्ची भावना को विकसित करने एवं सशक्त बनाने में सहयोग करता है। कार्यक्रम में बी.एड. सत्र 2025– 27 के सभी प्रशिक्षुओं को एन एस एस का डायरी एवं बैच वितरण किया गया साथ माई भारत पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कराया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के बी.एड. सत्र 2025– 27 के सभी प्रशिक्षु एवं सहायक प्राध्यापक डॉ पंकज कुमार पाण्डेय, डॉ पवन कुमार, डॉ रविकांत तिवारी, डॉ मनीष कुमार पासवान, डॉ पूजा कुमारी, डी एल एड विभागाध्यक्ष मनीष कुमार सिंह, डी एल एड समन्वयक खुशबू कुमारी सिन्हा, संजीत कुमार, अनिल दास, सीताराम यादव एवं चुन्नु कुमार सहित सभी शिक्षकेतर कर्मचारी सूचित कुमार, दीपक कुमार पाण्डेय, आलम मुख्तार, सुधीर साव, विवेक कुमार एवं ओंकार कुमार आदि उपस्थित रहे।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने प्रभारी के राजू से की मुलाकात विकास कार्यों और संगठन विस्तार पर चर्चा

कोडरमा : कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने कांग्रेस प्रभारी के राजू से मुलाकात कर जिले की कई महत्वपूर्ण और पुरानी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। मुलाकात के दौरान स्थानीय स्तर पर लंबित विकास कार्यों, संगठन की मजबूती, जनहित से जुड़े मुद्दों और प्रशासनिक लापरवाही से जुड़ी शिकायतों को प्रमुखता से उठाया गया। जिलाध्यक्ष ने प्रभारी को अवगत कराते हुए कहा कि कोडरमा जिले में पंचायत कमेटी युद्ध स्तर पर गठन किया जा रहा है पंचायत कमेटी गठन करने के दौरान लोगों को कांग्रेस की विचारधारा एवं सिद्धांतों के बारे में बताया जा रहा है कोडरमा जिले में अभी तक 57 पंचायत कमेटी सभी के सहयोग से गठन कर प्रदेश कार्यालय को सोपा गया है बहुत जल्द ही बाकी पंचायत समिति गठन कर लिया जाएगा साथ ही साथ BLA नियुक्त कर फॉर्म 2 भरकर कार्य को गति दिया जाएगा कोडरमा जिला कांग्रेस कमेटी में बेहतर कार्य करने वालों को सम्मानित भी किया जाएगा । कांग्रेस प्रभारी के राजू ने आश्वासन दिया कि जिले की सभी समस्याओं का चरणबद्ध तरीके से समाधान किया जाएगा और जल्द ही इन मुद्दों पर ठोस कार्रवाई देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संगठन जनता की आवाज है और हर समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा। मुलाकात के बाद जिलाध्यक्ष ने उम्मीद जताई कि कांग्रेस नेतृत्व के सक्रिय हस्तक्षेप से जिले की समस्याओं का जल्द निदान होगा और जनता को राहत मिलेगी।

बोकारो सेक्टर 4 में सफाई कर्मचारियों का काम बंद, बदसलूकी के खिलाफ धरना

बोकारो: सेक्टर 4 में शुक्रवार को सेल के अनुबंधित सफाई कर्मचारियों ने बदसलूकी के आरोप में धरना देकर काम पूरी तरह से बंद कर दिया। जानकारी के मुताबिक, सेक्टर 4 के एरिया में काम करने वाले ठेकेदार अनिल सिंह के अधीन सफाई कर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार हुआ है ।महेश और बांका ने बताया कि सेक्टर 4 सी के आवास संख्या 2117 पर उनके सहकर्मी के साथ की गई गाली–गलौज और बदसलूकी के विरोध पर मारपीट की कोशिश हुई। जब इस बात की सूचना ठेकेदार को दी गई तो वे घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन उन्हें भी अपमानजनक व्यवहार का सामना करना पड़ा ।सभी सफाई कर्मचारियों ने सेल प्रबंधन से मांग की है कि इस पूरे मामले में उचित कार्रवाई की जाए और यह भरोसा मिले कि भविष्य में उनके साथ मानवीय और सम्मानजनक व्यवहार होगा। कर्मचारी जो तक प्रबंधन से संतोषजनक जवाब नहीं मिलता, तब तक उनका यह आंदोलन जारी रहेगा ।सेक्टर 4 के सफाई कर्मचारी मानते हैं कि सम्मान और सुरक्षा के बिना वे अपने कर्तव्यों का निर्वाह ठीक से नहीं कर सकते। इस विवाद से क्षेत्र में सफाई व्यवस्था प्रभावित होने की संभावना है ।सेल प्रबंधन की ओर से अभी तक इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। प्रशासन से मांग है कि वह इस मुद्दे पर ध्यान देकर कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करे ताकि शहर की सफाई व्यवस्था सुचारु रूप से चल सके।

सांसद खेल महोत्सव में तीन दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता शुरू

पूर्वी सिंहभूम: युवाओं को नशे से दूर रखने और उन्हें खेलों से जोड़कर सकारात्मक दिशा देने के लक्ष्य के साथ शहर में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को बिष्टुपुर स्थित मोहन आहूजा स्टेडियम में तीन दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का उत्साहपूर्ण आगाज हुआ। उद्घाटन के साथ ही स्टेडियम बच्चों के जोश, ऊर्जा और खेल के प्रति समर्पण से सराबोर हो उठा।

प्रतियोगिता में शहर के विभिन्न स्कूलों, अकादमियों और खेल संस्थानों से लगभग 600 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इतनी बड़ी संख्या में प्रतिभागियों की मौजूदगी ने यह साबित कर दिया कि जमशेदपुर के बच्चों में खेल को लेकर गहरी रुचि और जुनून मौजूद है। स्टेडियम में सुबह से ही खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और अभिभावकों की भीड़ उमड़ी रही। हर कोई अपने–अपने बच्चों को प्रोत्साहित करते, उनका मनोबल बढ़ाते दिखा। खेल प्रशिक्षकों का कहना था कि सांसद खेल महोत्सव जैसे आयोजन युवाओं को बड़ी मंच प्रदान करते हैं, जहां वे अपनी प्रतिभा दिखा सकें और प्रतिस्पर्धात्मक माहौल में खुद को साबित करने का मौका मिले। अभिभावकों ने भी इस पहल की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों को अनुशासन, फिटनेस और टीम भावना सिखाते हैं।

एक नजर

गोंदली पोखर चौक में दिनदहाड़े ज्वेलरी शॉप में लाखों की लूट

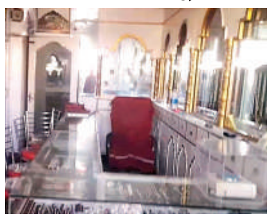

अनगड़ा : रांची जिला अनगडा प्रखंड अंतर्गत गोंदली पोखर चौक में रुचि ज्वेलरी शॉप में दिनदहाड़े अज्ञात लोगों ने चोरी कि घटना को अंजाम दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि जैसे भी दुकान मालिक ने दुकान का शटर जैसे ही उठाया घात लगाए दुकान के अगल बगल घूम रहे थे और दुकान पर हमला कर दिया जितने भी दुकान में रखे सोना चांदी और कैश लेकर फरार हो गए। ज्वेलरी शॉप के मालिक शेखर ने बताया कि लगभग 25 लाख के जेवर 60 हजार नगद लूट कर फरार हो गए इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी गई। मौके पर पहुंची थाना प्रभारी गोतम रजवार घटना की जांच पड़ताल की जा रही है जल्द ही चो रो को पकड़ लिया जाएगा।

राम अकादमी के द्वारा दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

अनगड़ा : लुपुंग स्टेडियम में राम अकादमी द्वारा दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था। मैच के मुख्य अतिथि राजेन्द्र शाही मुंडा और विशिष्ट अतिथि आतिस महतो फुटबॉल टूर्नामेंट के पहले दिन के मैच में पहला ग्रुप में SC सालहन और ST ब्रदर टाटी की टीम सेमी फाइनल में पहुंची। दूसरे ग्रुप का मैच कल होनी है सेमी फाइनल और फाइनल मैच सात दिसंबर को खेले जाएंगे। साथ में संयोजक रामसाय मुंडा, कलाकार मजबूल खान अकादमी के अध्यक्ष संजय नायक, सचिव विपिन मुंडा, कोषाध्यक्ष संजय महतो, दीपक महतो अरविंद मुंडा जयराम बेदिया आदि शामिल थे।

अज्ञात महिला की पत्थर से कूचकर हत्या जांच में जुटी पुलिस

खूंटी : खूंटी शहर में शुक्रवार की शाम एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। अस्पताल टोली के पीछे स्थित खेत से लगभग 35 वर्षीय एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया गया। मृतका की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। शव की हालत देखकर प्रतीत होता है कि महिला की पत्थर से कूच कर निर्मम हत्या की गई है। मृतका ने कत्थई रंग का स्वेटर और क्रीम रंग की साड़ी पहन रखी थी। घटना की जानकारी मिलते ही खूंटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी मोहन कुमार ने बताया कि प्राथमिक जांच में यह हत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। महिला के चेहरे सहित शरीर के कई हिस्सों पर पत्थर से प्रहार के गहरे घाव मिले हैं, जिससे साफ है कि उसकी बेरहमी से हत्या की गई है। शव मिलने की खबर फैलते ही स्थानीय लोग भी बड़ी संख्या में घटनास्थल पर जमा हो गए। हालांकि किसी ने महिला की पहचान नहीं की। पुलिस ने शव को पहचान होने तक शीतगृह में सुरक्षित रखवा दिया है । पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रही है और संभावना जताई जाती है कि जल्द ही मृतका की पहचान तथा हत्या के कारणों का खुलासा हो जाएगा।

समाहरणालय में उपायुक्त की अध्यक्षता में साप्ताहिक जनता दरबार का हुआ आयोजन

जनसमस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : शुक्रवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं अंचलों से आए नागरिकों द्वारा प्रस्तुत जन-अभ्यावेदनों को सुनते हुए उपायुक्त ने प्रत्येक मामले से संबंधित विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उपस्थित आमजनों ने अपने क्षेत्र में उत्पन्न विविध जनसमस्याओं, आवश्यक आधारभूत सुविधाओं तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित होने की स्थिति से उपायुक्त को अवगत कराया। जनता दरबार में आज प्राप्त आवेदनों में बुरुडीह बाईपास सड़क निर्माण कार्य से संबंधित मुआवजा भुगतान में अनियमितता, झारखंड मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना का लाभ प्राप्त न होने, तथा अबुआ आवास योजना की सूची में चयनित होने के पश्चात भी लाभ प्राप्त न होने जैसी समस्याएँ प्रमुख रूप से सम्मिलित रहीं। इसके अतिरिक्त दिव्यांग लाभुक हेतु इलेक्ट्रिक ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराने, चापाकल निर्माण, तथा ग्राम/पंचायत गोपीडीह में मोबाइल टॉवर स्थापना किए जाने से संबंधित आवेदन भी प्रस्तुत किए गए। इसी क्रम में सरायकेला अंचल अंतर्गत शासन गाँव से मासिक बाँध अखाड़ा शाल मुख्य पथ तक स्थित लगभग एक किलोमीटर लंबी जर्जर सड़क के पुनर्निर्माण, मिलन चौक से जुड़ने वाली विभिन्न सड़कों पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु स्पीड ब्रेकर निर्माण, तथा मुरूप पंचायत के नरायणडीह ग्राम स्थित विद्यालय के दो जर्जर कक्षा-कक्षों के मरम्मतीकरण अथवा नवनिर्माण संबंधित आवेदन भी प्राप्त हुए। साथ ही राशन कार्ड निर्गमन तथा विधवा पेंशन स्वीकृति के संबंध में भी अभ्यावेदन उपायुक्त के समक्ष प्रस्तुत किए गए। उपायुक्त ने जनता दरबार में उपस्थित सभी विभागीय एवं अंचल स्तरीय पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि आज प्राप्त सभी आवेदनों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जिन प्रकरणों में स्थलीय सत्यापन आवश्यक है, वहाँ संबंधित अधिकारी त्वरित निरीक्षण कर तथ्यात्मक प्रतिवेदन उपलब्ध कराएँ, ताकि जनसमस्याओं का समाधान बिना किसी अनावश्यक विलंब के सुनिश्चित हो सके। उपायुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि जनसुविधा और जनकल्याण से संबंधित सभी योजनाओं के लंबित मामलों को प्राथमिकता देते हुए पात्र लाभुकों को समय पर लाभ उपलब्ध कराना सभी अधिकारियों की जवाबदेह जिम्मेदारी है।

कपाली में कार चोरी की कोशिश नाकाम, आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : चांडिल के कापाली ओपी क्षेत्र के गौसनगर में एक अज्ञात युवक द्वारा खड़ी कार की चोरी करने की कोशिश को पुलिस की सक्रियता ने नाकाम कर दिया। घटना 4 नवंबर की शाम हुई, जब डायल-112 को सूचना मिली कि एक युवक कार का ताला तोड़ने का प्रयास कर रहा है। सूचना मिलते ही कापाली ओपी पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस के अनुसार आरोपी युवक वहां से हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल लेकर भाग रहा था। पीछा कर उसे पकड़ा गया। तलाशी में उसके पास से 7.65 एमएम की तीन जिंदा गोलियां बरामद हुईं।आरोपी की पहचान मो. सलमान 24 वर्ष गौसनगर, फुटबॉल मैदान, चांडिल के रूप में हुई है। उसके खिलाफ इससे पहले भी कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने उसके पास से तीन जिंदा गोलियां, हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल, जैकेट बरामद किया गया।आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है । छापामारी टीम में प्रभारी धीर रंजन के नेतृत्व में सअनि रंजीत कुमार सिंह ,पु. अ . नि खुर्शीद आलम, और अन्य पुलिस बल सामिल थे ।पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

दावा जमा निस्तारण के लिए जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लोहरदगा : वित्तीय सेवाएं विभाग (डीएफएस), भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संयुक्त तत्वावधान में जिला परिषद सभागार में अदावा जमा (अनक्लेम्ड डिपोजिटस) संबंधी जागरूकता एवं सहायता शिविर का आयोजन शुक्रवार को किया गया। शिविर का उद्देश्य जनता को बिना दावा किए गए बैंक खातों की जानकारी उपलब्ध कराना और लंबित जमा राशियों का शीघ्र एवं पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम में विमला भगत (उप महाप्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक), संतोष कुमार सिन्हा (उप महाप्रबंधक, इसएलबीसी), अरविंद एक्का (सहायक महाप्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक), नितिन किशोर (अग्रणी जिला प्रबंधक, लोहरदगा), सुरेश भगत (निदेशक, आरसेटी), डीडीएम नाबार्ड एवं विभिन्न बैंकों के जिला प्रतिनिधि उपस्थित थे। शिविर में लोगों को बचत खाता, चालू खाता, सावधि जमा (एफडी), आवर्ती जमा (आरडी) और लंबे समय से निष्क्रिय पड़े खातों से संबंधित अदावा जमा की खोज, आवश्यक दस्तावेज एवं दावा प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को आरबीआई के उदगम पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन खोज और दावा पंजीकरण की प्रक्रिया के बारे में बताया गया। मौके पर अधिकारियों ने कहा कि डीएफएस और आरबीआई का मुख्य उद्देश्य है कि वर्षों से लंबित पड़ी जमा राशि सही व्यक्ति तक शीघ्र, सरल और सुरक्षित रूप से पहुंचे। शिविर में कई मामलों का तत्काल समाधान किया गया और अन्य दावों को त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित बैंक शाखाओं को भेजा गया।

ग्रामीणों ने विधायक प्रतिनिधि को सौंपा ज्ञापन, शिक्षक नियुक्ति की रखी मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : पटमदा प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय लायाडीह में वर्तमान में 65 छात्रों में एक सहायक अध्यापिका के भरोसे स्कूल में संचालित हो रहा है। ग्रामीणों ने स्थानीय विधायक और डीएसई के नाम एक ज्ञापन विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू को सौंपते हुए मांग की है कि विद्यालय के शिक्षक सुकुमार माण्डी को पुनः सहायक आचार्य के रूप में इसी विद्यालय में पदस्थापित करवाया जाए।बता दे कि सुकुमार माण्डी उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय लायाडीह में सहायक अध्यापक के रूप में कार्यरत थे।लेकिन सरकार के द्वारा किए गए नियुक्ति में उनका चयन सहायक आचार्य में हो जाने के कारण विद्यालय एकमात्र शिक्षिका के भरोसे चल रहा हैं। ग्रामीणों ने विद्यालय प्रबंधन की बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करते हुए सुकुमार माण्डी को विद्यालय में सहायक आचार्य के रूप में जल्द से जल्द बहाल किया जाए ताकि विद्यालय में पठन पाठन के साथ अन्य कार्य सुचारूप से संचालित हो सके। विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू ने बताया कि उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय लायाडीह के पोषक क्षेत्र के अभिभावकों और प्रबंधन समिति के द्वारा विधायक मंगल कालिंदी के नाम ज्ञापन सौंपकर विद्यालय में एक शिक्षक जल्द से जल्द बहाल करवाने की मांग रखी है।

सीसीएल, गांधीनगर अस्पताल में हृदय रोग चिकित्सा शिविर स्थगित

रांची : सीसीएल के केन्द्रीय अस्पताल, गांधीनगर, काँके रोड, राँची में शुक्रवार, दिनांक 06.12.2025 को प्रातः 9 बजे से निःशुल्क हृदय रोग संबंधी चिकित्सीय शिविर (कार्डियक क्लिनिक) का आयोजन कुछ अपरिहार्य कारणों से अगली सूचना तक स्थगित किया जा रहा है। इस चिकित्सीय शिविर में मैक्स अस्पताल, नई दिल्ली के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. राजीव राठी (सीनियर इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट) हृदय रोग से ग्रसित मरीजों का जाँच एवं चिकित्सीय सलाह देने वाले थे। सीसीएल द्वारा नियमित तौर पर देश के ख्याति प्राप्त विशेषज्ञ चिकित्सकों को आमंत्रित कर विभिन्न बीमारियों से संबंधित स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है।

वार्षिक माध्यमिक और इंटर परीक्षा केंद्रों का चयन को लेकर उपायुक्त ने की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : जिला समाहरणालय स्थित सभागार में शुक्रवार को वार्षिक माध्यमिक और इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त चंदन कुमार और एसपी अमित रेनू ने संयुक्त रूप से की। इस अवसर पर मंझगांव विधायक प्रतिनिधि, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), क्षेत्रीय शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) के तत्वावधान में आगामी 3 फरवरी से 23 फरवरी 2026 तक प्रस्तावित परीक्षाओं को सुचारू रूप से संचालित कराने के लिए जिले में परीक्षा केंद्र और मूल्यांकन केंद्रों का चयन किया गया। बैठक में परीक्षार्थियों की सुविधा और दूरी को ध्यान में रखते हुए माध्यमिक परीक्षा के 21,564 परीक्षार्थियों के लिए जिले में कुल 53 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए। वहीं, इंटरमीडिएट परीक्षा के 12,318 परीक्षार्थियों के लिए 29 परीक्षा केंद्र और 2 मूल्यांकन केंद्रों का चयन किया गया। बैठक के दौरान परीक्षा केंद्रों पर सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने निर्देश दिया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और प्रकाश, शौचालय और बैठने की पर्याप्त व्यवस्था रहे। इसके अलावा परीक्षार्थियों को परीक्षा से संबंधित सभी सूचनाएं समय पर उपलब्ध कराने पर भी बल दिया गया। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि परीक्षा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक पुलिस बल की तैनाती की जाए। साथ ही किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोकने के लिए केंद्राधीक्षक और दंडाधिकारियों को पूर्वाभ्यास और दिशानिर्देश उपलब्ध कराए जाएं। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने परीक्षाओं को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए सहयोग करने का आश्वासन दिया।

संक्षिप्त खबरें

वित्त रहित कॉलेजों का 75% अनुदान वृद्धि तक प्रपत्र न भरने का संकल्प

सिल्ली/मुरी : झारखंड राज्य वित्त रहित संयुक्त संघर्ष मोर्चा के नेतृत्व में आज पंच परगना क्षेत्र के कई इंटर कॉलेजों एवं उच्च विद्यालयों का व्यापक दौरा किया गया। मोर्चा के महासचिव रघुनाथ सिंह, कोषाध्यक्ष एवं पंच परगना इकाई अध्यक्ष तथा जैक सदस्य अली अल अराफात, सचिव मंडल सदस्य संजय कुमार, कार्यकारिणी सदस्य राजीव लोचन तथा रंजीत कुमार मोदक ने संयुक्त रूप से क्षेत्र के संस्थानों से मुलाकात कर आंदोलन की रूपरेखा साझा की। दौरे में अमानत अली इंटर कॉलेज बुंडू, पंचपरगना ताऊ उच्च विद्यालय बुंडू, सरस्वती भास्कर विद्यालय बुंडू, किसान उच्च विद्यालय रांची, तमाड़ इंटर महाविद्यालय, सलगाडीह, सज्जन उच्च विद्यालय डोरिया, संत इग्नुयुस उच्च विद्यालय, विजय गिरि सर्वोदय उच्च विद्यालय, मानिक चंद्र इंटर कॉलेज पारमडीह, रघुनाथ महतो इंटर कॉलेज पतराहातू सहित कई शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों-कर्मचारियों से संवाद किया गया। सभी वित्त रहित कॉलेजों एवं उच्च विद्यालयों ने 75 प्रतिशत अनुदान वृद्धि मांग पूरी होने तक अनुदान प्रपत्र न भरने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया। शिक्षकों ने कहा कि आर्थिक संकट से जूझ रहे संस्थानों के लिए अनुदान वृद्धि बेहद आवश्यक है।मोर्चा नेताओं ने घोषणा की कि 9 दिसंबर को विधानसभा के समक्ष आयोजित महाधरना में पंच परगना क्षेत्र से अधिक से अधिक शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

चलन्त लोक अदालत वाहन को हरी झंडी दिखाकर बीडीओ ने किया रवाना

ईचागढ़ : जिला विधिक सेवा प्राधिकार सरायकेला के तत्वावधान में ईचागढ़ प्रखंड के बीडीओ एकता वर्मा ने चलन्त लोक अदालत वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। चलन्त लोक अदालत वाहन पुरानडीह मोड़ पहुचकर विधिक जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया । उक्त कार्यक्रम में लीगल एण्ड डिफेंस कॉन्सिल सिस्टम के सहायक अम्बिका चरण पाणी ने चलंत लोक अदालत के उद्देश्य पर विस्तृत जानकारी दी। प्राधिकार द्वारा निःशुल्क सहायता पाने को लेकर कई बिंदु पर चर्चा की, उन्होंने बताया कि अपने अधिकार को पाने के लिए खुद को कानूनी तौर पर मजबूत होना जरूरी है, कानून के जानकारी के अभाव में लोग समस्या में उलझे रहते हैं। उन्होंने विवादों को सुलझाने के लिए मध्यसता को अपनाने पर भी जोर दिया तथा उसके लाभ भी बताया। इस दौरान बाल विवाह, डायन प्रथा, बाल श्रम से संबंधित कानूनी अधिनियम के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। योग्य जरूरतमंद गरीब व्यक्ति को जिला विधिक सेवा प्राधिकार से मिलने वाले निःशुल्क अधिवक्ता सुविधा पर विशेष रूप से जागरूक करते हुए ग्रामीणों के समस्याओं से अवगत हुए एवं निवारण करने का भरोसा दिलाया। मौके पर पैरा लीगल वॉलिंटियर्स कार्तिक गोप गंगा सागर पाल तुष्ट रानी मण्डल इशिता उरांव निर्मल घोष दिगम्बर महतो ग्रामीण उपस्थित रहे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता, प्रमण्डल , सिमडेगा

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0 – 07/2025–26
(प्रथम आमंत्रण)

1. विभाग का नाम :– पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड।
2. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, सिमडेगा।
3. परिमाण विपत्र बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय :– 16.12..2025 के अपराहन 3.00 बजे तक
4. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 17.12.2025 को 3.00 बजे अपराह्न तक।
5. निविदा खोलने की संभावित तिथि एवं समय :– 17.12.2025 के 4.00 बजे अपराह्न।
6. निविदा परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :–कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, सिमडेगा का कार्यालय।
7. निविदा प्राप्ति का स्थान :–कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, सिमडेगा का कार्यालय।

कार्य का नाम – सिमडेगा जिला अंतर्गत 550 आँगनबाड़ी केन्द्रों में पेयजल की व्यवस्था एवं 323 आँगनबाड़ी केन्दों में शौचालय निर्माण का कार्य।

क्र0	प्रखण्ड का नाम	ग्रुप संख्या	पेयजल व्यवस्था हेतु आंगनबाड़ी केन्द्रों (AWC) की संख्या	शौचालय निर्माण हेतु आंगनबाड़ी केन्द्रों की संख्या	कुल प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य अवधि
1	कोलेबिरा	1	54	32	2253102	45500	45500	02 माह
2	जलडेगा	2	54	32	2253102	45500	45500	02 माह
3	बानो	3	54	32	2253102	45500	45500	02 माह
4	कोलेबिरा + जलडेगा + बानो	4	50	31	2134729	43000	43000	02 माह
5	ठेठईटांगर	5	60	34	2448366	49000	49000	02 माह
6	बोलबा + ठेठईटांगर	6	61	33	2433698	49000	49000	02 माह
7	सिमडेगा	7	60	34	2448366	49000	49000	02 माह
8	सिमडेगा	8	60	34	2448366	49000	49000	02 माह
9	कुरडेग	9	60	34	2448366	49000	49000	02 माह
10	सिमडेगा + कुरडेग	10	37	27	1723460	34500	34500	02 माह

नोट :–
1. संवेदक को पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड अंतर्गत निबंधन अनिवार्य है।
2. परिमाण विपत्र का मूल्य भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जारी ड्राफ्ट/बैंकर्स चेक द्वारा ही स्वीकार किये जायेंगे। ड्राफ्ट कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, सिमडेगा के पदनाम से प्रतिज्ञिप्त होना चाहिए एवं सिमडेगा शाखा में भुगतेय होना अनिवार्य है।
3. निविदा की नियम एवं शर्ते आदि कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।
4- Technical Bid में Qualify होने के बाद ही Rate Bid खोला जायेगा।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, सिमडेगा

PR 367786 Simdega(25-26)#D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,
लघु सिंचाई प्रमंडल, गुमला

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 25 वर्ष 2025–26
पत्रांक :– गुमला, दिनांक :– 05/12/2025

1. विभाग का नाम :– जल संसाधन (लघु सिंचाई) विभाग, झारखंड सरकार, राँची।
2. विज्ञापन दाता का नाम :– कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमंडल, गुमला।
3. परिमाण विपत्र की विक्री की तिथि :– 12.12.2025 से 13.12.2025 तक (03:00 बजे अपराह्न तक)
4. निविदा प्राप्त करने की तिथि एंव समय :– 15.12.20250को 03:00 बजे अपराहन् तक
5. निविदा खोलने की तिथि एंव समय :– 15.12.20250 को 3:30 बजे अपराहन्
6. परिमाण विपत्र विक्री का स्थान :– (1) कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमंडल, गुमला। (2) सहायक अभियन्ता, लघु सिंचाई अनुमंडल, गुमला।
7. निविदा प्राप्ति एंव निविदा खोलने का स्थान :– कार्यालय परिसर, लघु सिंचाई प्रमंडल, गुमला।
8. परिमाण विपत्र का मूल्य :– राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत बैंक ड्राफ्ट जों राष्ट्रीयकृत बैंक, गुमला में भुगतेय हो, मान्य होगा।
9. कार्य की विस्तृत विवरणी :–

ग्रुप सं0	योजना का नाम	प्रखंड	योजना मद का नाम	परिमाण विपत्र की राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि	निविदादाता की समुचित श्रेणी
1	Repair and Maintenance of Basudev Kona, Raidih	Raidih	पर्यटन	16,74,000.00	34,000.00	5000.00	तीन माह	श्रेणी–03

निविदा की शर्ते :– 1. बैंक ड्राफ्ट निबंधित संवेदक के स्वयं के खाता से निर्गत हुआ हो तथा बैंक ड्राफ्ट की वैद्यता अवधि निविदा की प्रकाशन की तिथि से तीन माह तक का हो, मान्य होगा ।
2. निविदा प्रपत्र बिक्री के समय संवेदक को निबंधन प्रमाण पत्र, आचरण प्रमाण पत्र एवं अद्यतन युकेन संलग्न करना अनिवार्य होगा ततपश्चात ही निविदा प्रपत्र निर्गत किया जाएगे।
3. निविदा में 10% न्युनतम दर से अधिक न्युनतम दर उद्धृत करने पर प्राक्कलित राशि का 20% अथवा 30% अतिरिक्त जमा राशि का डाकधर सावधी जमा पासबुक/बैंक द्वारा निर्गत फिक्स डिपोजिट निविदा के साथ जमा करना अनिवार्य होगा ।
4. **जो निम्न है**:– 1. 10% से 20 प्रतिशत कम दर की राशि का 20% तक।
2. 20% प्रतिशत से अधिक कम दर की राशि का 30% अतिरिक्त जमानत राशि देय होगा ।
10. निविदा से संबंधित सभी सूचना अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय के सूचनापट पर देखा जा सकता है।

E-mial ID – eemidgum@gmail.com.

कार्यपालक अभियंता,
लघु सिंचाई प्रमण्डल, गुमला

PR 367833 Minor Irrigation(25-26).D

राजभवन बनाम लोकभवन की संस्कृति

केंद्र सरकार ने भारत के सभी राजभवनों को लोकभवन कहे जाने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कई अवसरों पर गुलामी के प्रतीकों को समाप्त करने का संदेश दे चुके हैं, स्वाभाविक है इससे गहन रूप से घर कर गई वैचारिक गुलामी की मानसिकता भी धीरे- धीरे समाप्त हो जाएगी। श्रीराम जन्मभूमि पर नव निर्मित दिव्य-भव्य मंदिर के ध्वजारोहण कार्यक्रम में भी प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि आगामी 10वर्षों तक गुलामी की मानसिकता को समाप्त रकने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाएगा। इसी श्रृंखला में देश में शासन के प्रतीकों में शांत किंतु गहन व व्यापक प्रभाव डालने वाले परिवर्तन किए जा रहे हैं। सनातन हिंदू सभ्यता में नामों का विशेष महत्व है। माना जाता है कि व्यक्ति का जैसा नाम होगा उसका प्रभाव व व्यक्तित्व भी उसी प्रकार होगा। उपनिवेशकालीन शाही ठिकानों की छवि लिए राजभवनों को अब लोकभवन नाम दिया गया है। राजभवन का नामकरण लोकभवन करने का तात्पर्य है उसे लोकहितकारी बनाना। इस परिवर्तन का उद्देश्य यह भी है कि इन भवनों में निवास करने वालों को स्मरण रहे कि उनका काम शक्ति प्रदर्शन नहीं अपितु जनसेवा है। मोदी सरकार ने इसके पूर्व भी कई स्थानों के नाम बदले हैं जैसे राजपथ अब कर्तव्यपथ है। राजपथ का अर्थ है "राजा का मार्ग" जो शक्ति का प्रतीक है, वहीं कर्तव्य पथ, कर्तव्य का स्मरण कराता है। वर्ष 2016 में रेस कोर्स का नाम परिवर्तित करके इसको लोक कल्याण मार्ग किया गया। अब प्रधानमंत्री कार्यालय के नए परिसर को सेवा तीर्थ नाम दिया गया है। यह नाम बताता है कि प्रधानमंत्री कार्यालय सेवा और समर्पण की भावना का केंद्र है न कि मात्र प्रशासनिक केंद्र। इसी प्रकार केंद्रीय सचिवालय का नाम भी बदला गया है और उसे अब कर्तव्य भवन कहा जाता है। नाम परिवर्तन का उद्देश्य विचारों में परिवर्तन लाना। सभी सरकारी संस्थाएं अब सेवा और कर्तव्य की भाषा बोल रही हैं। गुजरात लोकभवन ने सोशल मीडिया में अपने चित्र साझा करते हुए लिखा है, यह परिवर्तन केवल नाम का नहीं अपितु जनसेवा की भावना को और गहराई से आत्मसात करने का संकल्प है। अब यह भवन केवल राज्यपाल का निवास नहीं नागरिकों, विद्यार्थियों , किसानों, शोधकताओं तथा सामाजिक संगठनों का भवन है। कई राज्यों के राज्यपालों ने राजभवन का नामकरण लोकभवन करने की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से नागरिकों को दी है। एक समय था जब राजभवनों का उपयोग केंद्र सरकार द्वारा राज्यों की सत्ता में अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए किया जाता था। नेहरू काल से लेकर वर्ष 2014 के पूर्व तक 94 बार राज्यपालों की शक्तियों का दुरुपयोग करके राज्य सरकारें गिराई गयीं और राष्ट्रपति शासन लगाया गया। यद्यपि अब समय बदल रहा है, राजभवन लोक भवन बन रहे हैं तथापि पंजाब, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में घोर भाजपा विरोधी सरकार हैं जिनका अपने राज्यपालों के साथ विवाद चलता रहता है। अभी हाल ही में इन राज्यों में राज्यपालों के साथ लंबित विधेयकों का प्रकरण उच्चतम न्यायालय तक पहुंच गया था। वर्ष 2014 के पूर्व तक राजभवनों में निवास करने वाले राज्यपाल की पहुंच जनता तक नहीं होती थी किंतु अब यह संभव हो गया है। बंगाल के हालात बहुत दयनीय हैं और कई बार वहां राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की गई है, केरल और तमिलनाडु की स्थिति भी अच्छी नहीं है किंतु राज्यपालों ने अत्यंत संयमित रूप से कार्य किया है। राज्यपालों ने जनता के मध्य जाकर परिस्थितियों पर नियंत्रण प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की है। नाम में क्या रखा है, कहने वाले लोग इस प्रयास का उपहास कर सकते हैं। राजभवन बनाम लोक भवन पर व्यापक वाद-विवाद भी हो सकता है किंतु जो परिवर्तन लोक भवन बने राजभवन में दिख रहे हैं उसकी प्रशंसा तो करनी ही होगी।

सूडोकु नवताल- 7635

मध्यम

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7634 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

संघ का सनातन एवं प्रकृति-दर्शनः वैश्विक चेतना का आह्वान

ललित गर्ग

भारत की सांस्कृतिक चेतना की जड़ में पंचमहाभूतों की जीवन-व्यवस्था है-भूमि, जल, अग्नि, वायु और आकाश का संतुलन ही भारतीय ज्ञान-तंत्र की आत्मा है। "भगवान" शब्द के अक्षरों में निहित पंचतत्त्वों का सार यही दशार्ता है कि भारतीय जीवन-दर्शन में भगवान कोई बाहरी सत्ता नहीं, बल्कि प्रकृति और संस्कृति का सुसंगठित योग है। यही दृष्टि सनातन कहलाती है, नित्य प्रवाहमान, पुनर्जननशील, अविनाशी। जब भारत का जीवन इसी तत्त्वदृष्टि से संचालित था, तब वह न केवल आर्थिक रूप से बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी विश्व-गुरु था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में यह विचार और भी प्रासंगिक हो उठता है कि संघ का अस्तित्व ही सनातन जीवन-शैली की पुनर्स्मृति, पुनर्रचना और पुनर्स्थापना का प्रयत्न है। संघ नेतृत्व विशेषकर सरसंघचालक श्री मोहन भागवत की दृष्टि इस मूल दर्शन की आधुनिक व्याख्या है- भारत की पहचान धर्म से है और धर्म केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि वह जीवन-शैली है, जिसमें प्रकृति, समाज, संस्कृति और आत्मा का संतुलन हो। उनकी यह बात भारत की वैदिक चेतना को वर्तमान विश्व-यथार्थ में स्थापित करती है। संघ के शताब्दी वर्ष का समय केवल एक संगठनात्मक उत्सव नहीं बल्कि भारत की सनातन जीवन पद्धति के पुनरुत्थान का क्षण है। संघ सरचालक श्री मोहन भागवत बार-बार यह कहते रहे हैं कि भारत का अस्तित्व किसी राजनीतिक ढांचे से नहीं बल्कि उसकी प्रकृति और संस्कृति के अखंड योग से बना है। भारतीय जीवन का यह सत्य पंचमहाभूतों के योग में निहित है, जिनसे सृष्टि बनी और जिनकी गति को भगवान कहा गया। मोहन भागवत का दृष्टिकोण इस सत्य को आधुनिक भाषा में समझाता है कि सनातन केवल कोई धर्म नहीं बल्कि वह जीवन-तंत्र है जो मानव और प्रकृति के संतुलन से चलता है। भारतीयता प्रकृति-पूजक है और संस्कृति को उसी प्रकृति की लय पर निर्मित करती है।

आज की दुनिया युद्ध, आतंक, प्रतिस्पर्धा और पकर्यावरणीय संकट से त्रस्त है। मानव की भूख केवल संसाधन और उपभोग तक सीमित होने से जीवन तनाव, प्रदूषण और अव्यवस्था का पर्याय बनता जा रहा है। यही पश्चिमी दुनिया की शोषणकारी दृष्टि रही जिसने प्रकृति पर नियंत्रण को प्रगति माना, जबकि भारत की दृष्टि पोषण और सहअस्तित्व की थी। मोहन भागवत कहते हैं कि भारत का मार्ग "सबका हित और सबके साथ" पर आधारित है, क्योंकि भारतीय समाज ने प्रकृति को माता माना और संस्कृति को उसका स्वरूप। यह वही दृष्टि है जिसमें धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष जीवन के चार आयाम हैं; जहां मोक्ष की चाह लालच रहित आनंद में है और जीवन को आरोग्य बनाना ही संस्कृति का प्रमुख लक्ष्य है। संघ का जीवन यही संदेश देता है कि व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और विश्व तभी स्वस्थ होंगे जब मानव प्रकृति के साथ समरस जीवन जिएगा।

आज जब राष्ट्रवाद को भौतिक शक्ति से मापा जा रहा है, तब मोहन भागवत इसके आध्यात्मिक स्वरूप को स्पष्ट करते हैं। राष्ट्र उनके लिए भू-भाग ही नहीं, बल्कि स्मृति, संस्कृति, प्रण और परंपरा का जीवंत व्यक्तित्व है। वे कहते हैं कि भारत की शक्ति उसकी विविधता और सामंजस्य में है, और सनातन इसलिए सनातन है क्योंकि वह पुनर्जननशील है; वह कभी समाप्त नहीं होता क्योंकि उसका आधार प्रकृति है। यही कारण है कि संघ की जीवन शैली में ग्राम विकास, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य आधारित आहार-विहार, चरित्र निर्माण और संतुलित व्यवहार को स्थान दिया गया। गांव, गौ-संवर्धन, हस्तशिल्प, लोक-जीवन, जैविक खेती, नदी-पुनरुद्धार, जल संरक्षण, स्वच्छता एवं आत्मनिर्भर भारत-ये नीतियां आधुनिक रूप में "भू-सांस्कृतिक मानचित्र" की पुनर्स्थापना हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय जीवन दृष्टि को आधुनिक शासन में उतारा है। योग का विश्वदिवस घोषित होना, आयुर्वेद का पुनर्धर्म, "माई लाइफ माई योगा", "पंचामृत", "लोकल टू ग्लोबल", "वोकल फॉर लोकल", जी-20 की भारतीय दर्शन आधारित थीम "वसुधैव कुटुम्बकम", मिशन लाइफ, प्राकृतिक खेती, पारंपरिक चिकित्सा मंत्रालय, मंदिरों का पुनर्जीवन, सांस्कृतिक आत्मविश्वास का उदय-ये सब उस सनातन दृष्टि के शासन रूप हैं जिसे संघ वर्षों से साधता आया है। मोदी के नेतृत्व में भारत की राजनयिक भूमिका आध्यात्मिक भाषा में उभर रही है, जहां युद्ध की भाषा की जगह सहजीवन की भाषा है, प्रतिस्पर्धा की जगह सहयोग की भूमिका है। मोहन भागवत कहते हैं कि "भारत को दुनिया में नेतृत्व अपने धर्म से मिलेगा, किसी वर्चस्व से नहीं।" यही धर्म प्रकृति और संस्कृति के संतुलन का वह सिद्धांत है जिसने भारत को दार्शनिक राष्ट्र बनाया।

आज दुनिया ग्लोबल वार्मिंग, महामारी, अकेलापन, मानसिक तनाव और युद्ध के बीच टूट रही है। पश्चिमी विज्ञान समाधान के लिए रोबोट, जीन इंजीनियरिंग या डिजिटल कृतक जीवन की ओर जा रहा है, जबकि भारतीय अध्यात्म कहता है कि समाधान भीतर है, प्रकृति के साथ है, समरस संस्कृति के साथ है। यही संघ का कथन है कि "मानव को मनुष्य बनाना ही राष्ट्र निर्माण है।" संघ का जीवन तंत्र व्यक्ति में यह भरोसा जगाता है कि वह सृष्टि से जुड़ा है, पंचमहाभूतों का अंश है, और उसका धर्म है कि वह प्रकृति और समाज दोनों का पोषण करे। संघ की शाखाओं में हर प्रार्थना "नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे" यह स्मरण दिलाती है कि भारत माता केवल प्रतीक नहीं बल्कि प्रकृति और संस्कृति का योग है, जिसे जीना ही सनातनता है। संघ के लिए सनातन केवल अतीत का गौरव नहीं, बल्कि आधुनिक मनुष्य के लिए नैतिक और सामाजित अनुशासन की ऊर्जा है। संघ स्वयंसेवक जब शाखा में प्राणायाम, सूर्यनमस्कार, योगासन और सामूहिक भाव-विन्यास करते हैं, तो वे भारतीय संस्कृति के मूल सूत्र "प्रकृति-संस्कृति योग" को साधते हैं।

मोहन भागवत यह भी कहते हैं कि भारत का मार्ग किसी पर थोपने का नहीं है बल्कि जगत को दिखाने का है कि शांति, समृद्धि और संतोष कैसे प्राप्त हो सकते हैं। उनके वक्तव्यों में स्पष्ट है कि सनातन जीवन-पद्धति "ग्रहण और उपभोग" नहीं बल्कि सहजीवन और पोषण सिखाती है। एक ओर पश्चिमी मॉडल शोषण, नियंत्रण का जीवन देता है, विज्ञान भी वहां सत्ता का औजार है; दूसरी ओर सनातन दर्शन अध्यात्म और विज्ञान को पूरक बनाता है, भौतिकी को आध्यात्मिक चेतना से संचालित करता है। यही अंतर भारत और विश्व को दिशा देता है। उनकी दृष्टि में भारत की समस्याओं का समाधान शिक्षा प्रणाली के पुनसंर्योजन में है, जिसमें ज्ञान केवल तकनीक न हो बल्कि जीवन विद्या हो। वे कहते हैं कि यदि भारत प्रकृति आधारित संस्कृति को पुनर्जीवित करेगा तो आरोग्य, आनंद और मोक्ष की दिशा में एक नई मनुष्यता जन्म लेगी। यह केवल भारत के लिए नहीं बल्कि विश्व के लिए समाधान है क्योंकि विश्व के संकट का मूल मानव और प्रकृति के बीच का विभाजन है।

आज संघ का शताब्दी वर्ष इसलिए महत्वपूर्ण है कि यह भारत के सनातन पुनरुत्थान का ऐतिहासिक मोड़ हो सकता है। संघ की जीवन शैली-साधारणता, संयम, समर्पण, समाज-धर्म, अनुशासन, सेवा और आत्मपरिष्कार, यह प्रकृति आधारित संस्कृति की आधुनिक अभिव्यक्ति है। और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शासन, संघ के जीवन तंत्र को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित करने का राजनीतिक-राजनयिक रूप है। इसलिए आज के हिंसा और युद्धग्रस्त विश्व के लिए भारत का संदेश स्पष्ट है कि समाधान हथियार से नहीं, जीवन दर्शन से होगा; विकास भौतिक उपभोग से नहीं, समरस संस्कृति से होगा; और भविष्य उस सभ्यता का है जो प्रकृति को माता और संस्कृति को सृष्टि का धर्म मानकर चलती है।

सनातन जीवन दृष्टि केवल विश्वास नहीं, बल्कि मानवता के लिए जीवंत प्रस्ताव है। संघ सरचालक मोहन भागवत का आग्रह इसी पर है कि भारत को अपने अक्षय ज्ञान पर पुनर्विश्वास करना होगा, क्योंकि वही वह शक्ति है जो संकटग्रस्त विश्व को दिशा दे सकती है। जब प्रकृति और संस्कृति का योग जीवन का आधार बनता है, तब व्यक्ति आरोग्यवान, समाज समृद्ध और राष्ट्र मोक्षपथगामी होता है। यही सनातन समृद्धि है और यही भारत का वैश्विक योगदान है, जिसकी उद्घोषणा संघ के शताब्दी वर्ष में अधिक स्पष्ट होती है कि "विश्व बंधुत्व, प्रकृति सम्मान और मोक्ष-केंद्रित जीवन, यही भविष्य की सभ्यता है।"

एंटीबायोटिक्स का मकड़जाल, सुपरबग्स का बढ़ता खतरा

प्रदीप श्रीवास्तव

किसी भी बीमारी के लिए एंटीबायोटिक्स यानी रोग प्रतिरोधी दवाएँ बहुत कारगर मानी जाती हैं। यही वजह है कि बाजार में सबसे ज्यादा एंटीबायोटिक दवाएँ बिकती हैं। हालाँकि, इनके अंधाधुंध प्रयोग से हमारे देश में "सुपरबग्स" जैसी खतरनाक स्थिति पैदा हो गई है, जहाँ दवाएँ बेअसर हो जाती हैं और सामान्य बीमारी भी जल्दी ठीक नहीं होती है। उनके इलाज पर बहुत ज्यादा खर्च करना पड़ता है। चिंता की बात यह है कि पोल्ट्री और डेयरी फार्मिंग में भी एंटीबायोटिक्स का अत्यधिक प्रयोग किया जा रहा है। नतीजतन, अगर हम खुद एंटीबायोटिक्स कम लें तो भी यह समस्या दूसरे रूप में हमें घेरे रहेगी। इसलिए सरकार ने एंटीबायोटिक्स के प्रयोग को लेकर गाइडलाइन जारी की है, जिसमें इनके इस्तेमाल को लेकर कई तरह के दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

सन 1928 में लंदन के सेंट मैरी हॉस्पिटल मेडिकल स्कूल में कार्यरत स्कॉटलैंड के वैज्ञानिक अलेक्जेंडर फ़्लेमिंग ने जीवाणुओं (बैक्टीरिया) पर शोध करते हुए एंटीबायोटिक पेनिसिलिन की खोज की। दूसरे विश्वयुद्ध में जब लाखों घायल सैनिक संक्रमण से मर रहे थे, तब पेनिसिलिन वरदान साबित हुई। इससे अनगिनत सैनिकों की जान बचाई गई। पेनिसिलिन ने चिकित्सा विज्ञान की दिशा बदल दी और इसे आधुनिक एंटीबायोटिक युग की शुरूआत माना जाता है। हालाँकि, साल 1945 के बाद से ही फ़्लेमिंग ने खुद चेतावनी दी कि एंटीबायोटिक के बहुत ज्यादा प्रयोग से प्रतिरोध पैदा होगा। यही हुआ, एंटीबायोटिक का अंधाधुंध प्रयोग शुरू हो गया, जिससे बीमारी एक बार ठीक होने बाद दोबारा होने पर उससे कई तरह की परेशानियाँ शुरू होने लगी।

अब यह समस्या और बड़ी बनने लगी है क्योंकि भारत जैसे देशों में बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक लेना, अधूरा कोर्स करना और छोटी-मोटी बीमारी में भी इसका इस्तेमाल आम बात है। ज्यादा एंटीबायोटिक के प्रयोग से हमारे शरीर के बैक्टीरिया, दवाइयों के प्रति प्रतिरोधक विकसित कर लेते है इसे एंटीमाइक्रोबियल रेज़िस्टेंस कहा जाता है और यह स्थिति "सुपरबग्स" के रूप में उभरकर सामने आती है। यानी ऐसी स्थिति जिसमें ताकतवर जीवाणु, दवाओं से नहीं मरते और उन पर साधारण एंटीबायोटिक काम नहीं करती। ऐसे में न सिर्फ मरीजों पर दवाओ का खर्च बढ़ता जाता है, बल्कि भविष्य में वह कई बीमारियों को न्योता देता है और सामान्य संक्रमण यानी खाँसी, बुखार, घाव का इन्फेक्शन होने पर इसका इलाज भी मुश्किल हो जाता है।

पहले जिन बीमारियों का इलाज 100 रुपये की दवा से हो जाता था, उनके लिए अब लाखों रुपये की नई और महँगी दवाएँ या इंजेक्शन लगते हैं। क्योंकि वह छोटी या सामान्य बीमारी पर दवाएँ बेअसर होती है, उन्हें ठीक करने के लिए कई तरह की जाँचें करानी पड़ती है और नई किस्म की दवाएँ देनी पड़ती है और मरीज को अस्पताल में ज्यादा दिन भर्ती रहना पड़ता है। बार-बार एंटीबायोटिक लेने से डायरिया, एलर्जी, त्वचा पर दाने जैसी समस्याएँ भी आने लगती हैं और लंबे समय में किडनी, लीवर और पेट पर असर पड़ता है। सबसे बड़ी बात है कि एंटीबायोटिक हानिकारक बैक्टीरिया के साथ-साथ अच्छे बैक्टीरिया को भी मार देते हैं। इससे खराब पाचन, इम्युनिटी कमजोर और बार-बार संक्रमण की समस्या हो सकती है। भारत पहले से ही एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस का हॉटस्पॉट बन चुका है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् की रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर साल लगभग 7 लाख लोग एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस से जुड़ी बीमारियों से प्रभावित होते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि अगर इस समस्या पर रोक नहीं लगी तो साल 2050 तक भारत समेत विश्व में एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस के कारण 1 करोड़ मौतें प्रति वर्ष हो सकती हैं।

भारत में एंटीबायोटिक्स का बाजार बहुत बड़ा है, क्योंकि यहाँ संक्रमण संबंधी बीमारियाँ आम हैं। 2023 में भारत में एंटीबायोटिक्स का बाजार करीब 49,000 करोड़ रुपए का था। अनुमान है कि 2024-2030 के बीच यह बाजार लगभग 6-7% चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ेगा और साल 2030 तक यह बाजार 83,000 करोड़ रुपए तक पहुँच सकता है। मालूम हो कि भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा एंटीबायोटिक उत्पादक देश है। यहाँ बनने वाले जेनेरिक एंटीबायोटिक्स का एक बड़ा हिस्सा अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका को निर्यात होता है। भारतीय फार्मा कंपनियाँ दुनिया भर के 20% से अधिक जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करती हैं।

द लैंसेट की 2022 रिपोर्ट के अनुसार भारत में प्रति व्यक्ति एंटीबायोटिक खपत दुनिया में सबसे अधिक है। अनुमान है कि हर साल भारत में लगभग 1,300 करोड़ से अधिक की खुराक एंटीबायोटिक की ली जाती हैं। इसमें से भी ग्रामीण और छोटे शहरों व कस्बों में एंटीबायोटिक का उपयोग बड़े शहरों की अपेक्षा बहुत अधिक होता है। भारत सरकार ने शेड्यूल एच-1 लागू किया है, जिसके तहत कई एंटीबायोटिक दवाएँ केवल पर्चे पर ही मिल सकती हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप प्रोग्राम को लागू किया जा रहा है ताकि दुरुपयोग कम हो, फिर भी समस्या जस की तस है।

साल 2025 में भारत की जनसंख्या लगभग 1.40 अरब है, यानी भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। देश में करीब लगभग 93 करोड़ आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है, जबकि शहरों में लगभग 50 करोड़ लोग निवास करते हैं। उसमें स्थिति देखें तो सर्दी-खाँसी-जुकाम, बुखार, डायरिया जैसी बीमारियाँ से हर साल भारत में करीब 30झ35 करोड़ से अधिक लोग प्रभावित होते हैं और लगभग 6.2 करोड़ डायबिटीज और 7.7 करोड़ हृदय रोग से पीड़ित हैं। साल 2024 तक हमारे देश में कुल पंजीकृत डॉक्टरों की संख्या लगभग 13 लाख हैं, इनमें से 10.4 लाख एलोपैथिक डॉक्टर और 4.5 लाख आयुष डाक्टर (आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी आदि) हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के अनुसार 1,000 की जनसंख्या पर कम से कम 1 डॉक्टर होना चाहिए। जबकि भारत में 1,000 की आबादी पर मात्र 0.7 डॉक्टर उपलब्ध हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में यह अनुपात और भी कम है और कई राज्यों में 1000 की आबादी पर मात्र 0.2 डाक्टर हैं।

भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी, 2023 की रिपोर्ट की माने तो देश में 1.55 लाख सब-सेंटर, 25,000 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 5,600 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैं। इनमें से लगभग 65-70% स्वास्थ्य केंद्र ग्रामीण इलाकों में स्थित हैं। भले ही देश में करीब एक लाख से ज्यादा स्वास्थ्य केंद्र ग्रामीण इलाकों में हों, लेकिन अभी भी यहाँ डाक्टरों और स्वास्थ्य केंद्रों की भारी कमी है। देश में साधारण बीमारियों से हर साल करीब 30 करोड़ लोग प्रभावित हैं, जिनका इलाज कुछ लाख डाक्टरों या स्वास्थ्य केंद्रों के भरोसे संभव नहीं है।

हालाँकि, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् और स्वास्थ्य मंत्रालय ने एंटीबायोटिक उपयोग पर नियंत्रण के लिए नई गाइडलाइन जारी की है। इसमें जोर दिया गया है कि एंटीबायोटिक केवल बैक्टीरियल संक्रमण में ही दी जाए और साधारण सर्दी-जुकाम या फ्लू में नहीं। डॉक्टर की पर्ची अनिवार्य होगी और अस्पतालों को एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप प्रोग्राम अपनाना होगा। साथ ही, दवा की अवधि को कम से कम रखने और मरीजों को पूरी जानकारी देने पर जोर दिया गया है। मालूम हो कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एंटीबायोटिक को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया है, पहला एक्सेस यानी वे एंटीबायोटिक जो सामान्य संक्रमण के लिए सुरक्षित हैं और इनका कोई ज्यादा साइड इफेक्ट नहीं है। दूसरी श्रेणी है वॉच की, इनका उपयोग सीमित परिस्थितियों में ही किया जाना चाहिए और इनके लिए निगरानी जरूरी है।

ताइवान संकट, जापान की सुरक्षा नीति और भारत के लिए बदलता इंडो-पैसिफिक समीकरण

डॉ प्रियंका सौरभ

जापान और चीन के बीच बढ़ते तनाव के केंद्र में आज ताइवान का प्रश्न है, जिसने पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शक्ति-संतुलन को नया मोड़ दे दिया है। भौगोलिक निकटता, समुद्री हितों और ऐतिहासिक संवेदनशीलताओं के कारण जापान ताइवान की स्थिरता को अपने ही राष्ट्रीय सुरक्षा हितों का विस्तार मानता है। पिछले कुछ वर्षों में चीन द्वारा ताइवान के आसपास की सैन्य गतिविधियों में तेजी- चाहे वह वायु क्षेत्र का उल्लंघन हो, मिसाइल परीक्षण हों या बड़े पैमाने पर नौसैनिक अभ्यास ने जापान की खतरा-धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। साल 2022 में चीनी मिसाइलों का जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र में गिरना इस बात का सटीक संकेत था कि ताइवान संकट सीधे जापान के भू-राजनीतिक वातावरण को प्रभावित करता है।

इसी कारण जापान ने अपनी सुरक्षा-रणनीति में अभूतपूर्व परिवर्तन किए हैं। दशकों से चले आ रहे शांतिवादी दृष्टिकोण के बावजूद उसने रक्षा-व्यय को दोगुना कर जीडीपी के 2% तक ले जाने का निर्णय लिया है। लंबे समय से निष्क्रिय पड़े सैन्य ढाँचों को पुनर्जीवित किया जा रहा है, दक्षिण-पश्चिमी द्वीपों पर नई मिसाइल तैनाती की जा रही है और अमेरिका के साथ संयुक्त संचालन क्षमता को काफी बढ़ाया गया है। जापान समझता है कि यदि ताइवान में संघर्ष उत्पन्न होता है तो चीन की आक्रामकता सेंकाकू द्वीपों और जापानी जलक्षेत्रों की ओर भी बढ़ सकती है। इसलिए उसकी पूरी सुरक्षा-दृष्टि अब ताइवान जलडमरूमध्य की स्थिरता से गहराई से जुड़ चुकी है।

यह परिवर्तन उसकी विदेश-नीति में भी स्पष्ट दिखाई देता है। पहले जहाँ जापान ताइवान मुद्दे पर खुलकर बोलने से कतराता था, आज वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बार-बार "ताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता" को अनिवार्य बता रहा है। चीन के प्रति उसका कूटनीतिक रुख कहीं अधिक सख्त हुआ है। ताइवान को लेकर जापानी प्रधानमंत्री की टिप्पणी पर चीन की धमकियों के बाद जापान द्वारा चीनी राजदूत को तलब करना इस बदलाव का प्रतीक है। साथ ही जापान अब क्वाड, आसियान देशों और यूरोपीय साझेदारों के साथ नई सुरक्षा-संरचनाएँ विकसित कर रहा है, ताकि चीन की बढ़ती सैन्य क्षमता का संतुलन बनाया जा सके।

यह संपूर्ण परिदृश्य भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत और जापान दोनों चीन की आक्रामक प्रवृत्ति से चिंतित हैं, इसलिए दोनों देशों के बीच सुरक्षा-सहयोग स्वाभाविक रूप से गहरा हो रहा है। क्वाड की सामरिक महत्ता बढ़ी है और हिंद-प्रशांत में समुद्री निगरानी, नौसैनिक अभ्यास और तकनीकी सहयोग में तेजी आई है। जापान का सैन्य आधुनिकीकरण भारत के लिए रक्षा-उद्योग, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में नए अवसर खोलता है।

परंतु चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। भारत चीन के साथ स्थिर संबंध बनाए रखना चाहता है, क्योंकि सीमा-क्षेत्र की शांति और आर्थिक सहयोग उसकी प्रत्यक्ष आवश्यकता है। किंतु चीन-जापान तनाव का बढ़ना भारत-चीन संतुलन को और जटिल बनाता है। यदि भारत जापान और अमेरिका के साथ ज्यादा निकटता दिखाता है तो चीन सीमा पर दबाव बढ़ा सकता है। दूसरी बड़ी चिंता ताइवान जलडमरूमध्य में किसी भी सैन्य संकट से जुड़ी है। भारत के लिए यह समुद्री मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण है; यहां किसी भी अस्थिरता से ऊर्जा आयात, व्यापार, इलेक्ट्रॉनिक चिप आपूर्ति और संपूर्ण समुद्री परिवहन पर भारी असर पड़ेगा। इससे भारत की आर्थिक गति और सुरक्षा व्यवस्था दोनों को जोखिम हो सकता है।

तीसरी चुनौती अमेरिका की "रणनीतिक अस्पष्टता" है। अमेरिका ने कभी स्पष्ट नहीं कहा कि ताइवान पर हमले की स्थिति में वह सैन्य हस्तक्षेप करेगा या नहीं। यह अनिश्चितता पूरे क्षेत्र को दुविधा की स्थिति में डालती है। जापान और ताइवान तो इससे चिंतित हैं ही, भारत के लिए भी यह प्रश्न महत्वपूर्ण है, क्योंकि क्वाड की वास्तविक उपयोगिता इसी पर निर्भर करती है कि अमेरिका किस हद तक निर्णायक भूमिका निभाता है। यदि अमेरिका अनिश्चित रहता है, तो चीन को क्षेत्र में और आक्रामक कदम उठाने का प्रोत्साहन मिल सकता है, जिसका असर भारत की सुरक्षा-संतुलन पर भी पड़ेगा।

इन जटिलताओं के बीच भारत के लिए अवसर भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। जापान की नई सक्रियता रक्षा-उद्योग सहयोग, समुद्री तकनीक, पनडुब्बी क्षमता और संयुक्त सैन्य अभ्यासों को नई दिशा दे सकती है। भारत और जापान मिलकर एक स्थिर और नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक की दिशा में ठोस कदम उठा सकते हैं। व्यापार-मार्गों का विविधीकरण भी भारत के लिए अनिवार्य होगा, ताकि ताइवान जलडमरूमध्य पर अत्यधिक निर्भरता कम हो सके।

अंततः ताइवान संकट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि इंडो-पैसिफिक का भविष्य अब पुराने समीकरणों पर नहीं चल सकता। जापान अपनी सुरक्षा-रणनीति को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है, चीन अपनी शक्ति का विस्तार जारी रखे हुए है और अमेरिका अपनी भूमिका को आंशिक रूप से पुनसंर्तुलित कर रहा है। ऐसे परिदृश्य में भारत को अत्यंत संतुलित, चतुर और बहुस्तरीय कूटनीति अपनानी होगी- ऐसी कूटनीति, जो न तो चीन से अनावश्यक टकराव पैदा करे और न ही जापान, अमेरिका तथा अन्य साझेदारों के साथ बढ़ते सहयोग को धीमा करे।

इंडो-पैसिफिक के बदलते समीकरण भारत के लिए चुनौतीपूर्ण भी हैं और अवसर भी। यह समय भारत की सामरिक परिपक्वता, आर्थिक शक्ति-विस्तार और निर्णायक विदेश-नीति का है। यदि भारत इन सभी पहलुओं को संतुलित रूप से साध लेता है तो वह न केवल क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन को प्रभावित करेगा बल्कि आने वाले वर्षों में इंडो-पैसिफिक के भविष्य का एक प्रमुख निर्धारक भी बनेगा।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

दैनिक पंचांग

6 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

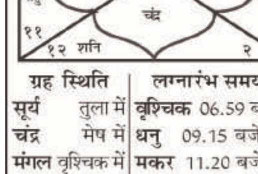

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	06.59 ब.से
चंद्र	मेष में	धनु	09.15 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	11.20 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	13.07 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.39 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	16.10 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.50 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.48 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.02 बजे से
		सिंह	00.18 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		कन्या	02.30 बजे से
		तुला	04.40 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 310 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण
तिथि प्रतिपदा 14.55 बजे को समाप्त।
नक्षत्र भरणी 06.34 बजे तदनन्तर कृत्तिका 03.28 बजे रात्र को समाप्त।
योग व्यतीपात 07.05 बजे तदनन्तर वरीयान 02.41 बजे रात्र को समाप्त।
करण कौलव 14.55 बजे तदनन्तर तैतिल 00.59 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 15.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 15° 59'
सूर्य दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872520
जूलियन दिन 2460985.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उल्लावल **तारीख** 14

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

डॉक्टर से रंगदारी मांगने और पिस्टल दिखाकर धमकाने का आरोप

रामगढ़ : मकान निर्माण रोक 2 लाख रंगदारी मांगने व दंत चिकित्सक को पिस्टल दिखा जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। कोपरेटिव कॉलोनी सेवटा निवासी डॉ. मोहित कुमार ने थाना रामगढ़ में आवेदन देकर सुनील प्रसाद और दयंत प्रसाद, दोनों निवासी सेवटा पर आरोप लगाए है। डॉ. मोहित का आरोप है कि गुरुवार को दोनों आरोपी साथियों के साथ निर्माण स्थल पर पहुंचे और हथियार के बल पर रंगदारी की मांग की।

जमीन विवाद में युवक की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

जलडेगा : प्रखंड के ओडगा ओपी थाना क्षेत्र में गुरुवार की शाम जमीन विवाद को लेकर हुई घटना में एक युवक की जान चली गई। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आवेदिका विश्वासी देवी ने 5 दिसंबर को थाना पहुंचकर आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि 4 दिसंबर की शाम करीब 6 बजे घर से थोड़ी दूरी पर चिल्लाने की आवाज सुनकर वे अपने देवर के साथ मौके पर पहुंचीं। वहाँ उन्होंने देखा कि गांव के ही भीनसेन्ट सिन्दुरिया (पिता राफैल सिन्दुरिया), ग्राम तुरूपडेगा गंझूटोली, उनके पति अजमर सिंह पर हमला कर रहा था, जिसमें उनकी मृत्यु हो गई। आवेदिका के बयान पर ओडगा ओपी थाना कांड संख्या 70/25, दिनांक 05.12.2025, धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी भीनसेन्ट सिन्दुरिया को गिरफ्तार कर लिया। प्राथमिक पूछताछ में आरोपी ने जमीन विवाद और आपसी रंजिश को घटना का कारण बताया। पुलिस आगे की जांच में जुटी है।

डीसी के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष मेडिकल कैंप किया गया

सिमडेगा : उपायुक्त सिमडेगा श्रीमती कंचन सिंह के निर्देश पर पाकरटांड़ प्रखंड के सबसे सुदूरवर्ती गांव रामलोया और भागलपुर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष मेडिकल कैंप आयोजित किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने और लोगों को बुनियादी चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लगाए गए इस शिविर में स्थानीय निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कैंप के दौरान स्वास्थ्य टीम ने कुल 24 ग्रामीणों की जांच की। जांच में बुखार, हीमोग्लोबिन, आयरन की कमी, डायबिटीज, हाई बीपी, शुगर सहित अन्य सामान्य बीमारियों की स्क्रीनिंग की गई। डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों ने प्रत्येक मरीज की स्थिति के अनुसार आवश्यक दवाइयां, कैल्शियम की गोली, आयरन एंड फोलिक एसिड,बुखार की दवा भी उपलब्ध कराईं। इसके साथ ही लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता, स्वच्छता के महत्व तथा नियमित जांच के फायदों के बारे में भी जानकारी दी गई।

बेंदोजोर में वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

सिमडेगा : सदर प्रखंड के कोचेडेगा पंचायत अंतर्गत बेंदोजोर ग्राम में स्वाधार संस्थान द्वारा वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा संचालित वित्तीय साक्षरता अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान स्वाधार संस्थान के प्रशिक्षकों ने ग्रामीण महिला एवं पुरुषों को डिजिटल बैंकिंग सेवाओं, फ्रॉड से बचने के उपाय, विभिन्न प्रकार के बैंक खातों, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, तथा सुकन्या समृद्धि योजना के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

बिना लाइसेंस दवा कारोबार पर सख्त प्रशासन छापामारी की खबर पर बंद हुई कई दवा दुकानें

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड में शुक्रवार को दवा दुकानों पर की गई औचक छापामारी के दौरान कई गंभीर खामियाँ सामने आईं। बरही एसडीओ जोहान टुडू, चौपारण अंचलअधिकारी संजय कुमार यादव तथा अस्पताल प्रभारी डी एन ठाकुर की संयुक्त टीम ने अचानक बाजार क्षेत्र में मौजूद कई दवा दुकानों का निरीक्षण किया। जांच की सूचना मिलते ही चौपारण के अधिकांश दवा दुकानदारों में हड़कंप मच गया और कई दुकानें आनन-फानन में शटर बंद कर फरार हो गए। प्रशासनिक टीम के अनुसार कुछ दुकानों में आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी नहीं पाई गई। कई दुकानों में लाइसेंस से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध नहीं थे, जबकि कुछ में नियमानुसार दवा भंडारण की व्यवस्था भी नहीं मिली। एक दुकान में टीम के पहुँचते ही कर्मचारी तेजी से दुकान बंद कर मौके से भाग निकले, जिसके बाद आसपास की दुकानों में भी अफरा-तफरी फैल गई। थानीय लोगों का कहना है कि यदि दुकानदारों के पास वैध लाइसेंस और दस्तावेज मौजूद हैं, तो फिर जांच से डरकर दुकान बंद करने की जरूरत क्यों पड़ती है, यह सवाल अब क्षेत्र में चर्चा का विषय है। सूत्रों के अनुसार चौपारण क्षेत्र में कई दुकानदार होलसेल लाइसेंस के आधार पर खुदरा दवा कारोबार कर रहे हैं। कुछ दुकानों में बिना अनुमति डॉक्टर बैठाकर क्लीनिक चलाने की शिकायतें भी प्रशासन को मिल चुकी थीं। छापामारी के दौरान इन अनियमितताओं की पुष्टि होने की बात भी सामने आ रही है। इसी बीच छापामारी अभियान की खबर फैलते ही चौपारण स्थित एक नामी-गिरामी निजी अस्पताल भी अचानक बंद पाया गया। जिसके जिम्मेदार भी मौके से गायब मिले। प्रशासन ने आगे भी ऐसे निरीक्षण जारी रखने की बात कही है, ताकि बिना लाइसेंस, गलत तरीके से संचालित दवा दुकानों और अवैध क्लीनिकों पर लगाम लगाई जा सके। प्रशासनिक टीम ने चेतावनी दी है कि जल्द ही सभी दवा दुकानदारों से दस्तावेजों की जांच की जाएगी, और अनियमित पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

7.80 लाख की साइबर ठगी का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : दिनांक-03.09.2025 को आवेदक जवाहर लाल उम्र 60 वर्ष पे० स्व० गणपत प्रसाद वर्तमान पता क्वार्टर नम्बर-598/सी०डी० स्टीम कॉलोनी पतरातु थाना-पतरातु जिला रामगढ़ के द्वारा साईबर अपराध थाना, रामगढ़ में साईबर गिरोह द्वारा 7,80,000/- (सात लाख अस्सी हजार रूपया) का इनके एस०बी०आई बैंक खाता से अवैध निकासी कर लिए जाने के संबंध में साईबर थाना काण्ड सं0-08/2025 दिनांक-03.09.2025 धारा-66 (सी)/ 66 (डी) आईटी अधिनियम एवं 111 (2) (बी) /111 (4)/ 319(2) /318(4)/316(2) बीएनएस दर्ज किया गया। अजय कुमार (भा०पु०से०), पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ के द्वारा काण्ड की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपाधीक्षक (मु०) सह थाना प्रभारी साईबर अपराध थाना, रामगढ के नेतृत्व में SIT का गठन किया गया। गठित SIT टीम के द्वारा तकनीकी साक्ष्य के आधार पर अग्रतर अनुसंधान करते हुए देवघर जिला के ग्राम बांदर वासा पो०-बाघमारी थाना देवीपुर में छापामारी किया गया, जिसमें एक व्यक्ति जोगेन्द्र राणा, पे० स्व० झगरू राणा, ग्राम-बांदर वासा, पो०-बाघमारी, थाना-देवीपुर, जिला-देवघर को गिरफ्तार किया गया, जिनके पास से पैन कार्ड एवं साईबर फॉड में इश्तेमाल किया गया मोबाईल बरामद किया गया। पूछताछ के क्रम में इनके द्वारा साईबर फॉड करने की बात को स्वीकार किया गया, जिसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

जिला कृषि कार्यालय एवं कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा विश्व मृदा दिवस पर कार्यक्रम हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : विश्व मृदा दिवस के अवसर पर बानो ब्लॉक के बिन्तुका ग्राम में जिला कृषि कार्यालय एवं कृषि विज्ञान केंद्र बानो द्वारा संयुक्त रूप से कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य किसानों को मिट्टी संरक्षण, मृदा-परीक्षण, जैविक खाद के उपयोग और टिकाऊ कृषि पद्धतियों के महत्व से अवगत कराना था, ताकि वे बेहतर उत्पादन के साथ भूमि की उर्वरता भी बनाए रख सकें। कार्यक्रम में जिला कृषि पदाधिकारी माधुरी टोप्पों ने किसानों को अवगत कराया की। इस वर्ष मृदा दिवस का थीम हेल्दी सॉइल हेल्दी सिटी रखा गया है। साथ ही मृदा स्वास्थ्य कार्ड, मृदा विश्लेषण और खेतों में जैविक तत्वों के प्रयोग की आवश्यकता पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वस्थ मिट्टी ही बेहतर फसल और आय का आधार होती है। कृषि विज्ञान केन्द्र बानों के वरीय वैज्ञानिक सनद सवैया ने किसानों को प्राकृतिक खेती, रसायनों के संतुलित उपयोग और पर्यावरण के अनुकूल तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक सुनील समद ने कार्बन उत्सर्जन में कमी, कार्बन क्रेडिट की उपयोगिता और मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर ग्रामीणों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि सतत खेती न केवल पर्यावरण को सुरक्षित रखती है, बल्कि किसानों को दीर्घकालिक आर्थिक लाभ भी प्रदान करती है। यह कार्यक्रम किसानों में मिट्टी संरक्षण और सतत कृषि के प्रति सकारात्मक जागरूकता फैलाने में सफल रहा। कार्यक्रम के दौरान 15 किसानों के बीच मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में बानो प्रखण्ड के प्रखण्ड स्तरीय कर्मी/किसान मित्र/उद्यान मित्र, के0भी0के0 बानों0 के कर्मी एवं बिन्तुका गांव के किसान उपस्थित थें।

14 दिसंबर को रामगढ़ जिला टाउन हॉल में होगा पर्पल फेयर का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अंतर्गत आगामी चौदह दिसंबर को रामगढ़ जिला टाउन हॉल में आयोजित पर्पल फेयर के सम्बन्ध में रामगढ़ जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला समाज कल्याण पदाधिकारी इंदु प्रभा खलखो ने की। बैठक के दौरान मुख्य रूप से समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केन्द्र, रांची के निदेशक सूर्यमणि प्रसाद, पुनर्वास अधिकारी बसंत कुमार प्रधान उपस्थित रहे। बैठक के दौरान विभिन्न संस्थाओं के दर्जनों लोग उपस्थित रहे। सीआरसी निदेशक सूर्यमणि प्रसाद ने बताया कि दिव्यांगजनो को सशक्त बनाने के मकसद एवं उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए पर्पल फेयर का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के दौरान सांस्कृतिक एवं खेलकूद कार्यक्रम, सहायक उपकरणों का वितरण, सरकारी योजनाओं का प्रदर्शनी, दिव्यांग कला गैलरी, प्रतिभा प्रदर्शन एवं खुला मंच, संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी, दिव्यांग उद्यमियों द्वारा निर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी एवं बिक्री सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध रहेगी। निदेशक सूर्यमणि प्रसाद ने कहा कि पर्पल फेयर के दौरान यूडीआईडी कार्ड की रजिस्ट्रेशन करने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। वही बैठक की अध्यक्षता कर रही जिला समाज कल्याण पदाधिकारी इंदु प्रभा खलको ने जिले के विभिन्न प्रखंडों के दिव्यांगजनों को उपस्थित होकर सुविधा का लाभ लेने का आह्वान किया।

राजेन्द्र मांझी को पुलिसमैन ऑफ द वीक पुरस्कार से किया गया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा, सिमडेगा जिला में उत्कृष्ट टर्न आउट, कर्त्तव्य परायणता एवं सकारात्मक (नैतिक) सोच वाले पुलिस कर्मियों को पुरस्कृत करने एवं उनके मनोबल को बढाने हेतु पुलिसमैन ऑफ द वीकः सिमडेगा पुलिस पुरस्कार का आरंभ किया गया है, जिसके तहत प्रत्येक सप्ताह सर्वश्रेष्ठ पुलिस कर्मियों (आरक्षी से लेकर सहायक अवर निरीक्षक संवर्ग के पुलिस कर्मी/पुलिस पदाधिकारी) का चयन कर अपने बेहतर ड्यूटी एवं बेस्ट टर्नआउट के लिए पुरस्कृत किया जाता है, और उसकी तस्वीर पूरे सप्ताह थाना/ओ0पी0/प्रतिष्ठान के सूचना पट में लगा रहेगा। इससे पुलिस कमीर्यों/पदाधिकारियों में अपनी ड्यूटी पूरी लगनता एवं कुशलता के साथ करने हेतु प्रोत्साहन मिलेगी और उनका मनोबल बना रहेगा। इसी कड़ी में इस सप्ताह आज दिनांक-05/12/25 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय सिमडेगा (स्टीक ड्यूटी) में प्रतिनियुक्त सहायक पुलिस/13, राजेन्द्र मांझी को माह नवम्बर -2025 के चतुर्थ सप्ताह में अपने उत्कृष्ट टर्न आउट, कर्त्तव्य परायणता एवं सकारात्मक सोच के लिए पुलिसमैन ऑफ द वीकः सिमडेगा पुलिस पुरस्कार से पुरस्कृत एंव सम्मानित किया जाता है। उक्त पुलिसकर्मी के द्वारा अपनी ड्यूटी पूरी लगन और कुशलता के साथ किया जाता है।

बुद्ध की शांति और विष्णु के पालनकर्ता का भाव, बिहार में एनडीए की ऐतिहासिक जीत : डॉ. यदुनाथ पांडेय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुजू : बिहार के चुनाव परिणामों में मिले ऐतिहासिक जीत को झारखंड भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सह हजारीबाग के पूर्व सांसद डॉ यदुनाथ पांडेय ने बुद्ध की शांति और भगवान विष्णु के पालनकर्ता भाव से जोड़ा है। कहा कि बिहार की जनता ने एक बार अराजक राजनीति नहीं, बल्कि संतुलित शासन, सामाजिक सद्भाव और प्रगतिशील सोच की हिमायती सोच को दशार्या है। यह देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अगाध सम्मान का परिचायक है। कहा अब बारी बंगाल में भी राजनीतिक स्वच्छता को स्थापित करने की है। वे हजारीबाग से रामगढ़ जाने के क्रम में कुजू के मुरपा बस्ती में शंभुलाल ठाकुर के आवास पर पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। डॉ पांडेय ने बताया कि यह परिणाम बिहारियत, लोकतांत्रिक परिपक्वता और विकास में विश्वास रखने वाले आमजन की जीत है। बिहार के इतिहास, संस्कृति और वैचारिक विरासत का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जिस धरती ने दुनिया को अहिंसा, करुणा और लोककल्याण का संदेश दिया, वही धरती आज राष्ट्र को राजनीतिक मयार्दा और स्थिर नेतृत्व का संकेत भी दे रही है। कहा कि एनडीए की जीत सिर्फ सत्ता पुनर्प्राप्ति का संकेत नहीं, बल्कि विकासपरक सोच की स्वीकृति है। यह जीत उन गरीब परिवारों, किसानों, युवा वर्ग, मातृशक्ति और मेहनतकश जनता की है, जिन्होंने कठिन समय में भी विश्वास बनाए रखा और विकास की निरंतरता के पक्ष में मतदान किया।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आने वाला समय बिहार के लिए निर्णायक विकास यात्रा का होगा, जहां शासन का केंद्र बिंदु जनविश्वास, शांति, प्रगति और सामाजिक समरसता रहेगा। बिहार ने एक बार फिर अपने विवेकपूर्ण निर्णय से राष्ट्र को मार्ग दिखाया है। मौके पर उमेश चंद्र पटेल, रघुनंदन ठाकुर, शंभुलाल ठाकुर, सुधान सिंह, कुंदन कुमार समेत अन्य कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

जेंडर अभियान 4.0 के तहत रामगढ़ जिले के विभिन्न प्रखंडों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

रामगढ़ : ग्रामीण विकास विभाग के निदेर्शानुसार झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी द्वारा संचालित जेंडर अभियान 4.0 के तहत रामगढ़ जिले के विभिन्न प्रखंडों में समूह, ग्राम संगठन एवं क्लस्टर स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रमों में जेंडर समानता, महिलाओं के अधिकार, बालिका शिक्षा, घरेलू हिंसा की रोकथाम, समाज में महिलाओं की नेतृत्व भूमिका, और लैंगिक भेदभाव समाप्त करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। प्रतिभागियों को खेल, समूह चर्चा, पोस्टर संदेश, प्रश्नोत्तर और संवाद सत्रों के माध्यम से जेंडर संवेदनशीलता की ओर प्रेरित किया गया। अंत में सभी प्रतिभागियों को समानता, सम्मान और सहयोग के साथ समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की शपथ दिलाई गई। महिलाओं ने इस अभियान को आत्मविश्वास बढ़ाने, अपने अधिकारों की पहचान और सामाजिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने वाला कदम बताया। अभियान से जुड़े अधिकारियों ने कहा कि जेंडर अभियान 4.0 का उद्देश्य ग्रामीण समुदायों में सोच और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाकर महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और निर्णयझक्षमता की भूमिका में सशक्त बनाना है। कार्यक्रम में महिला समूह की बड़ी संख्या में दीदियाँ, जेंडर सीआरपी, बैंक सखी, सामुदायिक प्रतिनिधि और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। सभी ने इस पहल को महिला सशक्तिकरण की दिशा में सराहनीय प्रयास बताया।

दो दिनों के भीतर जलमीनार की मरम्मत कराकर पुनः चालु करवा दिया जाएगा : दीपक लकड़ा

ठेठईटांगर : प्रखंड अंतर्गत कोनपाला पंचायत के जामटाड़ गांव में मुख्यमंत्री जलनल योजना अंतर्गत अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति बहुमूल्य टोलों में सोलर आधारित पाइप जलापूर्ति योजना 2019-20 बना जलमीनार खराब हो गया हैं जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस गंभीर समस्या की जानकारी ग्रामीणों ने कई बड़े नेता को भी जानकारी दिए है लेकिन किसी ने आज तक खराब जलमीनार को बनवाने का पहल नहीं किया। इस बार ग्रामीणों ने पूर्व उप मुखिया सह समाज सेवी दीपक लकड़ा को दी। ग्रामीणों की सूचना पर तत्काल संज्ञान लेते हुए समाज सेवी दीपक लकड़ा जामटाड़ गांव पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। मौके पर उपस्थित ग्रामीणों से बातचीत करते हुए उन्होंने भरोसा दिलाया कि दो दिनों के भीतर जलमीनार की मरम्मत कराकर पुन: चालू करवा दिया जाएगा, ताकि गांव के लोगों को शुद्ध पेयजल की सुविधा मिलती रहे। इस अवसर पर दीपक लकड़ा ने कहा कि, ग्रामीणों की मूलभूत सुविधाएं हमारी प्राथमिकता हैं। जल जैसी जरूरी समस्या को किसी भी हाल में नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। जिम्मेदार विभाग को भी इसकी सूचना दी जाएगी। ग्रामीणों ने समाज सेवी दीपक लकड़ा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि जल्द ही जलमीनार ठीक होकर गांव में पानी की समस्या का समाधान होगा।

बाल विवाह के खिलाफ 100 दिवसीय अभियान कल्याण निकेतन ने सफलता के लिए दोहराया संकल्प

सिमडेगा : बाल विवाह मुक्त भारत के लिए सरकार के 100 दिवसीय अभियान में कंधे से कंधा मिलाकर काम करेगा छोटानागपुर कल्याण निकेतन भारत को 2030 तक बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए केंद्र सरकार के दृढ़ निश्चय और बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के एक साल पूरे होने के मौके पर छोटानागपुर कल्याण निकेतन ने प्रियंका सिन्हा से बाल विवाह के खात्मे के लिए शुरू हुए 100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए सभी सरकारी विभागों व एजेंसियों के साथ करीबी समन्वय से काम करने का संकल्प दोहराया। छोटानागपुर कल्याण निकेतन जिले में अर्से से बाल विवाह के खात्मे के लिए जमीन पर काम कर रहा है। केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के एक साल पूरा होने के अवसर पर नई दिल्ली में इस ह्य100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान की शुरूआत की। इस अभियान का उद्देश्य उस पूरे परिवेश को ध्वस्त करना है जो बाल विवाह के फलने-फूलने में मदद करते हैं। इन प्रयासों में मिली सफलता को रेखांकित करते हुए हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा कि स्पष्ट नीतियों, लगातार की जा रही कारवाईयों और गांव-गांव तक पहुंच रहे प्रयासों की बदौलत भारत बाल विवाह को पूरी तरह खत्म करने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। केंद्र ने अधिसूचना जारी कर सभी राज्य सरकारों से कहा है कि वे इस ह्य100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान को सफल बनाने के लिए हरसंभव प्रयास करें ताकि बाल विवाह मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में जनसमुदाय में चौतरफा और स्पष्ट बदलाव देखने को मिले। अधिसूचना के बाद राज्य सरकार ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, पंचायती राज मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग और उच्च शिक्षा विभाग को इस अभियान में सक्रिय भागीदारी करने के निर्देश दिए हैं ताकि लक्षित उद्देश्यों को हासिल किया जा सके। जिले में बाल विवाह रोकने के लिए राज्य सरकार और जिला प्रशासन के लगातार सहयोग और विभिन्न कदमों की सराहना करते हुए छोटानागपुर कल्याण निकेतन के प्रियंका सिन्हा ने कहा, जिला प्रशासन बाल विवाह के खात्मे की दिशा में बढ़-चढ़ कर प्रयास कर रहा है।

मास्टर ट्रेनर का किया गया एक दिवसीय प्रशिक्षण

सिमडेगा : शिक्षा विभाग और कैवल्या एजुकेशन फाउंडेशन (पिरामल फाउंडेशन) के संयुक्त तत्वाधान मे एक दिवसीय सिमडेगा जिले के चिन्हित 40 मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें एफ एन एल और शिक्षा में टेक्नोलॉजी नवाचार को जोड़ने हेतु न्यू यॉर्क विश्वविद्यालय और पिरामल फाउंडेशन के द्वारा बनाये गये टिप्पस टूल के विषय मे विस्तार से बताया गया, ए डी पी ओ मैम गायत्री साहू ने अपने उद्बोधन मे कहा की प्रशिक्षण तभी सफलिभूत होगा जब यहा बताई गयी विषय क्लास रूम के बच्चों तक पहुंचे। इस कार्यशाला के दौरान ए डी पी ओ, एन आई एल पी की आर पी, पिरामल फाउंडेशन से स्टेट कार्यक्रम प्रबंधक संजीव जैन, जिला कार्यक्रम प्रबंधक विकास शर्मा, प्रोग्राम लीडर अमित चतुर्वेदी, सौमेन साहू अजित मिश्रा, गांधी फेलो चंद्र मोहन पाण्डेय, रवीना, सोनू मिश्रा, विक्की कुमार उपस्थित रहे।

एक नजर

बिहार के शिक्षक की साहिबगंज में सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत गुरुवार की रात लगभग 9 बजे आजाद नगर में एक दर्दनाक सड़क हादसे में बिहार के शिक्षक की मौत हो गई। मृतक की पहचान चंद्रदीप मंडल के रूप में हुई है। वे बिहार के भागलपुर जिले के पीरपैंती प्रखंड अंतर्गत सलेमपुर विद्यालय में पदस्थापित थे। चंद्रदीप मंडल अपने रिश्तेदार के शादी समारोह में भोज खाने के लिए पैदल ही जा रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने उन्हें कुचल दिया। हादसे के बाद जिरवाबाड़ी थाना की गश्ती टीम उन्हें गंभीर अवस्था में सदर अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हनुमान नगर में परिवार के साथ रहते थे परिजनों ने बताया कि हादसे की सूचना उन्हें पुलिस द्वारा दी गई, जिसके बाद वे सभी अस्पताल पहुंचे। मृतक शिक्षक चंद्रदीप मंडल मूल रूप से साहिबगंज सदर प्रखंड के भौलिया टोली के निवासी थे और वर्तमान में नगर भवन के पीछे हनुमान नगर में परिवार के साथ रह रहे थे।परिजनों के अनुसार, चंद्रदीप मंडल अपने पीछे एक पुत्र व दो पुत्रियां छोड़ गए हैं। इनमें एक पुत्री की शादी की तैयारी चल रही थी। इधर, पुलिस ने पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

प्रखंड सभागार में लंबित आवास योजना को लेकर समीक्षा बैठक हुई आयोजित

साहिबगंज: जिला के उधवा प्रखंड कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को प्रभारी आवास नोडल संदीप कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में पीएम आवास व अबुआ आवास योजना को लेकर साप्ताहिक समीक्षा बैठक किया गया। इस दौरान नोडल संदीप कुमार गुप्ता ने विभिन्न पंचायत के आवास कर्मियों से लंबित आवास को लेकर समीक्षा किए। वहीं सभी कर्मियों को निर्देश देते हुए कहा कि जल्द से जल्द दिए गए लक्ष्य को समयानुसार पूर्ण करे। मौके पर जनसेवक ओमप्रकाश साहा सहित अन्य मौजूद थे।

ऑटो-पिकअप की जोरदार टक्कर, एक महिला की मौत

धनबाद: जिले में हुए सड़क हादसे में बिहार के नवादा जिले की रहने वाली प्रमिला देवी (46) की मौत हो गई। घटना कोलाकुसमा के पास शुक्रवार सुबह की है। जानकारी के अनुसार प्रमिला देवी अपने पति साजन कुमार सिंह और पोते के साथ जिले के भुइफोड़ मंदिर के पास से ऑटो लेकर स्टेशन के लिए निकली थीं, ताकि वे सुबह की ट्रेन पकड़कर अपने घर नवादा लौट सकें। तीनों लोग दो दिन पहले अपनी बेटी से मिलने धनबाद आए थे और शुक्रवार को वापसी कर रहे थे। इसी दौरान कोलाकुसमा के समीप पिकअप वैन और ऑटो में जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो पलट गया और जिस तरफ प्रमिला देवी बैठी थीं, उसी तरफ ऑटो का वजन हो गया। इससे उनके चेहरे और सिर पर गंभीर चोटें आईं। ऑटो में लगभग 5 से 6 लोग सवार थे, जिनमें अधिकांश को हल्की चोटें आईं, लेकिन प्रमिला देवी की स्थिति बेहद गंभीर हो गई। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। प्रमिला देवी को आनन-फानन में एसएनएमएमसीएच धनबाद लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

डीसी की अध्यक्षता में एसआईआर एवं बूथ लेवल एजेंट को लेकर हुई महत्वपूर्ण बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-डीसी हेमंत सती की अध्यक्षता में आज कार्यालय प्रकोष्ठ, साहिबगंज में एसआईआर एवं बूथ लेवल एजेंट से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए। डीसी ने बैठक की शुरूआत में स्पष्ट किया कि यह बैठक आगामी निर्वाचन अभ्यास के क्रम में होने वाले एसआईआर की प्रक्रिया को समझाने और उससे संबंधित किसी भी प्रकार की भ्रांति को दूर करने हेतु आयोजित की गई है। क्या है एसआईआर और क्यों है महत्वपूर्ण डीसी ने जानकारी दी कि एसआईआर एक विशेष समेकित पुनरीक्षण प्रक्रिया है, जो सामान्य स्पेशल समरी रिवीजन से

अलग है।

एसआईआर के तहत–
साल 2003 की मतदाता सूची में दर्ज नाम, और उपलब्ध 12 विभिन्न प्रकार के सरकारी दस्तावेज के आधार पर पात्र मतदाताओं की पहचान की जाती है। इसका मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करना, संदिग्ध प्रविष्टियों की जाँच करना, तथा पात्र नागरिकों को सही रूप से मतदाता सूची में शामिल करना है। बीएलए की भूमिका पर दिया गया जोर बैठक के दौरान जिला प्रशासन द्वारा राजनीतिक दलों को निर्देश दिया गया कि वे प्रत्येक बूथ पर अपने बूथ लेवल एजेंट को नामित करें। डीसी ने कहा कि बीएलए की सक्रिय भागीदारी से एसआईआर कार्य में पारदर्शिता बढ़ेगी तथा किसी भी प्रकार की गलतफहमी और समस्या से बचा जा सकेगा। प्रक्रिया को समझने और सहयोग की अपील

डीसी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा—
मतदाता सूची की शुद्धता लोकतांत्रिक प्रक्रिया की नींव है, और एसआईआर के माध्यम से हम इसे और अधिक सटीक बनाने की दिशा में कार्यरत हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन की प्राथमिकता है कि सभी दल एसआईआर की प्रक्रिया को सही तरीके से समझें और इस कार्य में सहयोग दें। समय पर बीएलए सूची उपलब्ध कराने का निर्देश बैठक के अंत में डीसी ने सभी राजनीतिक दलों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने बूथ लेवल एजेंटों की सूची समय पर उपलब्ध कराएँ, ताकि एसआईआर प्रक्रिया सुचारू रूप से और समय पर संचालित हो सके। बैठक में उपर समाहर्ता गौतम भगत, उपनिर्वाचक पदाधिकारी सुनीता किस्कू जिला पंचायती राज पदाधिकारी अनिल कुमार एवं सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

इंटर्नशिप व प्रोजेक्ट वर्क के लिए कॉलेज में कमेटी का गठन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : कॉलेज सभागार में शुक्रवार को प्राचार्य एसआरआई रिजीव की अध्यक्षता में बैठक हुई। इस दौरान साहिबगंज कॉलेज में यूनिवर्सिटी के गाइडलाइन का पूर्णता पालन करने, पठन-पाठन व्यवस्था सुचारू रूप से चलाने, एनईपी-2020 के तहत यूजी सेमेस्टर 5 के बच्चों के लिए इंटर्नशिप व प्रोजेक्ट वर्क अच्छे ढंग से कराने, छात्रों की उपस्थिति 75 फीसद कराने को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान इंटर्नशिप व प्रोजेक्ट वर्क के लिए प्रचार्य प्रोफेसर एसआरआइ रिजवी की अध्यक्षता में कमिटी का गठन किया गया। छह सदस्यीय कमेटी में डॉ. चंद्रशेखर प्रसाद, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. एसके सिंह, डॉ. एसके साहू, कोमल कुमारी, डॉ समय विक्टर मरांडी शामिल हैं।

एचडीएफसी बैंक द्वारा रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : शहर स्थित एचडीएफसी बैंक प्रबंधन के द्वारा एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन सिविल सर्जन साहिबगंज एवं बैंक के शाखा प्रबंधक द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। सिविल सर्जन साहिबगंज ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ समाज के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। रक्तदान मानवता की सेवा है–जिससे अनेक जीवन बचाए जा सकते हैं। भविष्य में भी ऐसे आयोजन करने के लिए बैंक को प्रोत्साहित किया। शिविर में कुल 08 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। भारतीय रेल, साहिबगंज द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर का निरीक्षण सिविल सर्जन साहिबगंज ने साहिबगंज रेलवे

स्टेशन परिसर में आयोजित एक अन्य रक्तदान शिविर का निरीक्षण किया। यह शिविर पूर्वी रेलवे द्वारा आयोजित किया गया था। शिविर का संचालन निम्न अधिकारियों के मार्गदर्शन में हुआः पवन कुमार सिंह, एएमई/एसबीजी/ईस्टर्न रेलवे गुरुदेव प्रसाद साह, एसएसई(आई सी)/सी एंड डब्ल्यू/ साहिबगंज ईस्टर्न रेलवे निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन ने रेलवे प्रबंधन को धन्यवाद देते हुए कहा कि रेलवे जैसे बड़े संस्थान का आगे आना अत्यंत सराहनीय है। ऐसे आयोजन जिले में रक्त उपलब्धता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सभी रक्तदाताओं को उन्होंने प्रोत्साहित किया एवं निरंतर ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन का आग्रह किया।इस शिविर में कुल 15 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया।

झारखंड राज्य भाषा साहित्य अकादमी की संयुक्त बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला भूतपूर्व सैनिक संघ एवं झारखंड राज्य भाषा साहित्य अकादमी की संयुक्त बैठक प्रगति भवन के सभागार में हुई। जिसकी अध्यक्षता जिला भूतपूर्व सैनिक संघ के संरक्षक सूबेदार मेजर नागेंद्र नाथ शाह ने किया। बैठक के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए झारखंड राज्य भाषा साहित्य अकादमी के सचिव डॉक्टर सच्चिदानंद ने कहा कि समाज की बेहतरीन एवं सहयोग के लिए व्यापक स्तर पर मिलकर काम करने की जरूरत है। पूर्व जिला सैनिक साहिबगंज एवं झारखंड राज्य भाषा साहित्यकार ने मिलकर इस काम को आगे बढ़ाएंगे। इसके तहत गोष्ठियों का आयोजन, पर्यावरण संरक्षण,जल एवं जलीय जीव के संरक्षण के लिए "जल मंच" के माध्यम से आमजन को संवेदनशील

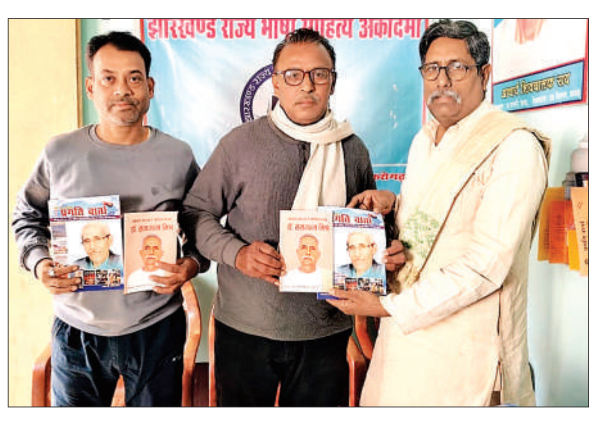

एवं जागरुक करने का काम किया जाएगा। इसके लिए विस्तृत कार्य योजना तैयार की जाएगी। आगामी 10 दिसंबर को मानवाधिकार दिवस, 20 दिसंबर को भिखारी ठाकुर जयंती, 2 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा दिवस एवं 30 जनवरी 2026 को पराक्रम दिवस मनाने पर सहमति बनी। सूबेदार गौतम कुमार गिरि ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन, जंगल बचाने, जल एवं जलीय जीवों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए "जल मंच" किया जायेगा। आगे गिरी ने कहा कि मानवाधिकार दिवस के अवसर संगोष्ठी "मानवाधिकार सभी के लिए सामाजिक सेवा एवं गरिमा" विषायक होगी। इस अवसर पर मानव अधिकारों और मानवीय गरिमा की रक्षा का काम करने वाले विशिष्ट जनों एवं संस्थानों को सम्मानित किया जाएगा। शिक्षक, चिकित्सा, पुलिसकर्मी, विभिन्न संस्थाओं के सदस्य, पत्रकार एवं साहित्यकार को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए चयन समिति का गठन किया गया है। चयन समिति के संयोजक डॉ सच्चिदानंद, सदस्य मेजर सूबेदार नागेंद्र नाथ साह, साहित्यकार अनिरुद्ध प्रभास सदस्य होंगे। प्राप्त नाम पर अंतिम निर्णय 7 दिसंबर की बैठक में लिया जाएगा। कार्यक्रम एनआर सेंटर विद्यालय के सभागार में 10 दिसंबर को 2:00 बजे दिन में होगा। इस अवसर पर चेतन कुमार, सरिता मिश्रा ,विमल मुर्मू ,नकुल मिश्र, अनुपमा शुक्ला, उपेंद्र राय, हेमंत कुमार उपस्थित थे।

नाबालिग के अपहरण मामले में आरोपित गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम: जिले के बहरागोड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत नाबालिग के अपहरण मामले में बड़शोल पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपित गिरफ्तार कर शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थाना कांड संख्या 35/25 से संबंधित इस मामले में पुलिस पिछले दो दिनों से लगातार छापेमारी कर रही थी। पुलिस के अनुसार, अपहरण की सूचना मिलते ही बड़शोल थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी निगरानी और गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने आरोपित की लोकेशन ट्रैक की और दारीसोल फ्लाईओवर के पास से उसे दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान सनातन हांसदा के रूप में हुई है, जो ओडिशा के मयूरभंज जिले के बारीपदा थाना अंतर्गत रानीसोल गांव का निवासी है। प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस को पता चला है कि आरोपित नाबालिग से पहले से परिचित था और उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था।

रोजगार से वंचित ग्रामीणों ने बैठक कर सेल प्रबंधन को दी आंदोलन की चेतावनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : जिले के ठाकुरा गांव में गुवा सेल खदान प्रबंधन के प्रति वर्षों से पनप रहा असंतोष अब खुली चेतावनी में बदल गया है। शुक्रवार को झारखंड मजदूर संघर्ष संघ यूनियन के बैनर तले आयोजित बैठक में ग्रामीणों ने एक स्वर में ऐलान किया कि अब सेल प्रबंधन की अनदेखी और झूठे वादों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता समाजसेवी प्रशांत चाम्पिया ने की। बैठक में कहा गया कि सेल की ओर से यदि वादों पर अमल नहीं हुआ तो वे उग्र आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेंगे। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सेल प्रबंधन ने ठाकुरा गांव के 500 बेरोजगार युवाओं को ठेका मजदूर

के रूप में बहाल करने का लिखित वादा किया था, लेकिन आज तक एक भी युवक को रोजगार नहीं मिला। खदान शुरू होने के बाद जहां स्थानीय लोगों ने रोजगार मिलने और क्षेत्र में विकास होने की उम्मीद लगाई थी, वहीं वास्तविकता बिलकुल उलट साबित हो रही है। खदानों से खनिज तो निकल रहा है, पर काम बाहरी लोगों को दिया जा रहा है। इससे युवाओं में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि हमारी जमीन से संसाधन निकाले जा रहे हैं, मगर हमें ही रोजगार से वंचित किया जा रहा है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि सीएसआर मद में होने वाले सभी वादे केवल कागजों पर सीमित रह गए हैं। गांव में पेयजल आपूर्ति ठप है, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं बंद पड़ी हैं और शिक्षा संस्थानों के लिए कोई सहयोग नहीं मिल रहा है। स्थानीय समिति को कोई भी सिविल या ट्रांसपोर्टिंग कार्य नहीं दिया जा रहा है, जिससे गांव की आर्थिक स्थिति और बदतर होती जा रही है। बैठक में प्रशांत चाम्पिया के साथ रामा पांडे, रितेश पाणीग्राही, बबलू चाम्पिया, सपना चाम्पिया और सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान साहिबगंज में विद्यार्थियों को वायु सेना में करियर बनाने हेतु दिए गए टिप्स

साहिबगंज : औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान साहिबगंज में भारतीय वायु सेना में करियर बनाने हेतु इच्छुक छात्रों के लिए विशेष करियर काउंसेलिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर की गई। कार्यक्रम के दौरान इंडियन एयर फोर्स के अधिकारीगण प्रवीण कुमार द्विवेदी एवं किरण नेवार के द्वारा छात्रों को भारतीय वायु सेना जैसे प्रतिष्ठित बल में शामिल होकर देश और परिवार का नाम रोशन करने की अपील की गई ।कार्यक्रम के दौरान उन्होंने ऑफिसर और नॉन-ऑफिसर दोनों स्तरों पर भर्ती प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने एनडीए, सीडीएस, एएफसीएटी, एसटीएआर और अग्निवीर परीक्षाओं के पात्रता मापदंड, चयन प्रक्रिया और एसएसबी इंटरव्यू की विभिन्न चरणों को विस्तार से समझाया। सत्र के दौरान उन्होंने छात्रों से सवाल-जवाब कर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया साथ ही उनकी समझ को परखा। कार्यक्रम में वायुसेना में करियर संभावनाओं पर चर्चा करते हुए छात्रों में नया आत्मविश्वास जगाया गया। अंत में भारतीय वायु सेना से संबंधित पंपलेट और पोस्टर भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में 100 से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया।

उधवा में ट्रैक्टर के धक्के से मोटरसाइकिल सवार दो घायल

साहिबगंज: जिला के राधानगर थाना के निकट मोहनपुर चौक के पास शुक्रवार को ट्रैक्टर के धक्के से मोटरसाइकिल सवार भाई-बहन बुरी तरह घायल हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सुबह छोटू लाल शर्मा मोटरसाइकिल से सवार होकर अपनी बहन को उनके ससुराल छोड़ने उधवा आ रहे थे। इसी क्रम में मोहनपुर चौक के पास एक ट्रैक्टर ने मोटरसाइकिल को धक्का मार दिया,जिससे दोनों भाई-बहन सड़क पर गिर गए। इस घटना में दोनों जख्मी हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को एक निजी क्लिनिक में इलाज चल रहा है। घटना की सूचना पर राधानगर पुलिस मौके पर पहुंच कर ट्रैक्टर और मोटरसाइकिल को जप्त कर थाना लाया है। घायल का इलाज चल रहा है। मामले को लेकर पुलिस छानबीन कर रही है।

अंडर-16 जिला क्रिकेट लीग में 6 विकेट से जीता मां गायत्री क्रिकेट क्लब बोरियो

साहिबगंज: जिला क्रिकेट संघ के तत्वधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे अंडर-16 जिला क्रिकेट लीग टूनार्मेंट के तहत शुक्रवार को माही स्पोर्ट्स ब्लू बनाम मां गायत्री क्रिकेट बोरियो के बीच मैच खेला गया। माही स्पोर्ट्स ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 104 रन बनाए। अंश राज ने 43 व प्रिंस राज ने 21 रन की पारी खेली। मां गायत्री क्रिकेट बोरियो के गेंदबाज शुभम कुमार ने 6 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी मां गायत्री क्रिकेट क्लब, बोरियो 11.3 ओवर में 4 विकेट पर 105 रन बना कर 6 विकेट से मैच जीत लिया। शुभम कुमार ने 33, अनिकेत शर्मा ने 15 रन की पारी खेली। माही स्पोर्ट्स ब्ल्यू के गेंदबाज अनुकान्त कुमार ने 2 विकेट लिए। मां गायत्री क्रिकेट बोरियो के खिलाड़ी शुभम कुमार को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि जिला क्रिकेट संघ के संयुक्त सचिव मो अशफाक आलम ने शुभम कुमार को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग श्याम रंजन तिवारी व हयातुल्लाह एवं स्कोरिंग मो अनाउल्लाह अंसारी ने किया।

सत्याग्रह अनशन का सातवां दिन

साहिबगंज: मंडरो प्रखंड के डिहारी, हाजीपुर भिठा, पटवर टोला और भोलीया टोला गांव की गृहणियां सांकेतिक रूप में सत्याग्रह-अनशन को उपस्थित रहीं। सत्याग्रह अनशन प्रदर्शन समिति की माताओं ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर राजमहल लोकसभा के सांसद विजय हांसदा को अपना मांगपत्र सौंपने का निर्णय लिया है। सत्याग्रह अनशन प्रदर्शन समिति की बैठक में रूपा भारती, उर्मिला देवी, ऊषा देवी, जिच्छा देवी, शविता देवी, सुमित्रा देवी, उर्मिला देवी, ऊषा देवी, रीना देवी, सोनी देवी, सुनिता देवी, सुमित्रा देवी, भागवती देवी, शियावती देवी, ज्योति देवी, मंजू ओझा, आशा देवी, लक्ष्मी देवी, शंजू देवी, सुनिता देवी, जानकी देवी, रिना देवी, सोनी देवी, श्यामा देवी, गीता देवी, रीना देवी सहित कई माताएं उपस्थित रहीं। एक लय में सभी ने दोहराया कि पंकज कुमार ओझा द्वारा गांव को उजड़ने से बचाने वाले प्रयास का हम सभी गृहणी समर्थन करतीं हैं।

वाहन चोरी के तीन आरोपित गिरफ्तार चोरी की दो बाइक और एक स्कूटी बरामद

पश्चिमी सिंहभूम : जिले की मुफ्फसिल थाना पुलिस ने वाहन चोरी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है और चोरी की गई सभी तीन दोपहिया वाहनों को बरामद कर लिया है ।घटना के संबंध में एसडीपीओ वहावन टुडी ने शुक्रवार को बताया कि घटना 1 दिसंबर 2025 की रात की है, जब सेफरॉन होटल के बाहर पार्किंग स्थल से दो बाइक और एक स्कूटी अज्ञात अपराधियों द्वारा चोरी कर ली गई थी। अगले दिन मामले की गंभीरता को देखते हुए मुफ्फसिल थाने में मामला दर्ज किया गया। जिले में इस चोरी की चर्चा तेजी से फैल गई थी, क्योंकि होटल के पास सीसीटीवी लगे होने के बावजूद चोरों ने वारदात को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गए। एसपी अमनित रेनू ने घटना को चुनौती के रूप में लेते हुए एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया। टीम ने होटल परिसर, शहर के कई स्थानों और आसपास के क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी।

बिहार में 150 जगह बुलडोजर एक्शन–पीड़ितों का दर्द

यहां पंजाब से भी खराब हालात, गरीबों की दुकानें तोड़ी जा रही; माफिया पर एक्शन नहीं

पटना। अपराधी तो गरीब आदमी है, दुकानदार है, जो रोड पर कमा रहा है। बुलडोजर सच में अपराधियों पर चलता तो अच्छा होता, लेकिन चल गरीबों पर रहा है। कितने बाहुबली के घर पर बुलडोजर चला है बताइए न? पटना के बोरिंग रोड चौराहे पर चाट की दुकान चलाने वाले जितेंद्र कुमार इतना कहकर चुप हो जाते हैं। चारों ओर नजर दौड़ाते हैं। फिर कहते हैं, हर वक्त डर लगा रहता है कि कोई दुकान तोड़ने तो नहीं आ रहा। यह हालत सिर्फ जितेंद्र की नहीं। बिहार के हजारों स्ट्रीट वेंडर्स की है। अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान उनकी दुकानों पर बुलडोजर चल रहे हैं। 10 दिन में 9 जिलों में 150 जगह बुलडोजर चले हैं। 2 दिसंबर की शाम बोरिंग रोड चौराहे पर बुलडोजर और मिनी ट्रक लेकर नगर निगम के कर्मी और पुलिस वाले पहुंचे। इन्हें देखते ही अफरा-तफरी मच गई। चाट, चाय, तंदूरी नान, चाउमीन जैसी चीजों का स्टॉल लगाने वाले अपने-अपने ठेले लेकर इधर-उधर भागने लगे। जो भाग नहीं पाए, उनके स्टॉल नगर

निगम के लोग ट्रक में भरकर ले गए। फाइन लगाया। नगर निगम के कर्मियों के वापस जाते ही महज आधे घंटे में फिर से ठेले लेकर दुकानदार पहुंच गए। यह एक दिन की बात नहीं। जब भी पटना में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलता है। यहां यही स्थिति नजर आती है। नगर निगम के कर्मी आते हैं, फाइन लगाते हैं। फिर दुकानदार वहीं दुकान सजा देते हैं। इसकी वजह है कि कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है। पटना में तो पंजाब से भी खराब हालत, कहां जाएं गुरुवार सुबह करीब 10 बजे हम बोरिंग रोड चौराहा पहुंचे। देखा, सड़क किनारे पहले की तरह दुकानें लगी हैं। लोग उनसे खाने-पीने के सामान खरीद रहे हैं। हमारी मुलाकात वंश लाल गुप्ता से होती है। वंश लाल सीतामढ़ी के हैं। बोरिंग रोड चौराहे पर तंदूरी-नान की दुकान लगाते हैं। वंश लाल ने कहा, 1994 में पंजाब के लुधियाना में तंदूरी-नान बेचता था। जो परेशानी पंजाब में झेली वही बिहार में भी हो रही है। वहां बिहारी के नाम पर परेशान किया जाता था। 1997 में बिहार आ गया। यहां ठेला लगाना शुरू किया। अब यहां भी परेशान किया जा रहा है। हालत पंजाब से भी खराब हैं। 28 साल में 20 लाख रुपए फाइन दिया यहां किस तरह की परेशानी है? सवाल पर वंश लाल बोले, सुबह घर से सब्जी बनाकर लाता हूं। कभी दुकान के सामने बड़ी गाड़ी वाला अपनी गाड़ी लगा देता है तो कभी अतिक्रमण के नाम पर हमें भगा दिया जाता है। दुकान तोड़ दी

> हमने सरकार को जिताया। उम्मीद थी कि गरीबों के लिए कुछ करेगी। सरकार हमें उजाड़ने में ही लगी है। हम गरीबों पर बुलडोजर चला रही है। एक भी अपराधी के घर पर बुलडोजर नहीं चल रहा। सरकार के नजर में हम ही अपराधी हैं।
>
> **जितेंद्र कुमार**
> दुकानदार

जाती है। उन्होंने कहा, 1997 से लेकर अभी तक करीब 20 लाख रुपए फाइन भर चुका हूं। नगर निगम वाले आते हैं तो हमलोग गली में भागते हैं। वहां भी प्रशासन हमारा पीछा कर फाइन कर देती है। सरकार गरीबी खत्म नहीं कर रही या गरीबों को खत्म कर रही है।आप लोग पार्किंग एरिया में अतिक्रमण कर ठेला लगाते हैं। यह सुनकर वंश लाल ने कहा, ह्यदिनभर में 400-500 रुपए ही बचा पाता हूं। मानता हूं कि नगर निगम की जमीन में ठेला लगाया है, लेकिन कहां जाऊं। जो कॉमर्शियल भाड़ा होगा सरकार हमसे वसूले, हम देने को तैयार हैं, लेकिन सही सलामत रहने दिया जाए। उन्होंने कहा, सरकार को अगर जमीन की जरूरत है, पार्किंग के लिए जगह चाहिए तो हमलोग जगह छोड़ने के लिए तैयार हैं, लेकिन हमारे लिए सरकार कम से कम एक वेंडिंग जोन बना दे। सरकार हमारे लिए बिना व्यवस्था किए हमें भगाने पर तुली है। मरीन ड्राइव पर दुकान के लिए लग रही 5 लाख तक की बोली पहले से बने वेंडिंग जोन में क्यों नहीं जाते? इस सवाल पर वंश लाल ने कहा, =जहां वेंडिंग जोन है भी वहां हमें जगह नहीं मिल रही। बड़े-बड़े लोगों का कब्जा है। पटना के मरीन ड्राइव पर दुकानें मिल रही हैं, लेकिन किराया इतना ज्यादा है कि हम चुका नहीं सकते। 3-5 लाख रुपए तक बोली लग रही है। मैं गरीब हूं। मेरे लिए 50 हजार जुटाना भी मुश्किल है। इतनी महंगी जगह कैसे लूं? बड़े-बड़े लोग जगह ले रहे हैं और उसे महंगे दाम पर भाड़े पर दे रहे हैंसरकार हम गरीबों पर चला रही बुलडोजर वंश लाल ने कहा, ह्यमेरे परिवार में बच्चे और माता-पिता को लेकर 7 लोग हैं। परिवार चलाने की जिम्मेदारी मुझ पर है। महीने में 20 दिन अतिक्रमण हटाने के दौरान दुकान लेकर इधर-उधर भागता रहता हूं। इधर एक सप्ताह से 2 घंटा भी ढंग से दुकान नहीं चली। हर वक्त डर लगा रहता है कि पता नहीं कब दुकान तोड़ दी जाए। बोरिंग रोड चौराहे पर ही हमें पान की दुकान चला रहे नालंदा जिले के संजय कुमार मिले। उन्होंने कहा, हम अपनी दुकान सड़क के सफेद पट्टी के अंदर लगाते हैं। इसके बाद भी अतिक्रमण के नाम पर हमें हटाया जाता है। हम भागते हैं तो गली के अंदर पीछा कर 5-7 हजार रुपए का फाइन काट दिया जाता है। संजय ने कहा, हाल के 10 दिन में 8-10 हजार रुपए का जुमार्ना दिया है। सरकार ने हमें स्ट्रीट वेंडर का लाइसेंस तो दिया, लेकिन दुकान लगाने के लिए जगह नहीं दी। यह दुकान मेरे पिताजी ने खोली थी। 30 साल से मैं चला रहा हूं।

पत्नी को जीजा संग देखा, 4 दिन बाद लाश मिली

समस्तीपुर। में ससुराल में एक युवक की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि पत्नी, सास-ससुर और साले ने मिलकर हत्या की है। युवक को जहर देकर मारा गया है। मृतक की पहचान सराय रंजन के बेलभद्रपुर निवासी लक्ष्मी सहनी के पुत्र मुनील कुमार सहनी(24) के तौर पर हुई है। परिवार का आरोप है कि मुनील की पत्नी प्रीति का उसके जीजा के साथ अवैध संबंध है। दोनों को एक साथ देख लिया था, इसलिए उसे मार डाला। दोनों की डेढ़ साल पहले शादी हुई थी। दोनों की 2 महीने की एक बेटी है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटना अंगार घाटा थाना क्षेत्र के चैता रेवाड़ी गांव की है। मौत के बाद से मुनील के ससुराल वाले फरार हैं। मृतक के भाई सुनील कुमार सहनी ने बताया, मुनील की शादी चैता रेवाड़ी गांव के सुरेंद्र सहनी की बेटी प्रीति कुमारी के साथ हुई थी। शादी के कुछ दिनों बाद से ही दोनों के बीच संबंध ठीक नहीं था। 30 नवंबर को प्रीति के बुआ की बेटी की शादी महेसी गांव में थी। दोनों पति-पत्नी भी गए थे। वहां प्रीति का जीजा भी आया था। उसका अपने जीजा से ही अवैध संबंध है। शादी समारोह में दोनों को मेरे भाई ने संदिग्ध हालत में देखा था। इसे लेकर वहीं पर झगड़ा भी हो गया था। इसके बाद मुनील ने प्रीति को घर चलने को कहा। उसने आने से मना कर दिया। अपनी मां के साथ मायके चली गई। फिर मुनील अपने घर आ गया। सुनील कुमार सहनी ने आगे कहा, 4 दिसंबर को उसकी पत्नी और सास ने फोन करके विदाई के लिए बुलाया। वहां पहुंचने पर मुनील का ससुराल वालों के साथ विवाद हो गया। शाम में मैंने अपने भाई के मोबाइल पर कॉल किया, तो उसके साले ने कॉल रिसीव किया, लेकिन सही जवाब नहीं दे रहा था। गाली देकर फोन काट दिया गया। रात में जानकारी मिली कि मेरे भाई को जहर दे दिया गया है। देर रात सभी लोग चैता गांव पहुंचे। गांव के ही एक झोलाछाप डॉक्टर के यहां भाई का शव पड़ा हुआ था। ससुराल के लोग मौके से फरार हो गए थे। शक है कि पहले उसके साथ मारपीट की गई है, फिर जहर देकर मार डाला। वहीं, इस संबंध में दलसिंहसराय ऊढ विवेक कुमार शर्मा ने बताया कि ससुराल आए एक युवक की मौत हुई है। युवक ने जहर खुद खाया है या उसे खिलाया गया है। इसकी अभी जांच चल रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। परिवार के लोगों से आवेदन मांगा गया है आवेदन मिलते ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दरभंगा मार्ग पर अनियंत्रित गाड़ी ने बाइक को टक्कर मारी

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक गाड़ी अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह हादसा समस्तीपुर-दरभंगा मुख्य पथ पर हुआ, जिसमें एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। गाड़ी एक विद्युत पोल से टकराई जानकारी के अनुसार, गाड़ी समस्तीपुर की ओर से आ रही थी। मुक्तापुर स्थित एक हाई स्कूल के पास वाहन अनियंत्रित हो गया और उसने एक बाइक सवार चाय दुकानदार को टक्कर मार दी। इसके बाद गाड़ी एक विद्युत पोल से टकराकर गड्ढे में जा गिरी और एक पेड़ से टकराकर रुक गई। गाड़ी सवार मौके से फरार दुर्घटना में स्थानीय निवासी मुरारी दास (लगभग 50 वर्षीय) गंभीर रूप से घायल हो गए। उनका घर नगर निगम क्षेत्र के बरकुरवा में बताया गया है। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें इलाज के लिए समस्तीपुर भेजा गया।

बिहार समेत 3 राज्यों में NIA रेड,पटना-शेखपुरा से 2 गिरफ्तार

शेखपुरा। अवैध हथियार और गोला-बारूद को लेकर एनआईए ने पटना, नालंदा, शेखपुरा समेत राज्य के सात ठिकानों के साथ हरियाणा और यूपी में छापेमारी कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसमें पटना से शशि कुमार और शेखपुरा से रविरंजन को गिरफ्तार किया है। बिहार के 7, हरियाणा के 2 और यूपी के 13 ठिकानों पर गुरुवार की सुबह से देर शाम तक चली छापेमारी में ठक्अ ने बिहार से दो लोगों के अलावा हरियाणा के कुरुक्षेत्र से विजय कालरा और कुश कालरा को दबोचा है। जांच के अनुसार ये सभी एक बड़े नेटवर्क का हिस्सा थे। जो हरियाणा से यूपी और फिर बिहार सहित देश के अन्य हिस्सों में अवैध गोला-बारूद की तस्करी बिक्री और खरीद में शामिल थे। शेखपुरा में नई दिल्ली और पटना से आई राष्ट्रीय जांच एजेंसी की टीम ने स्थानीय एसटीएफ और सिरारी थाना पुलिस के सहयोग से भदौस गांव में छापेमारी कर गुड्डू सिंह उर्फ रवि रंजन को गिरफ्तार किया है। टीम ने

उसकी ब्रेजा कार को भी जब्त कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद, टीम ने जयमंगला गांव में खड़ी उसकी सफेद रंग की ब्रेजा कार को जब्त कर लिया। दिल्ली और पटना से आई टीम ब्रेजा कार को स्थानीय थाने को सौंपने के बाद गिरफ्तार गुड्डू सिंह को रात में ही अपने साथ लेकर वापस लौट गई। छापेमारी में शामिल सिरारी थाना अध्यक्ष सह पुलिस सब इंस्पेक्टर आयुष कुमार ने बताया कि देर शाम दिल्ली और पटना से पहुंची NIA की टीम दो मजिस्ट्रेट के साथ थाने पर आई थी। उनके निर्देश पर पुलिस भदौस गांव पहुंची, जहां से शिव शंकर सिंह के बेटे गुड्डू सिंह उर्फ रवि रंजन को गिरफ्तार किया गया। आर्म्स एक्ट केस में जमानत पर था थाना अध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार गुड्डू सिंह के खिलाफ पहले से स्थानीय थाने में आर्म्स एक्ट का एक मामला दर्ज है, जिसमें वह कोर्ट से जमानत पर था। विशेष टीम उसे हथियारों की तस्करी के मामले में गिरफ्तार कर ले गई है। गुड्डू सिंह उर्फ रवि रंजन हथियारों और कारतूस की तस्करी में शामिल था। थाना अध्यक्ष ने यह भी बताया कि यहां पहुंची विशेष टीम ने उसकी गिरफ्तारी के बारे में कोई खास जानकारी नहीं दी। टीम उसे गोपनीय तरीके से गिरफ्तार कर ले गई। अन्य सूत्रों के अनुसार, उसकी गिरफ्तारी आतंकी गिरोहों को हथियार तस्करी करने के मामले से जुड़ी हो सकती है। NIA टीम ने शेखपुरा जिला के भदौस गांव से गुड्डू सिंह को गिरफ्तार किया है। उसके पिता शिवशंकर सिंह डाक विभाग में पोस्टमैन है। वहीं उसके छोटे भाई रौशन कुमार को 27 अक्टूबर 2023 को बाऊ घाट थाना पुलिस ने गस्ती के दौरान गिरफ्तार किया था। उसके पास से मॉडर्न हथियारों में प्रयुक्त होने वाले 3110 जिंदा कारतूस और एक बाइक बरामद हुआ था। रौशन कुमार बाइक पर सवार होकर अपने गांव के ही एक सहयोगी छोटे सिंह के साथ बोरों में बंद हजारों कारतूस की खेप को अन्यत्र पहुंचाने जा रहा था। भदौसी की तरफ से वह घाट कुसुंभा की ओर बाइक से कारतूसों का जखीरा लेकर आ रहा था। इसी दौरान गस्ती टीम ने उसे धर दबोचा था। उस दिन गिरफ्तार रौशन का सहयोगी बाइक से कूदकर भाग निकला था।

बेटे ने पंचायत में वीडियो बनाने से रोका,पीट-पीटकर मार डाला

बेगूसराय। गांव के लड़कों के साथ बेटे का झगड़ा हो गया था। बातचीत और हंसी-मजाक में गांव के लोगों ने गाली दी। इसको लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी, फिर मारपीट हुई। मामला पंचायत में पहुंचा। पंचायती के दौरान एक लड़का वीडियो बना रहा था। वीडियो बनाने से मना करने पर गांव के लड़कों ने घर में घुस कर बेटे को पीट-पीटकर मार डाला। इस हत्या में जाप नेता भी शामिल है। सभी बदमाशों को फांसी हो और सरकार इनका घर भी बुलडोजर से ध्वस्त कर दें।' ये कहना है 23 साल के रणवीर कुमार की मां रंजू का। बेगूसराय के नूरजमापुर गांव में मंगलवार को रणवीर की हत्या हुई थी। दरअसल, गांव के ही लड़कों ने नाथो यादव के बेटे रणवीर कुमार को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया था। पैसा के अभाव में परिजन रात में उसे अस्पताल नहीं

ले जा पाए और पुलिस को भी सूचना नहीं दी। घटना के कुछ देर बाद ही रणवीर की मौत हो गई। सुबह में ग्रामीणों को जानकारी मिली, तो इसकी सूचना पुलिस को दी गई। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच-पड़ताल करने के बाद शव का पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में कराया गया। देर शाम लाश गांव आने के बाद उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। छोटे भाई धर्मवीर ने मुखाग्नि दी। पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। रणवीर का पड़ोसी नरेश यादव के परिवार से 25 नवंबर से ही विवाद चल रहा था। जिसमें देख लेने की धमकी दी गई थी। मृतक रणवीर बलिया बाजार में मटिया मजदूरी का काम करता था। 25 नवंबर को विवाद के बाद 27 नवंबर को पंचायती हुई। जिसमें गांव समाज के लोग जुटे थे। पंचायती का वीडियो बनाया गया था और इसी को लेकर विवाद बढ़ गया। 2 नवंबर की शाम रणवीर जब बलिया बाजार से लौट रहा था, तभी नरेश यादव के परिवार के लोगों ने उसे धमकी दी। आरोप है कि इसके बाद रात में नरेश यादव अपने 10-15 समर्थकों के साथ रणवीर के घर में घुसा और उसकी जमकर पिटाई कर दी। मारपीट के कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई। गांव के 11 लोगों पर मर्डर का आरोप मृतक की मां रंजू देवी ने बलिया थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिसमें गांव के ही नरेश यादव, गौतम यादव, उत्तम यादव, गुंजाली यादव, लालू यादव, सुरेश यादव, भिखो यादव, ललन यादव, कमली यादव, कृष्ण यादव और जन अधिकार पार्टी (जाप) के नेता सुमित कुमार पर मर्डर का आरोप लगाया गया है।

BJP विधायक के PA को मारी गोली

मुजफ्फरपुर। के कुढ़नी से बीजेपी विधायक केदार गुप्ता के पीए विनोद दास को अपराधियों ने गोली मारी है। वारदात गुरुवार देर रात घटना मनियारी थाना क्षेत्र में हुई है। विनोद दास एक शादी समारोह से लौट रहे थे, तभी उन पर हमला हुआ। गोली लगने के बाद उन्हें शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। गोली जांघ में लगी है, आज शुक्रवार को उनका ऑपरेशन होगा। बताया जा रहा है कि दो बाइक सवार बदमाशों ने विनोद दास को ओवरटेक किया और फिर गोली मार दी। शुरूआत में लोगों को लगा कि कुछ युवक आपस में बाइक से ओवरटेक कर रहे हैं, लेकिन गोली चलने की आवाज सुनकर सभी हैरान

रह गए। हमले की सूचना पर विधायक केदार गुप्ता अस्पताल पहुंचे। अपने पीए का हाल-चाल जाना। उन्होंने कहा कि विनोद दास मेरे सहयोगी हैं। पार्टी के नेता भी हैं। गुरुवार को दिनेश साह के शादी में गए थे। हमलोग साथ ही थे। भोज के बाद वो अपने घर चले गए। विनोद दास की पत्नी नीतू कुमारी ने बताया, 'मुझे बस इतना ही पता है कि वो भोज खाने गए थे। आज सुबह 6 बजे पैर में गोली लगने की सूचना मिली। मुझे कोई जानकारी नहीं है। किसी बात को लेकर, कभी चर्चा भी नहीं किए थे। क्यों गोली मारी गई है, मुझे कुछ पता नहीं है। चुनाव भी लड़ चुके हैं। पहले कोई विवाद भी नहीं था।' विनोद दास की

बड़ी बहन पार्वती देवी ने बताया, 'सुबह में गोली मारने की सूचना मिली। जिसके बाद अस्पताल पहुंची। भोज खाने के लिए गुरुवार शाम को घर से निकले थे। उसके साथ क्या हुआ- नहीं हुआ, कुछ पता नहीं है। चुनाव भी लड़ चुका है। विधायक जी के करीबी हैं। जनता से भी कोई शिकायत नहीं है। वही बताएगा कि उसके साथ क्या हुआ।' विनोद दास के साथी मोहम्मद अवराम आलम ने बताया रात में भोज में हम लोग साथ ही थे। उसके बाद मैं अपने घर चला गया था। रास्ते में उनके साथ क्या हुआ, कुछ पता नहीं है। विवाद तो था नहीं। अब देखिए क्या कुछ निकलकर आता है। जांच के बाद ही पता चल सकेगा। ग्रामीणों के अनुसार, विनोद दास काजीइंडा एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। वापस लौटने के दौरान बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया है। विनोद दास 2021 में अमरक पंचायत से मुखिया का चुनाव लड़ चुके हैं। भाजपा में मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। सूचना मिलते ही ग्रामीण SP राजेश सिंह प्रभाकर अस्पताल पहुंचे। परिजनों से मामले की जानकारी ली। ग्रामीण एसपी ने बताया कि विनोद दास को गोली लगी है और उनका इलाज जारी है। पुलिस टीम मामले की जांच कर रही है और जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

संक्षिप्त डायरी

समस्तीपुर में संदिग्ध हालत में युवक की मौत

समस्तीपुर। में संदिग्ध हालत में एक युवक की मौत हो गई है। ससुराल में शव मिला है। मृतक प्रमोद भगत(25) मुजफ्फरपुर जिले के लदौरा गांव का रहने वाला था। परिजनों ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। घटना मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के हरपुर एलौथ वार्ड नंबर-45 की है। पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल पहुंचे भाई उमेश भगत ने बताया कि 6 साल पहले रमेश भगत की बेटी से प्रमोद की शादी

हुई थी। दो बच्चा भी है, पत्नी ज्यादातर अपने मायके में ही रहती थी। मेरे भाई वहां आना-जाना था। 30 नवंबर को भी वह अपने ससुराल आया गया था। 3 दिसंबर को वह वापस चला गया था, लेकिन दूसरे दिन फिर वहीं पहुंच गया। गुरुवार देर रात मौत की सूचना मिली। जिसके बाद परिवार के सदस्यों के साथ मौके पर पहुंचे। वहीं, इस संबंध में एएसपी संजय पांडे ने बताया कि संदिग्ध हालत में युवक की मौत का मामला सामने आया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। ताकि मौत का सही कारण स्पष्ट हो सके। अभी परिवार के लोगों की ओर से कोई आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। थाना स्तर पर जांच की जा रही है।

समस्तीपुर सदर अस्पताल में महिला का झाड़-फूंक

समस्तीपुर। सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में एडमिट महिला मरीज को रेफर किए जाने के बाद परिजन लेकर नहीं गए। अस्पताल में ही भगत बुलाकर झाड़-फूंक कराने लगे। इसका वीडियो सामने आया है। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के चकदौलत गांव निवासी रामप्रीत पंडित की पत्नी फूलो देवी तीन दिन से पेद दर्द से परेशान थी। जिसके बाद मंगलवार को परिवार के सदस्य हॉस्पिटल लेकर पहुंचे थे। इलाज चल रहा था, लेकिन स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं हुआ। गुरुवार को महिला का अल्ट्रासाउंड कराया गया, जिसमें उनके पेट में पानी होने की पुष्टि हुई। इसके बाद डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए डीएमसीएच रेफर कर दिया। रेफर किए जाने की जानकारी मिलने पर परिजनों ने अपने गांव के ही एक भगत आलोक कुमार को अस्पताल बुलाया। भगत ने आपातकालीन वार्ड में ही महिला का झाड़-फूंक शुरू कर दिया। इस दौरान स्वास्थ्यकर्मी और सुरक्षाकर्मी मूकदर्शक बने रहे।भगत आलोक कुमार ने दावा करते हुए कहा कि पिछले डेढ़ साल से यह काम कर रहे हैं। बुलाने पर यहां आया हूं। बाबा गुरु गोरखनाथ और भुइयां बाबा के भक्त हूं। मोर पंख से उनका नाम लेकर झाड़-फूंक करते हैं। अगर ऐसा करने से मरीज को शांति मिलती है तो हमने यह कोई खराब काम नहीं किया है। किसी को परमिशन नहीं है इस संबंध में उपाधीक्षक डॉक्टर गिरीश कुमार ने बताया कि इमरजेंसी वार्ड में झाड़-फूंक की सूचना उन्हें नहीं मिली है। ऐसा करने के लिए किसी को परमिशन नहीं दिया जाता है। ड्यूटी पर मौजूद संबंधित कर्मियों सेपूछताछ की जा रही है। गार्ड से शो कॉज मांगा जा रहा है। वहीं, आपातकालीन वार्ड में तैनात डॉक्टर जीवछ कुमार ने बताया कि महिला का अल्ट्रासाउंड कराया गया तो पेट में पानी निकला। महिला को बेहतर इलाज के लिए डीएमसीएच रेफर किया गया है।

सीतामढ़ी में शादी समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग

सीतामढ़ी। में शादी समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग में 14 वर्षीय किशोर करण कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल किशोर बेलसंड थाना क्षेत्र के बेलसंड निवासी राजकुमार शर्मा का बेटा है। घटना रीगा थाना क्षेत्र के सिरौली गांव

की है। परिजन के अनुसार, करण अपने पिता के साथ रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में शामिल होने आया था। देर रात डीजे पर डांस चल रहा था, तभी भीड़ के बीच एक युवक ने अचानक हर्ष फायरिंग शुरू कर दी। एक गोली सीधे करण को लगी, जिससे वह मौके पर ही गिर पड़ा। आनन-फानन में परिजनों और अन्य लोगों ने उसे शहर के रिंग बांध स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों की टीम उसकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। आरोपी के पहचान का प्रयास जारी घटना की जानकारी मिलते ही रीगा थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार त्रिपाठी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने बताया कि हर्ष फायरिंग की पुष्टि हो चुकी है और पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। मौके से मिले सबूतों के आधार पर आरोपी युवक की पहचान का प्रयास जारी है। पूछताछ के लिए कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया गया है।पुलिस अधिकारियों ने कहा कि शादी-ब्याह जैसे आयोजनों में हर्ष फायरिंग एक गंभीर अपराध है। इसमें लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

बेटे ने लड़की से भागकर की शादी, पिता ने पीटा

भागलपुर। में प्रेम विवाह के बाद लड़के और लड़की के साथ मारपीट हुई है। युवक पड़ोस में रहने वाली युवती से प्यार करता था। ढाई महीने पहले नवगछिया के तेतरी मंदिर में दोनों ने शादी रचा ली थी। जब वह पत्नी को लेकर घर पहुंचा, तो परिवार वालों ने उन्हें रखने से इनकार कर दिया और दोनों के साथ मारपीट की। मामला, अब थाना पहुंच चुका है। लड़की ने भैसूर, ननद और ससुर पर मारपीट का आरोप लगाया है। पूरा मामला, गोराडीह थाना क्षेत्र के बड़ी जमीन गांव का है। दोनों अस्पताल में भर्ती बीते कई सालों से नीतीश (24) चांदनी(20) से बेइंतहा मोहब्बत करता था। परिवार वाले इस रिश्ते से खुश नहीं थे। दोनों घर से भाग गए और मंदिर में शादी रचा ली। मारपीट की घटना में नीतीश के हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया हैं।नीतीश की पत्नी चांदनी ने इसको लेकर गोराडीह पुलिस को लिखित शिकायत दी है। मारपीट का आरोप ससुर, भैसूर और ननद पर लगाया गया है। पुलिस को दिए आवेदन में चांदनी ने बताया कि पति-पत्नी घर में थे, तभी ससुर जानकी मंगल, भैंसुर दीपक, रंजीत और काजल ने मारपीट की।

फिल्म 'तेरे इश्क में' की सफलता पर भावुक हुईं कृति सेनन

कृति सेनन और धनुष की ताज़ा रिलीज़ फिल्म 'तेरे इश्क में' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। दर्शकों के प्यार और बेहतरीन कमाई ने फिल्म की टीम का उत्साह बढ़ा दिया है। खासकर कृति सेनन की एक्टिंग को लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है, जिसके बाद फैंस अभिनेत्री को हिंदी सिनेमा की उभरती हुई और दमदार परफॉर्मर बता रहे हैं। फिल्म में उनके द्वारा निभाए गए किरदार 'मुक्ति' को दर्शकों और समीक्षकों दोनों से खूब सराहना मिल रही है। इसी फैन लव को महसूस करते हुए कृति सेनन ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें कई इंफ्लुएंसर्स और फिल्म क्रिटिक्स उनकी एक्टिंग की खुलकर तारीफ करते दिखाई दे रहे हैं। उनका कहना है कि मुक्ति का किरदार कई परतों वाला और भावनात्मक रूप से बेहद पेचीदा था, जिसे कृति ने न सिर्फ ईमानदारी से निभाया, बल्कि पर्दे पर उसे जीवंत बना दिया। कई समीक्षा देने वालों का यह भी मानना है कि इस रोल को कृति जितनी बारीकी और संवेदनशीलता के साथ कोई और अभिनेत्री निभा ही नहीं पाती। इतनी भावनात्मक प्रतिक्रियाएँ देखकर कृति सेनन खुद भी भावुक हो गईं और उन्होंने दिल से अपने दर्शकों का धन्यवाद किया। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'मेरा दिल भर आया है। एक अभिनेता के लिए सबसे अच्छा एहसास तब होता है जब दर्शक आपके किरदार के अनकहे शब्दों के बीच की हर छोटी-छोटी भावना से जुड़ जाते हैं। मुक्ति शायद मेरे द्वारा निभाए गए किरदारों में सबसे ज्यादा पेचीदा किरदार है, और जब उसके दिल की हर धड़कन आपके दिल तक पहुंचती है, तो वो इश्क बन जाता है! इश्क के लिए शुक्रिया।' फिल्म में कृति की भूमिका मुक्ति नाम की लड़की की है, जिसकी जीवन यात्रा कई भावनात्मक उतार-चढ़ाव से गुजरती है और हर मोड़ पर उसका किरदार और ज्यादा मजबूत बनकर उभरता है। किरदार की गहराई को समझकर उसे जीवंत बनाने के लिए कृति ने काफी मेहनत की। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि फिल्म का क्लाइमेक्स शूट करना उनके लिए बेहद थका देने वाला था। पाँच से छह दिनों तक लगातार इंटेंस सीन्स शूट करने के बाद वे शारीरिक और मानसिक रूप से थक जाती थीं और वह भावनाएँ घर जाकर भी दिमाग में बनी रहती थीं। वहीं फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने पहले दिन हिंदी बेल्ट में 15.06 करोड़ रुपये की कमाई कर मजबूत शुरुआत की है। मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि आने वाले दिनों में यह आंकड़ा और भी तेजी से बढ़ सकता है। दर्शकों का प्यार और सराहना देखने के बाद अब उम्मीद है कि 'तेरे इश्क में' लंबे समय तक थियेटर्स में अपनी चमक बनाए रखेगी।

ऋचा चड्ढा ने बताया कैसे बदली अपनी जिंदगी और सोच

बॉलीवुड अभिनेत्री ऋचा चड्ढा आज अपनी निडर आवाज, बेबाक बयानों और मजबूत व्यक्तित्व के लिए पहचानी जाती हैं, लेकिन अभिनेत्री का कहना है कि वे हमेशा से ऐसी नहीं थीं। मुंबई में आयोजित 15वें इंडियन फिल्म प्रोजेक्ट में उन्होंने अपने शुरुआती संघर्षों और उस दौर के दर्दनाक अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि एक समय ऐसा भी था जब वे बेहद डरपोक, समझौतावादी और खुद को कम आंकने वाली इंसान बन चुकी थीं। आज भले ही लोग उन्हें आत्मविश्वास और साहस की प्रतीक मानते हैं, लेकिन पर्दे के पीछे का सच बिल्कुल अलग था। ऋचा ने एक घटना याद करते हुए बताया कि करियर की शुरुआत में उन्हें कई ऐसे काम स्वीकार करने पड़े जिन्हें करने में उन्हें असहजता महसूस होती थी। उन्होंने कहा, 'एक दिन मैं सेट पर खड़ी थी और मैंने खुद से पूछा मैंने ये फिल्म कब साइन की? मैं यहाँ क्या कर रही हूँ? मैं इस आइटम नंबर में क्यों हूँ? मुझे खुद समझ नहीं आ रहा था कि मैं कहाँ और कैसे फँस गई हूँ।' उन्होंने बताया कि एक डायरेक्टर ने उनसे कहा था कि मेल कोरियोग्राफर चाहिए और तुम्हें 'ऐसे-वैसे' करना है। यह सुनकर वे अंदर से टूट गईं और सोचने लगीं कि आखिर वे यहाँ तक कैसे पहुँच गईं। उन्हें बाद में अहसास हुआ कि किसी लोकल मैनेजर ने कुछ पैसे लेकर गलत रास्ते पर धकेल दिया था।

अभिनेत्री ने कहा कि इंडस्ट्री में कई लोग उनकी बाहरी सुंदरता पर टिप्पणी करते थे और उन्हें बदलने की सलाह देते थे। ऋचा ने कहा, 'मुझसे कहा जाता होंठ ठीक करवा लो, नाक ठीक करवा लो, चेहरे पर सुधार करवाओ, गाना शूट करने से पहले पानी मत पीना। मैं हर बात मान लेती थी। मैं अपने शरीर और दिमाग को बहुत चोट पहुँचा चुकी थी। मैं खुद से कहती थी मैं बेकार हूँ, मैं अच्छी नहीं हूँ।' उन्होंने बताया कि मनोरंजन जगत में कई लोग दूसरों को छोटा महसूस करवाकर खुद को बड़ा साबित करने की कोशिश करते हैं।

अपने बदलाव की प्रक्रिया पर बात करते हुए ऋचा ने कहा कि अपनी आवाज उठाना उन्होंने धीरे-धीरे सीखा। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने खुद को स्वीकार करना शुरू किया, तब उन्हें समझ आया कि किसी भी कीमत पर आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया जा सकता। आज वे मानती हैं कि किसी कलाकार का सबसे बड़ा साहस अपनी सच्चाई पर डटे रहना होता है, चाहे दुनिया कुछ भी कहे। हाल ही में ऋचा चड्ढा और अली फजल के प्रोडक्शन हाउस पुशिंग बटन्स स्टूडियोज में बनी फिल्म 'सीक्रेट्स ऑफ ए माउंटेन सर्पेंट' का 82वें वेनिस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में वर्ल्ड प्रीमियर हुआ, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है।

फिर सिल्वर स्क्रीन पर साथ नजर आ सकते है रणबीर-दीपिका

लगभग एक दशक बाद बालीवुड एक्टर रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण एक बार फिर सिल्वर स्क्रीन पर साथ नजर आ सकते हैं। खास बात यह है कि यह प्रोजेक्ट बॉलीवुड के शोमैन राज कपूर की विरासत से जुड़ा हुआ है, और 'ये जवानी है दीवानी' तथा 'ब्रह्मास्त्र' फेम निर्देशक अयान मुखर्जी इसे निर्देशित करने की तैयारी में हैं। पिछले कुछ समय से दीपिका पादुकोण लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। 8 घंटे की शिफ्ट के विवाद के बाद उन्हें 'स्पिरिट' और 'कल्कि 2' जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स से बाहर कर दिया गया था। वहीं उन्होंने शाहरुख खान की आगामी फिल्म 'किंग' में अपनी एंट्री की घोषणा की है। दूसरी ओर रणबीर कपूर 'रामायणम्' को लेकर जोरदार चर्चाओं में हैं। कुछ महीनों पहले दोनों एक साथ नजर आए थे, जिसके बाद से ही उनके रीयूनियन की चर्चा गर्म है। रिपोर्ट्स का दावा है कि दीपिका और रणबीर जल्द ही फिर स्क्रीन स्पेस साझा करते दिखाई देंगे। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अयान मुखर्जी 1956 की सुपरहिट फिल्म 'चोरी चोरी' से प्रेरित एक आधुनिक रूपांतरण बनाने की योजना बना रहे हैं। इस क्लासिक फिल्म में रणबीर कपूर के दादा राज कपूर और महान अभिनेत्री नरगिस ने मुख्य भूमिकाएँ निभाई थीं। बताया जा रहा है कि यह प्रोजेक्ट कोई सीधा रीमेक नहीं होगा, बल्कि इसमें एक समकालीन टच जोड़ा जाएगा ताकि नई पीढ़ी इससे सीधे तौर पर जुड़ सके, जबकि मूल कहानी की भावनात्मक आत्मा को बरकरार रखा जाएगा। यह रणबीर कपूर के लिए भी बेहद भावुक अनुभव होने वाला है, क्योंकि यह फिल्म उनके दादाजी की याद और पारिवारिक विरासत को सम्मान देने जैसा होगा।

परिवार ने हर कठिन समय में आगे बढ़ने का हौसला दिया: निहारिका

हाल ही में साउथ इंडस्ट्री की युवा अभिनेत्री और निर्माता निहारिका कोनिडेला ने अपने करियर, चुनौतियों और परिवार से मिलने वाले मजबूत समर्थन के बारे में विस्तार से बात की। एक इंटरव्यू में निहारिका ने विशेष रूप से अपने चाचा पवन कल्याण और भाई राम चरण द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को अपनी सफलता का अहम आधार बताया है। उनका कहना है कि परिवार की मौजूदगी ने न सिर्फ उनके फैसलों को मजबूत बनाया, बल्कि हर कठिन समय में आगे बढ़ने का हौसला भी दिया। एक बातचीत में जब निहारिका से पूछा गया कि पवन कल्याण और राम चरण उनके जीवन और करियर में कितने महत्वपूर्ण हैं, तो उन्होंने कहा, 'उनके समर्थन से मुझे असाधारण शक्ति मिलती है। मुझे पता है कि वे बिना कुछ कहे भी हमेशा मेरे साथ खड़े रहते हैं। उनके अनुभव और उनके काम करने का अनुशासन मेरे लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनका मार्गदर्शन अमूल्य है, जिसे मैं अपनी रोजमर्रा की जिंदगी और काम में अपनाती हूं।'

निहारिका ने स्वीकार किया कि कोनिडेला परिवार का हिस्सा होना गौरव की बात है, लेकिन इसके साथ बड़ी जिम्मेदारी और दबाव भी जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि चिरंजीवी, पवन कल्याण और राम चरण जैसी दिग्गज हस्तियों वाले परिवार से आने के कारण लोगों की उम्मीदें उनसे हमेशा ऊंची रहती हैं। हालांकि, वह इस दबाव को बोझ नहीं मानतीं, बल्कि इसे अपने प्रदर्शन में उत्कृष्टता लाने का प्रेरक माध्यम मानती हैं। उनके अनुसार, हर फिल्म के सेट पर कदम रखते समय उनका एक ही लक्ष्य होता है अपने परिवार और दर्शकों को गर्व महसूस कराना। अपने फैंस के प्यार को लेकर भी निहारिका काफी भावुक दिखीं। उन्होंने कहा, 'दर्शकों ने हमेशा मुझे अपने परिवार की तरह प्यार दिया है। जब आपको इतनी सुरक्षा और विश्वास मिलता है, तो आप अपने काम को और बेहतर ढंग से कर पाते हैं। मैं इस समर्थन के लिए हमेशा आभारी रहूंगी।' निहारिका ने अभिनय के साथ-साथ प्रोडक्शन में भी सफलता हासिल की है और कई युवा कलाकारों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। वह मानती हैं कि स्वतंत्र पहचान बनाने के लिए निरंतर मेहनत, ईमानदारी और सीखने का जुनून जरूरी है।

फातिमा सना शेख ने एआई के दौर में खोती संवेदनशीलता पर जताई चिंता, बोलीं 'शब्द बहुत कीमती हैं'

मुंबई में आईएफपी फिल्म फेस्टिवल सीजन-15 की धमाकेदार शुरुआत हो चुकी है। इस मौके पर अभिनेता विजय वर्मा और अभिनेत्री फातिमा सना शेख भी शिरकत करने पहुंचे। यहां फातिमा ने अपनी नई फिल्म 'गुस्ताख इश्क' के अनुभव के साथ-साथ आज के डिजिटल दौर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते प्रभाव पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि तेज़ी से बदलते तकनीकी समय में भावनाओं को व्यक्त करने की नजाकत और संवेदनशीलता धीरे-धीरे खोती जा रही है। फातिमा सना शेख ने एक बातचीत में कहा कि एआई भले ही दुनिया को आगे की तरफ ले जा रहा हो, लेकिन इसके चलते इंसानी एहसास और शब्दों की गहराई कम होती जा रही है। उन्होंने कहा कि पहले लोग एक-दूसरे को हाथ से लिखे चिट्ठी-पत्र और कविताएँ भेजा करते थे। वे पत्र सिर्फ शब्दों का मेल नहीं, बल्कि भावनाओं का खजाना होते थे, जिन्हें पढ़कर दिल में एक विशेष एहसास जाग उठता था। आज की पीढ़ी उस खूबसूरत दौर से दूर होती जा रही है। फातिमा ने कहा, 'आज एआई के जमाने में हम खुद से सोचना ही बंद करते जा रहे हैं। चाहे भाषा हिंदी हो या अंग्रेजी, अगर आपके विचार स्पष्ट नहीं हैं, तो आप दिल की बात कैसे साफ-साफ कह पाएंगे? शब्द बहुत कीमती हैं। लेटर लिखना, कविता लिखना आज भी उतना ही जरूरी है, क्योंकि इसी से हमारी सोच गहरी और सटीक बनती है।' फातिमा की फिल्म 'गुस्ताख इश्क' हाल ही में रिलीज हुई है। फिल्म में उनके साथ विजय वर्मा और नसीरुद्दीन शाह नजर आए हैं। अभिनेत्री ने नसीरुद्दीन शाह के साथ काम करते हुए अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उनके साथ अभिनय करना उनके लिए भावनात्मक रूप से बेहद गहरा अनुभव रहा। उन्होंने कहा, 'मैंने मन ही मन कई बातें सोच रखी थीं क्या नसीर साहब मेरे काम को जज करेंगे? क्या उन्हें मेरी एक्टिंग में कमी लगेगी? एक दिन एक इमोशनल सीन था जिसमें मुझे रोना था, लेकिन उनके सामने मुझसे कुछ भी नहीं हो पा रहा था। मैं डर और चिंता में फंस गई थी।' इसके बाद नसीरुद्दीन शाह चुपचाप उनके पास आए। फातिमा ने बताया, 'उन्होंने मेरी नब्ज पकड़ ली। कुछ देर बाद कहा 'इस पल में जियो, ज्यादा मत सोचो।' जैसे ही उन्होंने यह कहा, मेरी सारी घबराहट दूर हो गई। उनकी बात मेरे दिल को छू गई और सीन स्वाभाविक रूप से हो गया।' फातिमा के इन अनुभवों ने दर्शाया कि सिनेमा सिर्फ कला नहीं, बल्कि संवेदनाओं और इंसानी जुड़ाव से बना माध्यम है। डिजिटल शोर के बीच शब्दों की सादगी और भावनाओं की गहराई को बचाए रखना आज भी उतना ही जरूरी है, चाहे दुनिया कितनी भी बदल जाए।

अनन्या पांडे का नया ग्लैमरस अंदाज़ हुआ वायरल

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे एक बार फिर दर्शकों को रोमांस और संगीत से भरपूर मनोरंजन देने के लिए तैयार हैं। वे जल्द ही अभिनेता कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में नजर आएंगी, जिसकी चर्चाएँ अब तेज़ हो गई हैं। हाल ही में अनन्या ने सोशल मीडिया पर फिल्म के टाइटल ट्रैक की शूटिंग के दौरान अपने कुछ शानदार लुक्स की तस्वीरें शेयर कीं, जिनके बाद इंटरनेट पर उनका ग्लैमरस अंदाज़ तेजी से वायरल होने लगा।

अनन्या ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा, 卐फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के टाइटल ट्रैक के मेरे कुछ पसंदीदा लुक्स। क्या आपने अभी तक टाइटल ट्रैक देखा? मेरी ग्लैम और फैशन टीम को ढेर सारा प्यार।卐 तस्वीरों में अनन्या बेहद आकर्षक और स्टाइलिश दिखाई दे रही हैं। अलग-अलग आउटफिट्स में उनका लुक देखने लायक है कहीं वह मॉडर्न एथनिक वियर में दिखती हैं, तो कहीं बिल्कुल वेस्टर्न स्टाइल में। हर फ्रेम में उनका मेकअप, हेयरस्टाइल और कॉस्ट्यूम परफेक्शन का अहसास कराते हैं, जो उनके फैंस के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। पोस्ट किए जाने के कुछ ही मिनटों के भीतर इंडस्ट्री के कई कलाकारों ने उनकी तारीफों की झड़ी लगा दी। अभिनेत्री उर्मिला मंतोडकर, महीप कपूर और नव्या नवेली नंदा ने फायर इमोजी के साथ प्रतिक्रिया देते हुए उनकी खूबसूरती और स्टाइल की सराहना की। कमेंट सेक्शन में फैंस ने भी हार्ट और फायर इमोजी की बरसात कर दी, जिससे यह पोस्ट ट्रेंड करने लगी।

गौरतलब है कि अनन्या और कार्तिक आर्यन लगभग छह साल बाद एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे। इससे पहले दोनों ने वर्ष 2019 में रिलीज हुई फिल्म 'पति पत्नी और वो' में साथ काम किया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। अब एक बार फिर यह जोड़ी रोमांटिक केमिस्ट्री के साथ स्क्रीन पर लौटने वाली है, जिसको लेकर दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई है।

समीर विद्वांस के निर्देशन में बनी 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' को करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्वा मेहता और किशोर अरोड़ा मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म 25 दिसंबर को क्रिसमस के दिन रिलीज होगी। दिलचस्प बात यह है कि इसी दिन अगस्त्य नंदा की फिल्म 'इक्कीस' भी रिलीज होने वाली है, जिससे बॉक्स ऑफिस पर रोमांचक मुकाबला देखने को मिल सकता है। यह देखना होगा कि दर्शक रोमांटिक लव स्टोरी की ओर आकर्षित होते हैं या देशभक्ति पर आधारित कहानी उनकी पसंद बनती है। इसके अतिरिक्त, अनन्या पांडे अभिनेता लक्ष्य लालवानी के साथ फिल्म 'चांद मेरा दिल' में भी दिखाई देंगी, जिसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है। यह एक खूबसूरत प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म बताई जा रही है।

भारत और दक्षिण अफ्रीका तीसरे एकदिवसीय में आज होंगे आमने-सामने

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम शनिवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले तीसरे एकदिवसीय को जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी। अभी तक ये सीरीज एक-एक से बराबरी पर है। भारतीय टीम ने पहला जबकि दक्षिण अफ्रीका ने दूसरा मैच जीता था। भारतीय टीम को इस मैच में भी विराट कोहली और रोहित शर्मा से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। विराट ने पहले दोनो एकदिवसीय में शतक लगाये थे जबकि रोहित ने पहले एकदिवसीय में अर्धशतकीय पारी खेली थी। भारतीय टीम दूसरे एकदिवसीय में 359 रन बनाने के बाद भी हार गयी थी। ऐसे में उसके गेंदबाजों को इस बार बेहतर प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम को टॉस हारने से भी नुकसान हुआ ऐसे में टीम की कप्तानी कर के एल राहुल उम्मीद करेंगे कि वह टॉज जीत जायें। मैच के पहले पिच और मौसम की भी अहम भूमिका होगी । विशाखापत्तनम का मौसम खेल के लिए उपयुक्त होगा जबकि पिच बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए सहायक होगी। यहां पर 300 से अधिक का लक्ष्य अच्छा माना जाएगा। भारत वाशिंगटन सुंदर को विश्राम देकर उनकी जगह तिलक वर्मा को मध्यक्रम की बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए अंतिम एकादश में शामिल करने पर भी गंभीरता से विचार करेगा। ऋषभ पंत भी एक विकल्प हो सकते हैं लेकिन तिलक स्पिन गेंदबाजी भी कर लेते हैं और वह बेहतरीन क्षेत्ररक्षक के भी हैं। भारतीय गेंदबाज भी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। अब भारत को उम्मीद होगी कि उनके युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा अच्छा प्रदर्शन करेंगे और प्रभावशाली अर्शदीप सिंह का पूरा साथ देंगे।

वहीं दूसरी और टेम्बा बावुमा की कप्तानी वाली दक्षिण अफ्रीका टीम भी जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेगी । टीम ने दूसरे एकदिवसीय में 359 रनों का रिकार्ड लक्ष्य हासिल किया था। दक्षिण अफीकी के एडेन मार्क्रम, कॉर्बिन बॉश, क्विंटन डी कॉक जैसे बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी की कमान लुंगी एनगिडी, मार्को यानसन, स्पिनर केशव महाराज के पास रहेगी।

विशाखापत्तनम की पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी मानी जाती है। यह एक ऐसी सहत है जिसपर खिलाड़ी खुलकर शॉट खेल सकते हैं। हालांकि, गेंदबाजों को भी यहां उछाल मिलता है। बल्लेबाज यहां लंबी पारियां खेल सकते हैं

टीमें इस प्रकार हैं

भारत = केएल राहुल (कप्तान/विकेट कीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

दक्षिण अफ्रीका = टेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी जॉर्जी, रुबिन हरमन, केशव महाराज, मार्को यानसन, एडेन मार्क्रम, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायन।

शेफाली वर्मा आईसीसी की महीने की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में, इन प्लेयर्स से मिलेगी चुनौती

दुबई (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में 87 रन की तेजतर्रार पारी खेलने और दो महत्वपूर्ण विकेट लेने वाली भारतीय क्रिकेटर शेफाली वर्मा को नवंबर महीने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है।

सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल के चोटिल हो जाने के कारण शेफाली को भारतीय टीम में जगह मिली थी। उन्हें फाइनल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था और अब वह महिलाओं के पुरस्कार के लिए नामांकित की गई तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं।

महिला वर्ग का पुरस्कार हासिल करने के लिए उन्हें संयुक्त अरब अमीरात की ईशा ओझा और थाईलैंड की थिपाचा पुथावोंग की चुनौती का सामना करना पड़ेगा। इन दोनों ने बैंकॉक में पहली आईसीसी महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया था।

यूएई की कप्तान ओझा ने सात टी-20 मैचों में 137.50 की स्ट्राइक रेट से 187 रन बनाए और सात विकेट लिए। उन्हें टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया था। पुथावोंग 15 विकेट लेकर संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज रही। उन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ फाइनल में चार विकेट लेकर थाईलैंड को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

विराट तीसरे एकदिवसीय में भी शतक लगाएंगे : इरफान पठान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के पहले दोनो मैचों में शतक लगाये हैं। ऐसे में अब उम्मीद की जा रही है कि वह शनिवार को विशाखापट्टनम में होने वाले तीसरे एकदिवसीय में भी शतक लगायेंगे। इसी को लेकर पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने उम्मीद जतायी है कि कोहली तीसरे एकदिवसीय में भी शतक लगाएंगे। कोहली ने पहले भी एक बार लगातार तीन शतक लगाये हैं। उन्होंने यह उपलब्धि साल 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ हासिल की थी।

पठान ने कहा, कोहली दो शतक लगा चुके हैं। अब उनके तीसरे मैच में भी शतक की उम्मीद है। ऐसा करना कोई आसान बात नहीं है। हैट्रिक बहुत कठिन काम है हालांकि विराट ये काम कर सकते हैं। वह शानदार फॉर्म में हैं। वह रनों के बहुत भूखे हैं। एक समय था जब कोहली अपने कंधों पर टेस्ट क्रिकेट का पूरा भार को लेकर चल रहे थे। वहीं अब वह एकदिवसीय क्रिकेट को अपने कंधों पर लेकर चल रहे हैं। एकदिवसीय में इससे भीड़ उमड़ती जा रही है। टी20 ने पिछ्ले कुछ सयम में हालात बदल

दिये थे। और सभी टी20 में ही कमेंटी तक कहना चाहते थे। उनका कहना था कि एकदिवसीय क्रिकेट बहुत लंबा हो जाता है। प्रशंसकों को भी लंबे समय तब बैठना पड़ा है

वहीं पिछ्ले दो मैचों में काफी आनंद आया और समय का पता ही नहीं चला। स्टेडियम भरा हुआ था और काफी लोग देखने आ रहे थे। कोहली और रोहित शर्मा के लिए लोगों में जबरदस्त दीवानगी रही। लोग अच्छा क्रिकेट देखने आ रहे हैं। इसी वजह से कोहली पर अच्छे प्रदर्शन की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। इसी कारण उम्मीद है कि वह वह तीसरे मैच में भी शतक लगाएं। उन्होंने दो मैचों में अलग योजनाओं के साथ उतरकर शतकीय पारियां खेलीं। इसका कारण है कि वह हालात के अनुसार खेलने में माहिर हैं। ।

स्टेन का बड़ा बयान: 'टॉप ऑर्डर में खेलते तो केएल राहुल बन जाते 'शतक मशीन', टीम की जरूरत समझ निभा रहे भूमिका'

नई दिल्ली (एजेंसी)। केएल राहुल ऐसे बल्लेबाज़ हैं जिसने पिछले दो मुकाबलों में भारत की पारी को निचले क्रम से संभाला है। राहुल के लगातार नाबाद अर्धशतकों ने न सिर्फ टीम को मजबूती दी, बल्कि दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज़ गेंदबाज डेल स्टेन तक को प्रभावित कर दिया हैं। गौरतलब है कि मौजूद जानकारी के अनुसार राहुल अब स्थायी रूप से 5 या 6 नंबर पर खेलते हैं और वहीं से मैच का मोमेंटम बदलने की क्षमता रखते हैं।

स्टेन ने स्टार स्पोर्ट्स पर बातचीत में कहा कि राहुल कम गेंदों में भी बिल्कुल सही समय पर स्ट्राइक रोटेट करना और अंत में तेज़ी से रन बनाना जानते हैं। बता दें कि रांची में उन्होंने 60 रन बनाए थे और इसके बाद रायपुर में

केवल 43 गेंदों पर 66 रन की तेज़ पारी खेली, जिस दौरान उन्होंने डेथ ओवर्स में सटीक शॉट से रन गति को ऊंचा रखा हैं। स्टेन ने यह भी कहा कि यदि राहुल ओपनिंग या नंबर 3 पर बल्लेबाज़ी करते, तो वे और अधिक शतक बना सकते थे, लेकिन टीम की ज़रूरत समझकर अपना रोल निभाना उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

हालांकि रायपुर में भारत 358 रन बनाने के बावजूद मैच हार गया, लेकिन राहुल की पारी को नजरअंदाज नहीं किया जा सका। विराट कोहली और ऋतुराज गायकवाड़ की शतकीय पारियों के बीच भी राहुल का असर स्पष्ट दिखाई दिया है। दक्षिण अफ्रीका की ओर से एडेन मार्करम के 110 रन की बदौलत यह ऐतिहासिक लक्ष्य हासिल किया गया, जिसके बाद अब सीरीज़ 1-1 की बराबरी पर पहुंच चुकी है।

अब विशाखापट्टनम में 6 दिसंबर को निर्णायक मुकाबला खेला जाना है, जहां उम्मीद की जा रही है कि राहुल एक बार फिर अपने शांत, संयमित और तेज़ फिनिशिंग अंदाज़ से अहम भूमिका निभाते नज़र आएंगे।

531 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने बनाये 212/4

क्राइस्टचर्च (एजेंसी) । शाई होप और जस्टिन ग्रिव्स की अच्छी बल्लेबाजी से वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे दिन अपनी दूसरी पारी में 4 विकेट पर 212 रन बना लिए थे । अब उसे जीत के लिए अंतिम दिन 319 रन और बनाने हैं। वेस्टइंडीज को इस मैच में जीत के लिए 531 रन का बड़ा लक्ष्य मिला है । लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी में वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं । टीम ने 72 रनों के अंदर ही अपने शीर्ष चार बल्लेबाजों को खो दिया पर इसके बाद होप और ग्रिव्स ने अच्छी बल्लेबाजी कर पारी संभाली । होप और ग्रिव्स ने पांचवें विकेट के लिए 140 रन की साझेदारी बनायी । होप ने इस दौरान 183 गेंद पर 1 छक्के और 15 चौकों की सहायता से 116 रन बनाये । वहीं ग्रिव्स 143 गेंद पर 6 चौकों की सहायत से 55 रन बनाकर खेल रहे हैं । इससे पहले न्यूजीलैंड ने कप्तान टॉम लैथम के 145 और रचिन रवींद्र के 176 रनों की सहायता से अपनी दूसरी पारी में 8 विकेट पर 466 रन बनाये । वहीं वेस्टइंडीज की ओर से केमार रोच ने 5, ओजे शिल्ड्स ने 2 और जायडन सिल्स ने 1 विकेट लिया । पहली पारी में मिली 64 रन की बढ़त के आधार पर न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को जीत के लिए 531 रन का लक्ष्य दिया । न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 231 रन बनाये । वहीं वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी में 167 रन बनाये थे ।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए अभ्यास में लगी है दीपिका

नई दिल्ली । देश की शीर्ष महिला तीरंदाज तीरंदाज दीपिका कुमारी ने कहा है कि उनका लक्ष्य आगामी लॉस एंजिल्स ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन करना है । दीपिका ने कहा कि वह इसी को देखते हुए दबाव वाले हालातों से निपटने के लिए मानसिक मजबूती बढ़ाने पर ध्यान दे रही हैं। चार बार की ओलंपियन दीपिका के अनुसार लॉस एंजिलिस ओलंपिक में उनके लिए पदक जीतने का अंतिम अवसर होगा । ऐसे में वह अपनी ओर से कोई कमी नहीं रखेंगी । इसी वह इस बार नहीं तो अभी नहीं की मानसिकता के साथ उतरेंगी। दीपिका ने कहा कि अभी निकट भविष्य में उनका संन्यास का कोई इरादा नहीं है । उन्होंने कहा, मुझे लगता है अब तक की सभी प्रतियोगिताओं से मुझे अच्छा अनुभव मिला है। दीपिका ने बताया कि उनकी वर्तमान ट्रेनिंग में मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं को बेहतर करने पर काम हो रहा है । इस तीरंदाज ने कहा, 'मैं अपने खेल के मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं पर काम कर रही हूं और यह प्रीमियर लीग मुझे और बेहतर बनाने में मदद कर रही है । दर्शकों के सामने खेलने से दबाव तो आता है, लेकिन यही दबाव खिलाड़ियों को बेहतर बनाने में मदद करता है । उन्होंने कहा, 'मैं हर तकनीक में महारत हासिल करने की कोशिश कर रही हूं, जिससे दबाव में भी अच्छा प्रदर्शन किया जा सके ।

सिराज को टीम से बाहर रखे जाने पर आकाश चोपड़ा ने सवाल उठाये

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटार आकाश चोपड़ा ने कहा है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को एक ही प्रारुप पर सीमित रखना सही नहीं है। चोपड़ा के अनसार उन्हें एकदिवसीय प्रारुप में भी रखा जाना चाहिये। उनकी कमी टीम को खल रही है। भारतीय टीम की गेंदबाजी एकदिवसीय सीरीज में उम्मीद के अनुसार नहीं रही है। टीम दूसरे एकदिवसीय में 359 रनों के भी लक्ष्य का बचाव नहीं कर पायी । इसी को देखते हुए चोपड़ा ने सिराज को सिर्फ टेस्ट में ही उतरने पर सवाल उठाये हैं उन्होंने कहा कि उन्हें ये बिल्कुल समझ में नहीं आ रहा । सिराज को एक ही प्रारुप का खिलाड़ी क्यों बनाया जा रहा है। चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर कहा, 'ये सिराज के साथ क्या हो रहा है, ये आपको समझ में आ रहा है? मेरी समझ में तो बिल्कुल नहीं आ रहा है । मुझे ये बिल्कुल भी समझ नहीं आ रहा कि वह एक प्रारुप का खिलाड़ी कैसे बन गया हैं। वैसे ये हुआ कब? क्योंकि जब वह टेस्ट क्रिकेट खेलता है तो हम सब उनकी तारीफ करते हैं । हम उसके जज्बे और जुनून की तारीफ करते है!' उन्होंने साथ ही कहा, 'वह विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं पर अचानक ही एकदिवसीय टीम से क्यों बाहर रखे गये हैं ये समझ से परे है? इस समय वह घरेलू क्रिकेट खेल रहा है पर एकदिवसीय का हिस्सा नहीं हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में भी उसे शामिल नहीं किया गया था हालांकि उसने एकदिवसीय प्रारुप में भी काफी विकेट लिए हैं । ये हैरानी की बात है कि अन्य सभी खेल रहे हैं पर सिराज को अवसर नहीं मिला है, इसके पीछे क्या कहानी है ये मुझे समझ नहीं आई है । सिराज ने अब तक 47 एकदिवसीय मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम 73 विकेट हैं। एकदिवसीय में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 21 रन देकर 6 विकेट हैं। उन्होंने अब तक केवल 16 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम 14 विकेट दर्ज हैं। वहीं 45 टेस्ट में उनके नाम 139 विकेट दर्ज हैं।

2027 विश्वकप तक अपना करियर बढ़ा सकते हैं विराट और रोहित : साउदी

शारजाह (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज टिम साउदी ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि ये दोनो ही फिट हैं और 2027 विश्वकप तक खेल सकते है। साउदी के अनुसार उम्र इनके लिए बाधा नहीं बन सकती क्योंकि दोनो ही लय में हैं और रन बना रहे हैं। साथ ही कहा कि अगर दोनो इसी प्रकार खेलते रहे तो अपने करियर को विश्वकप तक खींच सकते हैं। दोनो ने ही टी20 और टेस्ट प्रारुप से संन्यास ले लिया है और अब एकदिवसीय पर ही ध्यान दे रहे हैं। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातकर दो मैचों में शतक लगाये हैं जबकि वहीं रोहित ने भी पिछले तीन मैचों में एक शतक और एक अर्धशतक के साथ ही दिखाया है कि उनमें अभी काफी क्रिकेट शेष है।

साउदी ने आईएलटी20 के चौथे सत्र के अवसर पर कहा, 'कोहली शायद अब तक के सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाज हैं और अगर वह 37 साल की उम्र में भी प्रदर्शन कर रहे हैं तो क्यों नहीं।' उन्होंने कहा, '37 के रोहित ने भी हाल में ऑस्ट्रेलिया में शतक लगाया था तो वे दोनों अब भी प्रदर्शन कर रहे हैं। जब तक वे टीम के लिए योगदान दे रहे हैं, जहां तक मेरा माना है कि उम्र केवल एक संख्या है।' 2027 विश्व कप में दोनों बल्लेबाज लगभग 39 साल के होंगे इसलिए उनके भविष्य को लेकर चर्चा लगातार जारी है।

साउदी ने कहा, 'ये उनका फैसला है। अगर उन्हें लगता है कि वे अब भी उच्चतम स्तर पर खेल सकते हैं तो क्यों नहीं।' उन्होंने कहा, 'जैसा मैंने कहा कि आपके पास विराट कोहली हैं जो शायद अब तक के सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाज हैं और अगर वह विश्व कप के लिए उपलब्ध हैं तो मुझे लगता है कि टीम उन्हें खेलते देखना चाहेगी।'

भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 25 वर्षों में पहली बार अपने घरेलू मैदान पर टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। इस दौरान भी टीम को रोहित और विराट की कमी खली। साउदी ने हालांकि भारत की हार को अधिक गंभीर रूप में नहीं लिया। उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है। अब वे फिर से टीम बनाने के चरण में हैं। जब हम वहां गए थे तब उनके पास बहुत अनुभव वाली टीम थी।' उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन जब आप रोहित, अश्विन और आर अश्विन को हटा देते हैं, तो प्रभाव पड़ना ही है।'

एफसी गोवा मुंबई सिटी को हराकर AIFF सुपर कप के फाइनल में पहुंचे

फातोरदा (गोवा) । एफसी गोवा ने यहां पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक रोमांचक सेमीफाइनल में मुंबई सिटी एफसी को 2-1 से हराकर तीसरी बार एआईएफएफ सुपर कप फाइनल में जगह बनाई। डिफेंडिंग चैंपियन को अपनी पूरी ताकत लगानी पड़ी, लेकिन गुरुवार रात ब्रिसन फर्नांडिस (20') और डेविड टिमोर (23') के पहले हाफ में किए गए दो शुरुआती गोल ईस्ट बंगाल के साथ फाइनल मुकाबले के लिए काफी साबित हुए । मुंबई सिटी एफसी, जिसने दूसरे हाफ में जोरदार वापसी की और ब्रैंडन फर्नांडिस के गोल से एक गोल कम किया, इस टूर्नामेंट में लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल से बाहर हो गई । मैच शुरू होने से पहले ही काफी ड्रामा हुआ, जब एफसी गोवा के कप्तान इकर गुआररत्सेना को टनल में मैच से पहले हुई एक घटना के लिए बाहर कर दिया गया, और आखिरी मिनट में जेवियर सिवेरियो को स्टार्टिंग इलेवन में उनकी जगह शामिल किया गया । अपने लीडर को खोने के बावजूद गोवा ने अपना हौसला नहीं खोया और जीत हासिल की ।

ब्रेविस आक्राम पारी से मैच बदलने में सक्षम : स्टेन

रायपुर । दक्षिण अफीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस की जमकर प्रशंसा की है । स्टेन के अनुसार ब्रेविस अपनी आक्रामक पारी से मैच बदलने में सक्षम हैं औ ये उन्होंने एक बार फिर भारतीय टीम के खिलाफ हुए दूसरे मैच में खेली अपनी पारी से साबित किया है । ब्रेविस ने इस मैच में 34 गेंदों पर पांच छक्कों की सहायता से 54 रन बनाये । स्टेन ने कहा कि ब्रेविस में छक्के मारने की जबरदस्त क्षमता है, ब्रेविस और उनकी छक्के मारने की योग्यता के बारे में कुछ समय से बहुत बातें हो रही हैं । उनके अंडर-19 में रहने के दिनों से ही हमने उनकी प्रतिभा को देखा है । साथ ही कहा कि मैं उनके बारे में सुनता रहता था और उन्हें छक्के मारते हुए देखता था । अब हम इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखने लगे हैं । उनमें वह क्षमता है, और बल्लेबाज अब गेंद छोड़ना नहीं चाहते । उनमें बड़े शॉट लगाने की क्षमताएं हैं । स्टेन ने कहा, 'वे इसी तरह ट्रेनिंग करते हैं । उनके पास हर गेंद पर छक्के मारने के विकल्प हैं । ब्रेविस भविष्य है । वह सिर्फ 22 साल का है । अगर वह अपने करियर के इस स्टेज पर 359 रन का पीछा करने में माहिर है, तो सोचिए 8 या 10 साल में यह कैसा होगा । यह नॉर्म बन सकता है ।

इस वर्ष गूगल पर सबसे अधिक सर्च हुआ क्रिकेट

नई दिल्ली । वैश्विक स्तर पर इस वर्ष सर्च इंजन गूगल पर क्रिकेट के विभिन्न प्रारूपों एशिया कप, चैंपियंस ट्रॉफी, महिला क्रिकेट विश्वकप और इंडियन प्रीमियर लीग (ड्ढक्क) की दो टीमों को सबसे अधिक खोजा गया । शुक्रवार को जारी हुई इस रिपोर्ट में एथलीट, स्पर्धा और टीमों के बीच टॉप ट्रेंडिंग ग्लोबल सर्च का प्रमुख आकर्षण रहे क्रिकेट के बढ़ते डिजिटल फुटप्रिंट देखने को मिला । यह खेल लॉस एंजेलिस 2028 में ओलंपिक में वापसी करने वाला है। एशिया कप, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 दूसरे से चौथे स्थान पर रहे । ये तीनों टूर्नामेंट भारतीय क्रिकेट टीमों ने जीते। एशिया कप 2025 ने तीन भारत बनाम पाकिस्तान मैचों के बाद हुआ रोमांचक फाइनल भी शामिल था जिसका फैसला आखिरी ओवर में हुआ, यह सब तिलक वर्मा की मैच जिताने वाले प्रयास की वजह से काफी सुर्खियां में रहा । आठ साल के अंतराल के बाद हुई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर खिताब फिर से हासिल किया । महिला क्रिकेट विश्व कप में, भारत ने अपना पहला ग्लोबल खिताब जीता । यह देश में महिला खेलों के लिए एक ऐतिहासिक पल था । इस बीच, गूगल पर सबसे अधिक खोजे जाने वाले स्पोर्ट्स टीमों की रैंकिंग में दो आईपीएल फ्रेंचाइजी 'पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स' टॉप पांच में शामिल हो गईं । क्रिकेट के अलावा, फुटबॉल और गोल्फ ने भी अपनी मजबूत मौजूदगी बनाए रखी । फीफा क्लब विश्वकप स्पोर्ट्स स्पार्धा कैटेगरी में टॉप पर रहा, जबकि राइडर कप टॉप पांच में शामिल था । एथलीट कैटेगरी में, सर्च में अमेरिकी बॉक्सर टेरेंस क्रॉफर्ड सबसे आगे रहे, उसके बाद उत्तरी आयरलैंड के गोल्फर रोरी मैकलॉय का नंबर आया । अमेरिकी फुटबॉल स्टार शेड्यूर सैंडर्स, जालेन हर्ट्स और कनाडाई बास्केटबॉल खिलाड़ी शाई गिलजियस-अलेक्जेंडर ने शीर्ष पांच में रहे ।

'शमी कहां हैं, आखिर क्यों नहीं खेल रहे', लगातार अनदेखी पर दिग्गज गेंदबाज ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में तेज गेंदबाजी की रीढ़ माने जाने वाले मोहम्मद शमी एक बार फिर चयन को लेकर विवाद के केंद्र में हैं। मार्च 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से शमी को किसी भी भारतीय स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया है। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन और बेहतरीन फिटनेस दिखाने के बावजूद राष्ट्रीय टीम में उनकी वापसी न होना कई दिग्गजों को खटक रहा है। खासकर पूर्व ऑफ-स्पिनर हरभजन सिंह ने खुलकर सवाल उठाते हुए कहा है कि इतने अनुभवी और मैच-विनिंग गेंदबाज को लगातार बाहर रखना टीम की सोच पर सवाल खड़ा करता है।

शमी की गैरमौजूदगी पर हरभजन सिंह का तीखा सवाल

हरभजन सिंह लंबे समय से क्रिकेट के मामलों पर अपनी साफ राय रखने के लिए जाने जाते हैं। रायपुर वनडे के बाद अपने चैनल पर उन्होंने पूछा, 'शमी कहां हैं? आखिर क्यों नहीं खेल रहे?' उन्होंने इशारा किया कि शमी जैसे प्रूवन मैच-विनर को एकदम से टीम से दूर कर देना भारतीय चयन प्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़ा करता है। शमी ने पिछले एक दशक में टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों फॉर्मेट में भारत के लिए निर्णायक प्रदर्शन दिया है। ऐसे में एक फिट और फॉर्म में गेंदबाज को नजरअंदाज करना ना सिर्फ टीम की गहराई को कम करता है बल्कि अनुभव की कमी भी पैदा करता है।

घरेलू क्रिकेट में शानदार वापसी, फिर भी चयन से दूर

35 वर्षीय मोहम्मद शमी इन दिनों सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बंगाल की ओर से खेल रहे हैं। उन्होंने टूर्नामेंट में बेहतरीन लाइन-लेंथ, स्विंग और डेथ ओवरों में सटीक गेंदबाजी के साथ यह साबित कर दिया कि वह अभी भी शीर्ष स्तर पर खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसके बावजूद चयन समिति ने उन्हें किसी भी सीरीज के लिए शामिल नहीं किया, जिससे यह सवाल और मजबूत हो गया है कि उनके बाहर रहने की वजह तकनीकी है, चयन नीति है या कुछ और।

क्या टीम इंडिया अनुभव की अनदेखी कर रही है?

हरभजन का मानना है कि भारत बुमराह जैसे स्टार बॉलर पर अत्यधिक निर्भर हो गया है, जबकि टीम को चाहिए कि वह बुमराह की अनुपस्थिति में भी जीतने की कला विकसित करे। ऐसे में शमी जैसे वरिष्ठ गेंदबाज को मौका देना टीम संयोजन के लिए बेहद जरूरी है। उनकी विविधताओं रिवर्स स्विंग, लेट मूवमेंट और डेथ-ओवर विशेषज्ञता का कोई विकल्प आसानी से नहीं मिलता।

क्या चयनकर्ताओं को शमी को नई भूमिका देने की जरूरत है?

कई विशेषज्ञ मानते हैं कि शमी को पूर्णकालिक नहीं तो सीमित मैचों में रोटेशनल भूमिका दी जा सकती है। भारत को युवा गेंदबाजों को तैयार करना चाहिए, लेकिन सीनियर खिलाड़ियों को भूलकर नहीं। ड्रेसिंग रूम में शमी की उपस्थिति ही युवा तेज गेंदबाजों के लिए सीख का एक बड़ा स्रोत है।

उत्तर भारत में ठंड, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान के इलाके शीतलहर की चपेट में

-जम्मू-कश्मीर और ऊपरी इलाकों में हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूरा उत्तर भारत ठंड की चपेट में है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और आसपास के इलाकों में शीतलहर चल रही है। दिल्ली-एनसीआर में पिछले दो दिनों से तापमान 5 डिग्री सेल्सियस के आसपास है। मौसम विभाग ने बताया कि जम्मू-कश्मीर से लेकर पंजाब-हरियाणा तक बने पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से उत्तर भारत में ठंड बढ़ने की संभावना है। वहीं, यूपी के भी कई इलाके शीतलहर के चपेट में हैं। मौसम विभाग ने बताया कि कई इलाकों में सुबह कोहरे के साथ तापमान 5 डिग्री के आसपास बना हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक बिहार में अभी न्यूनतम तापमान 11-12 डिग्री सेल्सियस तक बना हुआ है, जबकि अधिकतम तापमान 22 से 27 डिग्री के आसपास है। हालांकि, ग्रामीण इलाकों समेत पंजाब, हरियाणा से लेकर आसपास के क्षेत्रों में शीतलहर की स्थिति बनी हुई है। मौसम विभाग ने बताया कि इन हिस्सों में पश्चिमी विक्षोभ की वजह से आसमान में बादल घिरे हुए हैं, हालांकि, किसी प्रकार के बारिश का कोई अलर्ट नहीं है। वहीं इसकी वजह से पहाड़ी से मैदानी इलाकों की ओर चलने वाली तेज हवाएं शीतलहर की स्थिति की और भी गंभीर बना रही है।

मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर के साथ-साथ कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से 4-5 डिग्री सेल्सियस नीचे है, जिसके कारण शीतलहर की स्थिति बनी हुई है। जम्मू-कश्मीर में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। इस वजह से आसपास के इलाकों में बादल छाए हैं। हालांकि, पहाड़ी या मैदानी इलाकों में बारिश या बर्फबारी की चेतावनी जारी की गई है। एक और कमजोर पश्चिमी विक्षोभ 5 दिसंबर को पश्चिमी हिमालय की ओर बढ़ रहा है और पहाड़ों को पार करने में इसे करीब 24 से 36 घंटे लगेंगे। इस दौरान निचले इलाकों पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के आसपास ठंड का असर बढ़ने की संभावना है।

पहाड़ों पर पश्चिमी विक्षोभ की वजह से जम्मू-कश्मीर और ऊपरी इलाकों में हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान के कुछ हिस्सों में शीतलहर की स्थिति बने रहने की संभावना है। वहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश में एक इंड्यूस्ड साइक्लोनिक सर्कुलेशन की स्थिति से कोहरे और ठंड की संभावना बढ़ गई है। मौसम विभाग ने बताया कि नॉर्थईस्ट के राज्यों के कुछ हिस्सों में घना कोहरा पड़ सकता है। वहीं, तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश, केरल, लक्षद्वीप और दक्षिण कर्नाटक में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

यूपी के कई इलाके शीतलहर की चपेट में हैं। वहीं, राज्य के कई हिस्से घने कोहरे से घिरे हैं। सुबह शाम कड़ाके की ठंड से लोगों का हाल बेहाल है, हालांकि, दिन निकलने के बाद धूप खिलने की वजह से लोगों को राहत है। वहीं, बिहार में मौसम अभी शुष्क बना हुआ है। राज्य में न्यूनतम तापमान 11 से 12 डिग्री सेल्सियस के आसपास है। वहीं, अधिकतम तापमान 22 से 27 डिग्री के आसपास बना है। पहाड़ों पर एक्टिव पश्चिमी विक्षोभ का असर जल्द ही दिखेगा। गलन वाली सर्दी पड़ सकती है।

एसआईआर को लेकर अखिलेश की योगी से मांग... किसी भी बीएलओ पर दबाव नहीं डाले

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के अब तक हुए काम को प्रकाशित करने और सुनिश्चित करने की मांग की कि बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) पर 'जानलेवा दबाव' न डाला जाए। अखिलेश यादव ने मांग की कि राज्य में एसआईआर का जितना भी काम हुआ है, उसका आंकड़ा प्रकाशित करे। उन्होंने कहा, बीएलओ पर जानलेवा दबाव हटाकर अतिरिक्त अधिकृत लोगों को समयावधि के अनुरूप काम पर लगाया जाए।' यादव ने कहा कि सुनिश्चित किया जाए कि सत्ताधारियों के दल और उनके संगी-साथी पिछले दरवाज़े से इस काम में अब नहीं हैं और न आगे कभी होने वाले है।

बेंगलुरु के मेट्रो स्टेशन पर व्यक्ति ने ट्रेन के सामने कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या की

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के केंगेरी मेट्रो स्टेशन पर एक व्यक्ति ने ट्रेन के सामने कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या की। जिससे पर्पल लाइन पर मेट्रो सेवाएं कुछ देर के लिए रुक गई। मेट्रो अधिकारियों ने बताया कि मृतक की पहचान 38 वर्षीय शांतगौड़ पुलिसपाटिल के रूप में हुई है। यह घटना सुबह सवा आठ बजे हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शांतगौड़ ने ट्रेन से टकराने के लिए सही समय पर छलांग लगाई थी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने पैरामेडिकल टीम के साथ मिलकर शव को तुरंत पटरियों से हटाया। इस घटना के बाद पर्पल लाइन पर मैसूर रोड से चल्लाघट्टा तक सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गईं। अधिकारियों ने बताया कि बाद में सेवाओं को बहाल किया गया। बैंग्लोर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) ने कहा, ''सुबह 9:40 बजे तक ज्ञान भारती और चल्लाघट्टा के बीच की सेवाएं पूरी तरह से बहाल कर दी गई हैं। अब पूरे पर्पल लाइन पर ट्रेन परिचालन सामान्य समय-सारणी के अनुसार हो रहा है।''

राहुल गांधी की सांसदी को चुनौती देने वाली याचिका हाईकोर्ट ने की खारिज

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लोकसभा चुनाव से अयोग्य करार देने के आग्रह वाली याचिका खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति शेखर बी सराफ और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने यह फैसला स्थानीय अधिवक्ता अशोक पांडेय की याचिका पर दिया। याची ने इस आधार पर राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता खत्म करने का आग्रह किया था कि गुजरात की एक अदालत से मानहानि के केस में उन्हें सजा सुनाई गई थी, इसलिए वह सांसद के रूप में अयोग्य थे। कोर्ट ने कहा कि राहुल गांधी की सजा पर सुप्रीम कोर्ट ने 2023 में ही रोक लगा दी थी। ऐसे में राहुल की अयोग्यता अमल में नहीं है। ऐसे में याचिका खारिज की जाती है।

तीन वर्ष की बच्ची से दुष्कर्म करने वाले को आजीवन सश्रम कारावास

कुशीनगर (एजेंसी)। कुशीनगर की एक विशेष 'पॉक्सो' अदालत ने एक व्यक्ति को पांच साल से अधिक समय पहले 3 साल की बच्ची से बलात्कार करने के जुर्म में आजीवन कारावास की सजा सुनाई। यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत विशेष अदालत ने दोषी पर पांच लाख का जुर्माना लगाया। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फूलबदन व अजय गुप्ता ने बताया कि अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार ने मामले में सत्येंद्र को दोषी करार देकर कहा कि आरोपी को सभ्य समाज में रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती, क्योंकि मौका मिलने पर वह किसी अन्य मासूम बच्चे को भी अपना शिकार बना सकता है। अदालत ने कहा कि तीन साल की बच्ची से ऐसा जघन्य कृत्य करने वाला व्यक्ति अधिकतम सजा का हकदार है। सरकारी वकील ने अदालत को बताया कि वादी ने 23 जून 2020 को नेबुआ नौरंगिया थाने में सूचना दी कि आरोपी आम खिलाने के बहाने उनकी तीन वर्ष की बच्ची को अपने घर ले गया। घर में कोई नही था, जहां उसने बच्ची से दुष्कर्म किया। इधर बच्ची को ढूंढने निकली उसकी मां को लोगों ने बताया कि उन्होंने बच्ची को सत्येंद्र संग जाते देखा था।

गूगल पर 2025 में सबसे ज्यादा कुंभमेले के बाद धर्मेंद्र को किया गया सर्च

नई दिल्लस्त्री (एजेंसी)। गूगल ने 2025 के सबसे ज्यादा सर्च किए गए न्यूज इवेंट की सूची जारी की है। इस लिस्ट में कुंभ मेले के बाद धर्मेंद्र सबसे ज्यादा सर्च किए गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पहले नंबर पर सबसे ज्यादा महाकुंभ मेला सर्च किया गया। इसके बाद दूसरे नबंर पर धर्मेंद्र, तीसरे नंबर पर बिहार इलेक्शन, चौथे पर भारत-पाकिस्तान न्यूज और पांचवें नंबर पर दिल्ली इलेक्शन रिजल्ट सर्च किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक धर्मेंद्र को लेकर पांच चीजें सबसे ज्यादा सर्च गईं। सबसे पहले तो लोग ये जानना चाहते थे कि धर्मेंद्र जिंदा हैं या नहीं। दरअसल, धर्मेंद्र के निधन से 10-15 दिन पहले ही उनकी मौत की खबरें आई थी, जिसे हेमा मालिनी और ईशा देओल ने खारिज कर दिया था। दूसरे नंबर पर धर्मेंद्र की हेल्थ अपडेट सर्च की गई। तीसरे नंबर पर धर्मेंद्र की न्यूज अपडेट सर्च किया गया। चौथे नबंर पर लोगों ने सर्च किया कि क्या धर्मेंद्र आज जिंदा हैं। इसके अलावा लोगों ने धर्मेंद्र की मौत का कारण भी सर्च किया। बता दें धर्मेंद्र अपने आखिरी समय में काफी बीमार थे। उन्हें मुंबई मे अस्पताल में रखा गया था। उन्हें वेंटीलेटर पर भी शिफ्ट किया गया था। जब वो हॉस्पिटल में थे तभी उनकी डेथ की फेक खबरें आई थीं। हालांकि, परिवार ने इन खबरों को गलत बताया था।

बिहार की 53 जेलों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर 9,073 नए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे

पटना (एजेंसी)। बिहार राज्य के सभी जेलों के चप्पे-चप्पे पर अब खुफिया निगरानी रहेगी। उप मुख्यमंत्री सह गृहमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि 53 जेलों में सुरक्षा व्यवस्था को अत्याधुनिक बनाने 9,073 नए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। राज्य की आठ जेलों में पहले लगे कैमरों को नए लगाने वाले कैमरों से इंटीग्रेट किया जाएगा। इसके लिए 155 करोड़ 38 लाख 36 हजार 153 रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस परियोजना से बिहार की जेल सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी। गृहमंत्री सम्राट ने बताया कि कारा एवं सुधार सेवाएं निरीक्षणालय को बेलट्रान द्वारा उपलब्ध कराए गए संशोधित विस्तृत प्राक्कलन के आधार पर मंजूरी प्रदान की गई है। इस परियोजना में सीसीटीवी कैमरों, सॉफ्टवेयर, फील्ड इंफ्रास्ट्रक्चर, फाइबर नेटवर्क, स्थानीय मानीटरिंग व्यवस्था, पांच वर्षों के लिए संचालन एवं रखरखाव के लिए मैनपावर लागत, परामर्श शुल्क, आकस्मिक व्यय तथा बेल्ट्रान मार्जिन को भी सम्मिलित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट प्रविधान के अंतर्गत इस योजना को मंजूरी प्रदान की गई है। मालूम हो कि गृह मंत्री का पदभार लेते ही सम्राट ने जेलों की निगरानी बढ़ाने का निर्देश अधिकारियों को दिया था। जेलों में कैदियों के पास से मोबाइल और बिना अनुमति बाहरी खाना मिलने की शिकायत पर सख्त एक्शन लेने का निर्देश दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने अरुंधति रॉय की किताब पर रोक लगाने की मांग को खारिज किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अरुंधति रॉय की नई किताब मदर मैरी कम्स टू मी की बिक्री और प्रचार पर रोक लगाने की मांग वाली जनहित याचिका को खारिज किया है। याचिकाकर्ता ने किताब के कवर पेज पर अरुंधति रॉय को सिगरेट पीते हुए दिखाए जाने पर आपत्ति जाहिर की थी। यह सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003 (सीओटीपीए, 2003) का उल्लंघन है और धूम्रपान को बढ़ावा देता है, जबकि कानून के अनुसार चेतावनी के बिना इसतरह के चित्र का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए।

मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिका खारिज की। अदालत ने कहा कि अरुंधति रॉय एक जानी-मानी लेखिका हैं और उन्होंने किसी भी प्रकार से धूम्रपान का प्रमोशन नहीं किया है।

किताब में आवश्यक चेतावनी भी मौजूद है, और किसी साहित्यिक कृति के कवर पेज को धूम्रपान के प्रचार के बराबर नहीं माना जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने केरल हाईकोर्ट के पहले के आदेश में दखल देने से इनकार कर दिया, जिसने भी रोक लगाने से मना कर दिया था। यह जनहित याचिका अधिवक्ता राजसिंहन ने दायर की थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि आपत्ति केवल कवर पर सिगरेट वाले चित्र से थी, क्योंकि यह धूम्रपान को बौद्धिकता और रचनात्मकता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करता है और युवा पाठकों को गुमराह कर सकता है। अदालत ने यह भी माना कि सीओटीपीए, 2003 का नियम (पैकेज पर चेतावनी छापना) विशुद्ध रूप से तंबाकू उत्पादों के पैकेट पर लागू होता है, किताबों पर नहीं।

वक्फ संपत्ति : केंद्र सरकार ने पंजीकरण को लेकर दी तीन महीने की राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों को रजिस्टर करने की छह महीने की अवधि शुक्रवार को समाप्त हो रही है, लेकिन अभी भी लाखों संपत्तियां रजिस्ट्रेशन से बाहर हैं। इसके बाद उन्हें राहत देकर केंद्र ने वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण के लिए 3 महीने की राहत देने का निर्णय लिया है। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, आज वक्फ संपत्ति रजिस्ट्रेशन का आखिरी दिन है। पूरे देश में अब भी लाखों संपत्तियां पोर्टल पर दर्ज नहीं हो सकी हैं। कई सांसद, सामाजिक नेता और वक्फ से जुड़े प्रतिनिधि मुझसे मिले और समय बढ़ाने की मांग की। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कारण हम इस समय सीमा को सीधे बढ़ा नहीं सकते, लेकिन जिन लोगों ने कोशिश की और किसी कारण रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाया, उनके खिलाफ तीन महीने तक कोई कठोर कार्रवाई नहीं होगी। न कोई पेनल्टी लगेगी, न कोई जुर्माना। उन्होंने बताया कि अब तक 151,000 से अधिक वक्फ संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है, जिसमें कर्नाटक (50,800), पंजाब, जम्मू-कश्मीर और कई अन्य राज्यों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं कुछ बड़े राज्यों में रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया धीमी रही।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने बताया कि कई क्षेत्रों से शिकायतें मिलीं कि उम्मीद पोर्टल धीमा चल रहा था या लोगों के पास आवश्यक दस्तावेज पूरे नहीं थे। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि कोई भी व्यक्ति बिना परेशान हुए अपनी वक्फ संपत्ति रजिस्टर करा सके। इसलिए तीन महीने तक हम किसी पर कोई सख्ती नहीं करने वाले है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा था कि 6 महीने की समयसीमा के बाद सरकार तारीख नहीं बढ़ा सकती, लेकिन ट्रिब्यूनल के पास अधिकार है कि वह आपकी स्थिति समझकर 6 महीने तक की अतिरिक्त राहत दे सकता है। इसलिए जिन्हें परेशानी हो, वे वक्फ

ट्रिब्यूनल से संपर्क करें। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि केंद्र सरकार हमेशा लोगों की मदद करने के लिए तैयार है, लेकिन वक्फ संशोधन कानून संसद ने पास किया है, इसलिए उसमें बदलाव केंद्र स्वयं नहीं कर सकता।

होटल धौलाधार में भीषण आग, 15-20 करोड़ के नुकसान की आशंका ; कई अधिकारी बाल-बाल बचे

धर्मशाला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला शहर में विगत देर रात बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब टूरिज्म विभाग के प्रसिद्ध होटल धौलाधार में अचानक आग भड़क उठी। कोतवाली बाजार स्थित इस होटल के किचन से आग की शुरुआत हुई और देखते ही देखते उसने पूरे होटल के हॉल, किचन और रेस्तरां क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई टीमें मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। घटना के समय होटल में शीतकालीन सत्र के कारण कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ठहरे हुए थे। तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किए गए और सभी अधिकारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घटनास्थल पर एचपीटीडीसी के चेयरमैन (कैबिनेट रैंक) आरएस बाली और डीसी कांगड़ा हेम राज बैरवा भी मौजूद रहे। दोनों अधिकारियों ने मौके पर हालात का निरीक्षण किया और फायर ब्रिगेड से पल-पल की जानकारी ली। प्रशासन का कहना है कि आग लगने की वजह का अभी तक कोई पुख्ता कारण सामने नहीं आया है। जांच टीम को गठित कर दिया गया है, जो आग के कारणों और कुल नुकसान का विस्तृत आकलन करेगी।

संचार साथी' ऐप बना चैंपियन, डाउनलोड में एप्पल, गूगल ऐप को पीछे छोड़ बना नंबर वन

-विरोध के बावजूद दूरसंचार विभाग ने ऐप इंस्टॉल करने का अपना आदेश वापस लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्ष, मोबाइल कंपनियों और नागरिक समाज के विरोध के बाद, दूरसंचार विभाग ने सभी मोबाइल फोन में 'संचार साथी' ऐप पहले से इंस्टॉल करने का अपना आदेश वापस ले लिया है, लेकिन इसका नतीजा यह हुआ कि जिस ऐप को पहले नजरअंदाज किया जाता था वह अचानक सुर्खियों में आ गया।

मीडिया रिपोर्ट में सेंसर टावर के आंकड़ों के मुताबिक संचार साथी ऐप जो 29 नवंबर को भारत में सबसे ज्यादा डाउनलोड किया गया ऐप में 127वें स्थान पर था वह 2 दिसंबर को ऐपल ऐप स्टोर पर गूगल जेमिनाई और चैटजीपीटी को पीछे छोड़ते हुए पहले पायदान पर पहुंच गया। सरकार द्वारा 3 दिसंबर को आदेश वापस लेने के बाद भी यह शीर्ष स्थान पर बना हुआ है। ऐप गुरुवार तक उस स्थान पर बना रहा। उत्पादकता श्रेणी के भीतर, यह 1 दिसंबर के 15 वें स्थान से बढ़कर 3 दिसंबर को दूसरे पायदान पर पहुंच गया और अब शीर्ष स्तर पर बना हुआ है।

उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि ऐप के बारे में जिज्ञासा तब बढ़ी जब गोपनीयता से जुड़ी संभावित चिंता पर बहस शुरू हुई और इसके कारण ही डाउनलोड में वृद्धि हुई। कुछ विपक्षी नेताओं का दावा है कि बीजेपी कार्यकर्ताओं ने निर्देश को समर्थन देने की बात दिखाने के लिए बड़ी संख्या में ऐप डाउनलोड किए और उनका यह तर्क है कि डाउनलोड में यह तेजी अस्थायी साबित हो सकती है।

मोबाइल उपकरण निर्माताओं ने चेतावनी दी कि इस तरह की चीजें लागू करने से एक मिसाल कायम हो सकती है, जिससे अन्य मंत्रालय या राज्य सरकारें भी अपने संबंधित ऐप इंस्टॉल के लिए यही मांग करने के लिए प्रोत्साहित हो सकते हैं। कंपनियों ने यह भी बताया कि भारत बड़ी संख्या में फोन निर्यात करता है जिसका अर्थ यह है कि अनिवार्य रूप से इंस्टॉल करने के लिए घरेलू और निर्यात वाले उपकरणों के लिए अलग-अलग उत्पादन की जरूरत हो सकती है जिससे निर्माण प्रक्रिया और जटिल हो सकती है। हालांकि, डीओटी ने 3 दिसंबर को निर्देश वापस लेने के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि उसने डाउनलोड में वृद्धि देखने के बाद कार्रवाई की।

आने वाले सालों में हम ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में दुनिया में पहले नंबर पर होंगे

-गडकरी बोले- हमारी सरकार की प्राथमिकता है वैकल्पिक ईंधन और बायोफ्यूल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि देश की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री तेजी से आगे बढ़ रही है और आने वाले सालों में यह दुनिया में पहले नंबर पर होगी। उन्होंने लोकसभा में कहा कि जब मैंने मंत्री पद संभाला था, हमारी ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री दुनिया में सातवें नंबर पर थी, लेकिन अब जापान को पछाड़कर दुनिया में तीसरे नंबर पर आ गई है।

भारत के ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री पर गडकरी ने कहा कि मेरे सह मंत्री हरदीप पुरी वैकल्पिक ईंधन पर काम कर रहे हैं। वहीं प्रल्हाद जोशी ग्रीन हाइड्रोजन मिशन पर काम कर रहे हैं। इससे देश के ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के आकार को बढ़ाने में मदद मिलेगी। गडकरी के मुताबिक अमेरिका 79 लाख करोड़ रुपए के साथ दुनिया का सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार है। चीन 49 लाख करोड़ के साथ दूसरे नंबर पर है। अब 22 लाख करोड़ रुपए के आकार के साथ भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री है। गडकरी ने कहा कि हमारा देश करीब 22 लाख करोड़ रुपए के जीवाश्म ईंधन का आयात करता है। इस कारण हमारी सरकार की प्राथमिकता वैकल्पिक ईंधन और बायोफ्यूल है। यह आयात का अच्छा विकल्प है। साथ ही लागत प्रभावी और प्रदूषण से मुक्त है, जिसका सामना आज के समय दिल्ली कर रही है।

गडकरी के मुताबिक देश में फास्ट चार्जिंग पर तेजी से काम किया जा रहा है। हमें एक ऐसे चार्जिंग सिस्टम की जरूरत है जो ट्रक, बस, स्कूटर्स, तिपहिया और दोपहिया वाहनों के लिए उपयोगी हो। मौजूदा समय में चार्जिंग सिस्टम पर रिसर्च चल रही है और नए इनोवेशन किए जा रहे हैं और अकेले दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में 400 स्टार्टअप काम कर रहे हैं। उनहोंने कहा कि देश की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने हाल में किए जीएसटी सुधार में कर दर में भारी कटौती की है, जिससे देश में वाहनों की बिक्री को बढ़ाने में मदद मिली है।

पुतिन के भारत दौरे पर थरूर ने दिया संदेश बोले- अब किसी को कोई गलतफहमी नहीं होना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरुवार शाम को चार साल बाद पहली बार दो दिवसीय राज्य यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एयरपोर्ट पर उन्हें व्यक्तिगत रूप से गर्मजोशी से स्वागत किया, जो कूटनीतिक रस्मों से इतर एक विशेष इशारा था। यह यात्रा 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए है, जो शुक्रवार को हैदराबाद हाउस में आयोजित होगा। पुतिन का यह दौरा यूक्रेन युद्ध के बाद उनका पहला भारत प्रवास है, जो वैश्विक अस्थिरता के बीच दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर साबित हो रहा है।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इस दौरे की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि ऊर्जा, रक्षा और सामरिक क्षेत्रों में रूस भारत का सबसे भरोसेमंद साझेदार रहा है। थरूर ने एक साक्षात्कार में जोर दिया, यह बहुत महत्वपूर्ण यात्रा है। वैश्विक राजनीति के उथल-पुथल भरे दौर में पुराने और विश्वसनीय साझेदारों के साथ रिश्ते और मजबूत करना जरूरी है। रूस के साथ हमारा संबंध दशकों पुराना है, जो हाल के वर्षों में और प्रासंगिक हो गया। तेल-गैस आपूर्ति में रूस प्रमुख स्रोत है, जबकि रक्षा सहयोग का महत्व मई 2025 के ऑपरेशन सिंदूर में एस-400 सिस्टम के जरिए पाकिस्तानी मिसाइलों से दिल्ली जैसे शहरों की रक्षा करते हुए साफ दिखा।

थरूर ने भारत की विदेश नीति की रणनीतिक स्वायत्तता पर फिर बल दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि रूस के साथ मजबूत बंधन अमेरिका या चीन जैसे किसी अन्य देश के साथ संबंधों को प्रभावित नहीं करते। भारत अपनी संप्रभुता के आधार पर हितों और साझेदारियों का चयन करता है। किसी को यह भ्रम नहीं होना चाहिए कि रूस के साथ निकटता किसी अन्य राष्ट्र के खिलाफ है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सम्मेलन में रक्षा उत्पादन, व्यापार, विज्ञान-प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, संस्कृति और मानवीय सहयोग जैसे क्षेत्रों में कई समझौते होंगे, जो द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊर्जा देंगे।

पूर्व भारतीय राजनयिक अरुण सिंह ने भी भारत-रूस संबंधों की निरंतर प्रासंगिकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दशकों से मॉस्को ने राजनीतिक और रक्षा क्षेत्र में भारत का साथ दिया है। बदलते वैश्विक परिदृश्य में भी रूस भारत की रणनीतिक प्राथमिकताओं में अहम स्थान रखता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह दौरा वैश्विक ध्रुवीकरण के बीच संतुलित कूटनीति और नई साझेदारियों की जरूरत को रेखांकित करता है।

शुक्रवार को पुतिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे, राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देंगे और रूसी चैनल आरटी का भारत संस्करण लॉन्च करेंगे। शाम को रवाना होने से पहले मोदी के साथ व्यापक वार्ता होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके रूसी समकक्ष एंड्री बेलौसोव भी सैन्य सहयोग पर चर्चा करेंगे। अमेरिकी दबाव और यूक्रेन शांति प्रयासों के बीच यह

यात्रा रूस के लिए अलगाव कम करने का मौका है, जबकि भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा और हथियार आपूर्ति सुनिश्चित करने का। 2000 से चली आ रही रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे होने पर यह दौरा विशेष महत्व रखता है, जो दोनों देशों के बीच विश्वास को और गहरा करेगा।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**